ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आइए हम तट का विकास करके इतिहास को फिर से लिखें: उपमुख्यमंत्री @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 12 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-130

ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ

पाकिस्तान को पीएम मोदी की खुली चेतावनी

वहां से गोली चलेगी तो यहां से गोला चलेगा

सेना को सख्त निर्देश * हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों सेनाओं और सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि 'वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा'। यानी अब भारत रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक नीति अपनाएगा। सूत्रों ने यह भी बताया कि पाकिस्तान को यह समझना होगा कि अब पुराने तरीके से काम नहीं चलेगा। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से साफ कहा था कि अगर पाकिस्तान

कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर हमला किया और भारत ने इस पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सरकारी सूत्रों ने साफ कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। यह कोई एक दिन की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि अब इसे भारत-पाक रिश्तों का नया दौर कहा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह स्थिति अब स्थायी रूप से बनी रहेगी और दुनिया को इसे नए सामान्य की तरह स्वीकार करना होगा।

सूत्रों का कहना है कि, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई राजनयिक वार्ता फिलहाल नहीं हो रही है। ▶10पर

सेना प्रमुख ने की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

आर्मी को जवाबी कार्रवाई की छूट

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की ओर से सीजफायर के कुछ ही घंटों बाद इसका उल्लंघन किया गया। इसे लेकर भारतीय सेना ने स्थिति की समीक्षा की। भारतीय सेना ने बताया कि शनिवार की रात को संघर्ष विराम और वायु क्षेत्र उल्लंघन की घटनाओं के बाद भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पश्चिमी सीमाओं पर तैनात सेना कमांडरों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। थलसेना प्रमुख ने 10 मई को हुई डीजीएमओ वार्ता के तहत बनी सहमति के उल्लंघन होने की स्थिति में ▶10पर

वायु सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में मिले मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया

नयी दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना ने रविवार को जोर देकर कहा कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसे सौंपे गए कार्यों को सटीकता और व्यावसायिकता के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया है।

विशेष रूप से सोशल मीडिया में चल रही अकालबाजियों और अफवाहें के मद्देनजर वायु सेना ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि यह ऑपरेशन राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप सोच-समझकर और विवेकपूर्ण तरीके से संचालित किया गया। सेना ने कहा कि चूंकि ऑपरेशन अभी भी जारी है, इसलिए समय आने पर इस बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। वायु सेना ने सभी से अपील की है कि वह अटकलबाजी और अफवाहों से बचें और असत्यापित जानकारी का प्रसार न करें।

गरजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

'पाकिस्तानी फौज के हेडक्वार्टर रावलपिंडी तक सुनाई दी हमारी धमक'

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल उत्पादन फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक बताया है। उन्होंने बताया कि बुधवार (7 मई, 2025) की सुबह, भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित नौ आतंकी ढाँचों को निशाना बनाया। ▶10पर

तीनों सेनाओं की संयुक्त प्रेस वार्ता : सेना ने बताया

कंधार हाईजैक और पुलवामा हमले के तीन मास्टरमाइंड मारे गए

9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया

डीजीएमओ की प्रेस वार्ता में मौजूद सैन्य अधिकारी

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ एक निर्णायक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में कुल 9 टेरर लॉन्च पैड्स को निशाना बनाया गया, जिनमें 100 आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। सेना ने यह जानकारी एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी, जिसमें थल सेना, नौसेना और वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद, और डायरेक्टर जनरल ऑफ एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती शामिल हुए। तीनों अधिकारियों ने ऑपरेशन से जुड़ी प्रमुख जानकारियों को साझा करते हुए बताया कि यह ऑपरेशन पूरी तरह से आतंकवाद के खिलाफ था और इसके लक्ष्य बेहद स्पष्ट थे।

आतंक के अड्डों को किया गया नेस्तनाबूद - लेफ्टिनेंट जनरल घईले. जनरल घई ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा, आप सभी जानते हैं कि हाल ही में हुए पहलगाम हमले में 26 निर्दोष लोगों की नृशंस हत्या की गई थी। यह हमला न केवल मानवता पर हमला था, बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती देने का प्रयास भी था। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ऐसे आतंकियों और उनके समर्थन तंत्र को जड़ से समाप्त करना था।

उन्होंने बताया कि भारतीय खुफिया एजेंसियों और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से सीमा पार स्थित आतंकवादी ठिकानों की पहचान की गई और सभी को सटीक रूप से निशाना बनाया गया। उनके अनुसार, 9 ठिकानों पर कार्रवाई की गई, जिनमें से अधिकांश को पहले ही खाली करा लिया गया था, क्योंकि उन्हें भारतीय प्रतिक्रिया का भय था। फिर भी 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। ले. जनरल घई ने यह भी खुलासा किया कि इस ऑपरेशन में कंधार विमान अपहरण (1999) और पुलवामा हमले (2019) में शामिल तीन बड़े आतंकवादियों को भी मार गिराया गया है। उन्होंने इन आतंकवादियों की पहचान बताने से इनकार करते हुए कहा कि अभी और विवरण साझा करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से उचित नहीं है।

वायुसेना ने सबसे अधिक लक्ष्यों को अंजाम दिया - एयर मार्शल भारतीवायुसेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने बताया कि पहलगाम जैसे क्रूर हमले के बाद हमारे पास कार्रवाई के अलावा कोई रास्ता नहीं था। हमने बेहद सावधानीपूर्वक लक्ष्य चुने, ताकि नुकसान केवल आतंकवादी ढांचे को ही पहुंचे। उन्होंने जानकारी दी कि 9 में से 6 लक्ष्य वायुसेना के हिस्से में आए। इनमें बहावलपुर और मुरीदके जैसे इलाकों के आतंकवादी कैंप शामिल थे। टारगेटिंग के लिए उन्नत उपग्रह इमेजरी, ड्रोन सर्विलांस और ऑन-ग्राउंड इंटेलिजेंस का सहारा लिया गया। अधिकारियों ने एक सुर में कहा कि यह कोई युद्ध नहीं था, बल्कि आतंक के खिलाफ भारत का आत्मरक्षात्मक कदम था। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने कहा कि भारत ने संयम बरता, लेकिन जब आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों पर हमला किया, तो कार्रवाई आवश्यक हो गई। ▶10पर

सीजफायर के उल्लंघन पर भारत की जवाबी कार्रवाई

पाक सेना ने गंवाए 16 सैनिक, 8 बंकर और 6 चौकियां

जम्मू, 11 मई (ब्यूरो)। सीजफायर की घोषणा के तीन घंटों के उपरांत पाक सेना द्वारा कल रात लगातार तीन घटों तक सीजफायर का उल्लंघन करना उसे भारी साबित हुआ। इन तीन घंटों के भीतर पाकिस्तान ने लद्दाख से लेकर भुज तक ड्रोन हमलों से भारतीय जनता को दहशतजदा करने की कोशिश की लेकिन उसे एलओसी पर अपने 16 जवान गंवाने पड़े। सीजफायर उल्लंघन का जवाब देते हुए भारतीय पक्ष की ओर से की गई कार्रवाई में उसके 8 बंकर और 6 फारवर्ड सीमा चौकियों को भी ध्वस्त करने की खबरें आई हैं।

पाक सेना ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर पर एकसाथ कई मोर्चे खोल दिए थे। इसकी जवाबी कार्रवाई में भारतीय पक्ष ने करारा जवाब दिया। नतीजतन पाक सेना के कम से कम 16 जवानों को जान गंवानी पड़ी।

यूएनएससी में पाकिस्तान की आतंकी करतूतों को उजागर करेगा भारत, देगा नए सबूत

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के सख्त तेवर अपनाए हैं। इस हमले में 26 लोगों की आतंकियों ने हत्या कर दी थी। आतंकी हमले का जवाब देने के लिए भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया है। अब भारत नए कदम उठाते हुए दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करने वाला है। भारत आतंकवाद में पाकिस्तान की संलिप्तता के नवीनतम सबूतों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में एक टीम भेजेगा। सूत्रों के मुताबिक अगले सप्ताह यूएनएससीआर 1267 प्रतिबंध समिति की बैठक होगी। इस बीच यहां यह भी बता दें कि, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर का स्वागत किया है। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि हम नजर बनाए हुए हैं, हम संघर्ष को कम करने के सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। इस बीच यहां बता दें कि, भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर लागू होने के बाद बॉर्डर पर हालात सामान्य नजर आ रहे हैं। ▶10पर

कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में जनजीवन सामान्य

श्रीनगर, 11 मई (एजेंसियां)। कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है, क्योंकि रविवार को एक पखवाड़े से अधिक समय में पहली बार नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर किसी भी सेक्टर से गोलीबारी की कोई खबर नहीं आई।

भारत और पाकिस्तान ने शनिवार शाम को संघर्ष विराम पर सहमति जताई, जिससे कई दिनों से सीमा पार से हो रही भीषण गोलाबारी खत्म हो गई, जिसके कारण हजारों निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में पलायन करना पड़ा था।

बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में नियंत्रण रेखा पर कई गांवों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। अधिकारियों ने पुष्टि की कि कश्मीर क्षेत्र में 350 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम उल्लंघन की कोई खबर नहीं है, जो बारामूला, कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिलों से होकर गुजरती है। उरी में लोग अपने घरों और मुख्य शहर की दुकानों पर लौटने लगे हैं।

उरी के इरशाद अहमद ने , जो गोलाबारी के कारण तीन दिन पहले बारामुल्ला शहर चले गए थे कहा, चार दिनों के बाद, यहाँ बाजार खुल गया है। शांति तो लौट आई है, लेकिन लोग अभी भी डरे हुए हैं। उम्मीद है कि यह शांति बनी रहेगी। उसने कहा कि पिछले एक पखवाड़े में हुई हिंसा के दौरान कई घर क्षतिग्रस्त हो गए और जनजीवन पटरी से उतर गया। गिंगल के मंजूर अहमद ने कहा कि शत्रुता के दौरान बच्चों को सबसे खराब मनोवैज्ञानिक आघात का सामना करना पड़ा। उसने कहा, जब 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के तुरंत बाद गोलाबारी शुरू हुई, तो हमने सोचा कि यह एक या दो दिन में खत्म हो जाएगी। लेकिन इसके बाद जो हुआ वह दशकों में सबसे भारी गोलाबारी थी। हमारे बच्चे डर से काँप रहे थे। हमें उन्हें बारामुल्ला और श्रीनगर में रिश्तेदारों के घर भेजना पड़ा। वे इस आघात को कभी नहीं भूलेंगे।'

मंजूर ने इस बात पर जोर दिया कि जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता है, तो सीमावर्ती निवासियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। उसने कहा, यह शांति अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी होनी चाहिए। केवल हम सीमावर्ती निवासी ही सही मायने में समझ सकते हैं कि तनाव का क्या मतलब है। केवल उरी में ही पिछले सप्ताह की गोलाबारी में एक महिला की मौत हो गई और 15 से अधिक लोग घायल हो गए। ▶10पर

शेयर मार्केट

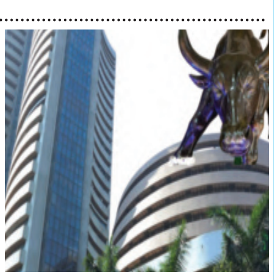

बीएसई : 79,454.47
-880.34 -1.10% ↓
एनएसई :24,008.00
-265.80 (-1.10%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 25°

पंजाब में पकड़े गए पाकिस्तानी जासूस

दुश्मनों को दी सेना की खुफिया जानकारी

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष के चलते जहां देशवासियों में देशभक्ति हिलोरे ले रही है वहीं पंजाब के मुस्लिम बाहुल्य इलाके में पुलिस ने गजाला नामक महिला व यमीन मोहम्मद नामक आरोपियों को गिरफ्तार किया है जो भारतीय सेना की जानकारियां पाकिस्तान तक पहुंचा रहे थे। भारत-पाकिस्तान में चल रहे तनाव के बीच पंजाब में देश के दो गद्दारों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में 31 वर्षीय गजाला व यमीन मोहम्मद बताए गए हैं। इन जयचंदों ने कुछ हजार रूपयों के लिए अपना ईमान बेचा है। दोनों लोग दिल्ली स्थित पाकिस्तान के एक उच्चायोग अधिकारी के लिए जासूसी कर रहे थे। दोनों आरोपियों को पुलिस ने मलेरकोटला से पकड़ा है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की है। डीजीपी ने बताया कि एक आरोपी भारतीय सेना की गतिविधियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान में बैठे हैंडलर को तक पहुंचा रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपने दूसरे साथी का खुलासा किया। इसके बाद पुलिस ने उसके दूसरे साथी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी देश और सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारी दुश्मनों तक पहुंचाने के बदले रुपये मिलते थे। आरोपियों को यह पैमेंट ऑनलाइन होती थी। दोनों आरोपी नियमित रूप से पाकिस्तान स्थित हैंडलर के संपर्क में थे और उसकी हिदायतों ▶10पर

भारत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है: पीएम

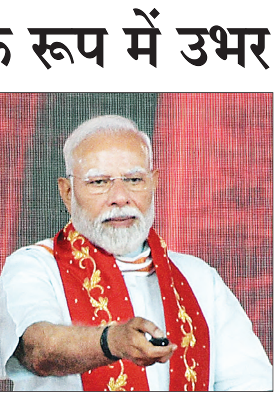

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों को याद किया और कहा कि भारत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 11 मई, 1998 की महत्वपूर्ण घटनाओं की याद दिलाता है, जब भारत ने ऑपरेशन शक्ति के तहत सफल परमाणु परीक्षण किए और स्वदेशी रूप से विकसित हंसा-3 विमान की पहली उड़ान देखी।

इन उपलब्धियों के सम्मान में, तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के तौर पर मनाने की घोषणा की थी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर शुभकामनायें। यह हमारे वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और कृतज्ञता व्यक्त करने और 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद करने का दिन है। वे हमारे देश के विकास पथ में एक ऐतिहासिक घटना थी, खासकर आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज में।'' उन्होंने कहा, ''हमारे लोगों की मदद से भारत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है, चाहे वह अंतरिक्ष हो, कृत्रिम मेधा हो, डिजिटल नवाचार हो, हरित प्रौद्योगिकी हो या और भी बहुत कुछ।'' मोदी ने विज्ञान और अनुसंधान के माध्यम से भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''प्रौद्योगिकी मानवता का उत्थान करे, हमारे राष्ट्र को सुरक्षित करे और भविष्य की वृद्धि को गति दे।

कार्टून कॉर्नर

कल्याण कर्नाटक को 50 अतिरिक्त पब्लिक स्कूल मिलेंगे: अजय सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड (केकेआरडीबी) के अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह ने कहा कि कल्याण कर्नाटक में स्कूली शिक्षा में सुधार की दिशा में एक महत्व-पूर्ण कदम उठाते हुए, सरकार द्वारा स्वीकृत 100 के अलावा, 50 कर्नाटक पब्लिक स्कूल (केपीएस) भी इस क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे।

कलबुर्गी में अपने मुख्यालय में केकेआरडीबी की बैठक के बाद मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केकेआरडीबी और राज्य सरकार अतिरिक्त स्कूलों के लिए 100-100 करोड़ रुपये प्रदान करेंगे। डॉ. सिंह ने कहा राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र के सात जिलों में 100 केपीएस का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से प्रत्येक पर 4 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केकेआरडीबी और सरकार के सहयोग से 50 अतिरिक्त स्कूल भी स्थापित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर निजी संस्थानों से बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रीमियर स्कूल स्थापित किए जाएंगे। विकास परियोजनाओं के लिए स्वीकृत की गई पूरी राशि का उपयोग करने में केकेआरडीबी की विफलता के सवाल पर, डॉ. सिंह ने स्पष्ट किया कि पिछले वित्तीय वर्ष में 5,000 करोड़ रुपये में से रिकॉर्ड 3,145 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। डॉ. सिंह ने कहा इस वर्ष हमारा लक्ष्य 5,000 करोड़ रुपये के पूरे आवंटन का पूरा उपयोग करना है। बोर्ड की बैठक में 2025-26 वित्तीय वर्ष के लिए राज्य सरकार द्वारा आवंटित 5,000 करोड़ रुपये के अनुदान के लिए सूक्ष्म और वृहद कार्य योजनाओं के निर्माण को भी मंजूरी दी गई।

पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए बोर्ड ने संकल्प लिया है कि परियोजना का 50 प्रतिशत से अधिक कार्य गैर-निविदा एजेंसियों को नहीं दिया जाना चाहिए। पिछले दो वर्षों में अक्षरा आविष्कार सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के विकास के लिए केकेआरडीबी के वार्षिक बजट का 25 प्रतिशत आवंटित करने की ओर इशारा करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि बैठक में सर्वसम्मति से चालू वर्ष में भी कार्यक्रमों को जारी रखने का निर्णय लिया गया। राज्य सरकार ने कल्याण कर्नाटक के लिए कई प्रमुख स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं की घोषणा की है, जिसमें राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस) जैसी एक स्वास्थ्य सुविधा और कलबुर्गी में मधुमेह विज्ञान संस्थान, रायचूर और बीदर में कैंसर अस्पताल और कोप्पल में एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल शामिल हैं। बैठक में इन परियोजनाओं के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

बोर्ड ने क्षेत्र में एमएसएमई विकास का समर्थन करने के लिए 100 करोड़ प्रदान करने का भी निर्णय लिया।

कल्याण कर्नाटक के सात जिलों में कम वन क्षेत्र को देखते हुए, बोर्ड ने वन विभाग के साथ मिलकर एक बड़ा वनीकरण अभियान शुरू किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में वन मंत्री ईश्वर खंड्रे, लघु उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्री शरणबसप्पा दर्शनपुर, चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरणप्रकाश पाटिल, केकेआरडीबी सचिव एम. सुंदरेश बाबू और स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. आकाश एस. भी मौजूद थे।

महाश्रमण अभिवंदना नामक एक भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन

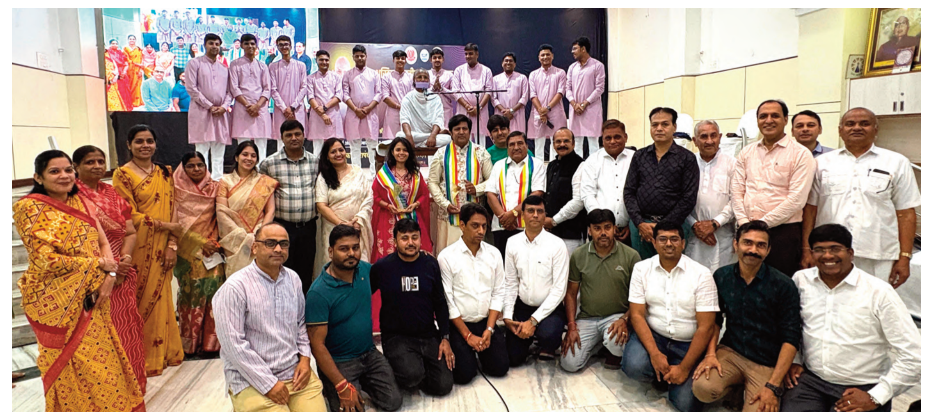

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी के 52वें दीक्षा दिवस (युवा दिवस) के पावन अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के निर्देशन में, तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा महाश्रमण अभिवंदना नामक एक भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर में सायं 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक किया गया।

इस पावन आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और संगीत के भावों का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की गरिमा को आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य डॉ. मुनि पुलकितकुमार जी एवं मुनि आदित्यकुमार जी की पावन उपस्थिति ने और भी अधिक महिमामंडित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुनि द्वारा मंत्रोच्चार के साथ हुई। इस भक्ति संध्या का मुख्य आकर्षण संगीतमय भक्ति वंदना रही, जिसमें संगायक मनीष पगारिया बेंगलूरु एवं खुशी कठोतिया (हैदराबाद) द्वारा प्रस्तुत मधुर भजनों ने उपस्थित जनसमुदाय को भावविभोर कर दिया। तेयुप बेंगलूरु की प्रसिद्ध भजन मंडली - प्रज्ञा संगीत सुधा की विशेष प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं के हृदय को छू लिया। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक मेना देवी-एमसी बलदोटा एवं वर्षा-अभिषेक बलदोटा (सिरियारी, बेंगलूरु) एवं संतोष देवी-कन्हैयालाल, सुनीता- राजेश चिप्पड़ - कन्हैया ग्रुप (बेंगलूरु, सूरत, आमेट) का भी विशेष आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, उपाध्यक्ष प्रसन्न धोका, मनीष भंसाली, मंत्री राकेश चोरड़िया, सहमंत्री अंकित छाजेड़, कोषाध्यक्ष महेंद्र कोचर, संगठन मंत्री मोहित डूंगरवाल, शाखा प्रभारी अमित दक, अभातेयुप सदस्य दिनेश मरोठी, रोहित कोठारी, प्रदीप चोपड़ा एवं अनेकों तेयुप सदस्यों के साथ महासभा आंचलिक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा रिजू डूंगरवाल, टीपीएफ अध्यक्ष पुष्पराज उपाध्यक्ष आंचलियाँ एवं सैकड़ों श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन अश्विन धारीवाल ने किया। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजकों एवं मुख्य गायकारों का तेयुप सम्मान किया गया।

सुहास शेट्टी हत्याकांड की एनआईए जांच की मांग को लेकर राज्यव्यापी अभियान की योजना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुहास शेट्टी हत्याकांड की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपे जाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने राज्यव्यापी जन अभियान की योजना बनाई है। बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दूनेरिया ने कहा कि 20 मई को मेंगलूरु में अभियान चलाया जाएगा। पुत्तूर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सुहास शेट्टी की हत्या पूर्व नियोजित तरीके से की गई है, जिसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया है, ठीक उसी तरह जैसे जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं पर हमले किए जाते हैं, जिसका उद्देश्य हिंदुओं में भय का माहौल पैदा करना और धार्मिक सुरक्षा को बाधित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी राजनीतिक दबाव में आए बिना जांच को एनआईए को सौंप दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुहास शेट्टी के माता-पिता मोहन शेट्टी

और सुलोचना शेट्टी ने खुद राज्यपाल को एनआईए जांच की मांग करते हुए एक अनुरोध प्रस्तुत किया है। हत्या के पीछे राजनीतिक संलिप्तता का आरोप लगाते हुए उन्होंने सवाल किया कि सरकार का कोई भी निर्वाचित प्रतिनिधि शिष्टाचार के तौर पर भी परिवार से मिलने क्यों नहीं गया। उन्होंने बताया कि सरकार ने परिवार को कोई वित्तीय सहायता नहीं दी है। उन्होंने कहा कि हालांकि पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है, लेकिन हमें इस बात पर संदेह है कि असली अपराधी सलाखों के पीछे हैं या नहीं। उन्होंने इसकी तुलना राज्य सरकार द्वारा फाजिल के परिवार को 25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दिए जाने से की, जिसका अर्थ है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार मुस्लिम समुदाय के पक्ष में पक्षपाती है, जबकि सुहास शेट्टी की हत्या की अनदेखी कर रही है, जो कथित तौर पर गौ रक्षा में शामिल था।

केएसआरटीसी द्वारा टिकट किराए को राउंड ऑफ करना उचित व्यवहार नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) राजहंसा, ऐरावत, वैभव और ईवी पावर प्लस सहित अपनी प्रीमियम बस सेवाओं पर यात्रियों से कथित तौर पर अधिक किराया वसूलने के लिए सार्वजनिक जांच के दायरे में आ गया है। यह मुद्दा, जिसके कारण शिकायतें और यहां तक कि कानूनी कार्रवाई भी हुई, 2024 के अंत में सामने आया, जब कई यात्रियों ने मुद्रित टिकट किराए और एकत्र की गई वास्तविक राशि के बीच विसंगतियां देखीं। आलोचकों का तर्क है कि यह प्रथा एक व्यवस्थित अधिक किराया वसू-लने का काम करती है और लोगों के विश्वास को कम करती है, खासकर सटीक डिजिटल भुगतान के युग में। इसका विरोध शिकायतों से आगे बढ़ गया है।

मैसूरु स्थित अधिवक्ता किरण ने अधिक किराया वसूले जाने से नाराज होकर केएसआरटीसी के खिलाफ उपभोक्ता अदालत में मामला दायर किया है, जिसमें 1,00,001 रुपये का मुआवजा मांगा गया है।

नवंबर 2024 में, रघु श्रीनिवासन ने ईवी पावर प्लस बस में बेंगलूरु से मैसूरु की यात्रा करते समय, अपने टिकट पर कुछ अजीब बात देखा। 17 रुपये के जीएसटी शुल्क के नीचे, अतिरिक्त 3 रुपये को राउंड-ऑफ राशि के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। राजहंसा बस में सूरतकल से मेंगलूरु तक यात्रा करने वाले डॉ. बी राधेश्याम ने पाया कि उनसे 40 रुपये लिए गए थे, जबकि मुद्रित किराया केवल 35 रुपये था। राधेश्याम ने रिफंड की मांग करते हुए केएसआरटीसी के मेंगलूरु डिवीजन को ईमेल किया। उन्होंने इस प्रथा के व्यापक निहितार्थों पर चिंता व्यक्त की। यह मुद्दा मामूली लग सकता है, लेकिन यह व्यापक परिचालन नैतिकता और जनता के साथ व्यवहार को दर्शाता है।

यदि कोई सार्वजनिक परिवहन निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों से विचलित होता है, तो यह न केवल जनता के विश्वास को कमजोर करता है, बल्कि संस्था की विश्वसनीयता को भी कम करता है। केएसआरटीसी के मेंगलूरु डिवीजन के वरिष्ठ डिवीजनल कंट्रोलर राजेश शेट्टी ने इस प्रथा का बचाव किया। उन्होंने कहा कि किराया राउंड ऑफ 2016 में जारी केएसआरटीसी परिपत्र के अनुसार किया जाता है, जिसे निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था। उन्होंने कहा कि यह नीति कंडक्टरों और फ्रैंचाइजी ऑपरेटरों को सही मुद्रा वापस करने में होने वाली कठिनाई को दूर करने के लिए शुरू की गई थी। केएसआरटीसी का तर्क है कि कभी-कभी राउंडिंग ऑफ नीति के तहत यात्रियों को भी लाभ मिलता है। उदाहरण के लिए, 31 रुपये से 34 रुपये के बीच के किराए को 30 रुपये में राउंड ऑफ कर दिया जाता है। आचार्य राधेश्याम ने कहा चूंकि यह एक तटस्थ राउंडिंग-ऑफ तंत्र नहीं है, इसलिए केएसआरटीसी को हमेशा लाभ होता है। सटीक डिजिटल भुगतान उपकरणों के साथ, राउंडिंग-ऑफ नीति पुरानी हो गई है। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान की मेंगलूरु शाखा के पूर्व अध्यक्ष एस एस नायक ने भी इन चिंताओं को दोहराया। उन्होंने कहा किराया संग्रह आधिकारिक तौर पर अधिसूचित टैरिफ के अनुसार ही होना चाहिए।

सेना पाकिस्तान द्वारा युद्ध विराम के बाद किए गए हमलों का उचित जवाब देगी: केंद्रीय मंत्री

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने रविवार को कहा कि भारतीय सेना पाकिस्तान को उचित जवाब देगी, जिसने युद्ध विराम का उल्लंघन किया है और हमारी सीमाओं पर हमला करने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा ऐसी खबरें हैं कि पाकिस्तानी सेना युद्ध विराम के बाद भी हम पर हमला करना जारी रखे हुए है। यह स्पष्ट रूप से दोहरे मानदंडों का पालन कर रहा है। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने घोषणा की है कि आतंकवाद के किसी भी कृत्य को युद्ध के रूप में देखा जाएगा। यह पहली बार है जब सरकार ने अभूतपूर्व रुख अपनाया है। इससे दो बातें स्पष्ट हो गई हैं - सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करने के मामले में पाकिस्तान दोहरे मानदंडों का पालन करने में पुराना हाथ है। उन्होंने यह भी पुष्टि की है कि उस देश में रक्षा बल वहां की निर्वाचित सरकार के नियंत्रण से परे हैं। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने सटीक हमला किया और पाकिस्तान तथा पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हमारी सरकार ने सेना को अपने चालाक पड़ोसी को सबक सिखाने की पूरी छूट दे दी थी। भारतीय सेना ने पहले ही दिन पाकिस्तान में नौ से अधिक आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया है। इस हमले में बड़ी

संख्या में आतंकी तथा उनके परिवार मारे गए हैं।

कई आतंकी ठिकाने नष्ट कर दिए गए हैं। देश में आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने का संकल्प लेने वाली केंद्र सरकार ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। यह अभूतपूर्व है। यहां तक कि आतंकी गतिविधियों को युद्ध कार्रवाई माना जाने की घोषणा भी अभूतपूर्व है। पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक ने ही भारतीय डीजीएमओ को फोन कर संघर्ष विराम की अपील की थी। लेकिन अब उन्होंने इसका उल्लंघन किया है। भारतीय सेना पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देगी, जिसने हमेशा आतंकियों तथा आतंकी संगठनों का समर्थन किया है। भाजपा नेता ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद आतंकी घटनाओं में भारी कमी आई है। उन्होंने कहा, '1980 और 1990 के दशक में बड़ी संख्या में घातक आतंकी हमले हुए थे। लेकिन अब ऐसी अधिकांश गतिविधियों पर अंकुश लग गया है। उन दिनों भारत की प्रतिक्रिया बहुत हल्की होती थी। लेकिन हमने पाकिस्तान की मुख्य भूमि पर आक्रमण करना शुरू कर दिया है और आतंकी ढांचे को नष्ट कर दिया है। हमने सिर्फ एक दिन में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। पहलगाम हमले के बाद पहली बार पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एक साथ लड़ रहा है। भारतीय सेना ने बहुत कड़ा जवाब दिया है। भारतीय रक्षा बलों ने कंधार आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को खत्म करने में कामयाबी हासिल की है। यहां तक कि उनके परिवार के सदस्य भी मारे गए हैं। भारत एक शांतिप्रिय देश है। लेकिन अगर हम पर हमला होता है, तो हम चुप नहीं बैठेंगे। यह भारत और भारतीयों की अंतर्निहित शक्ति है।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ श्री शिव गौ सेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट बेंगलूरु की तरफ से डबासपेट के निकट स्थित श्री वनक्कल मलेश्वर मठ के प्रमुख बसवा रामानंद स्वामी को गायों की सेवा के लिए 1,21000 की सहयोग राशि का चेक प्रदान करते हुए गो सेवक महेंद्र मुणोत। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष हनुमान माली, रामकिशन प्रजापत, पारस सीरवी आदि लोग भी मौजूद थे। मठ प्रमुख ने शिव गौ सेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट सेवा कार्यों की सराहना करते हुए ट्रस्ट के पदाधिकारियों को सम्मानित किया।

घरों पर बिजली का तार गिरने से तीन महिलाएं घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के बेलगेरे लेबर कॉलोनी में बिजली का तार टूटकर घरों पर गिरने से तीन महिलाएं झुलस गईं और करीब 10 अस्थायी घर क्षतिग्रस्त हो गए। बच्चों समेत कई निवासी बाल-बाल बच गए, जबकि घरेलू सामान, एक कंप्यूटर और एक मोबाइल रिपेयर की दुकान जलकर खाक हो गई। यह घटना शनिवार दोपहर करीब 3.30 बजे हुई, जब जमीन मालिक ने मजदूरों के घरों वाली जमीन की सफाई के लिए एक भारी वाहन किराए पर लिया था। जमीन की सफाई करते समय वाहन ने एक पेड़ को गिरा दिया, जो हाई-टेंशन तार पर गिर गया। नतीजतन, तार टूटकर टिन की छत वाले घरों पर गिर गया। कुछ ही सेकंड में एक ट्रांसफॉर्मर में विस्फोट हो गया और बिजली चली गई, जिससे कई लोगों की जान बच गई।

जीवन में सबसे बलवान समय है: साध्वी कंचनकंवर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित साध्वी कंचनकंवर ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस जीवन में सबसे बलवान कुछ है तो वह समय है। जो समय का सदुपयोग करता है वही जीवन को सार्थक करता है। अगर जीवन को सार्थक करना है तो कल का कार्य आज ही करना चाहिए। आज से ही जीवन में धर्म आराधना करना चाहिए। जिसने कहा कल उसका आया नहीं कल, जिसने कहा परसो उसके बीत गए बरसों और जिसने कहा आज उसने किया सब पर राज। कल के भरोसे ना रह कर आज से ही धर्म की आराधना करनी चाहिए। तभी जीवन का सदुपयोग होगा और जीवन सार्थक होगा। इसके पूर्व साध्वी अणिमा श्री ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें मनुष्य जन्म के साथ प्रभु की वाणी सुनने का अवसर मिला है। प्रभु की वाणी जीवन में आनंद बरसाने वाली है। जीवन के हर दुख और संकट को दूर करने वाली हैं।

प्रभु ने हमें ज्ञान का बोध करा कर हम पर उपकार किया है। सबसे पहले परमात्मा की वाणी को सुन उनके बताए मार्ग पर चलना होगा। जहाँ श्रद्धा होगी वहाँ ज्ञान का बोध भी होगा और उसका अनुसरण भी होगा। उन्होंने कहा सामायिक से जीवन में समता की साधना आती है। जिस क्रिया को करने से जीवन में समभाव की प्राप्ति हो, विषमता दूर हो जाए, उस क्रिया को सामायिक कहा जाता है। इसलिए प्रतिदिन सामायिक की साधना अवश्य करनी चाहिए।

इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना जैन, प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना जैन व अन्य की उपस्थिति रही। सिकंदराबाद से सुरेन्द्र कटारिया, राजाजीनगर संघ से अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, भंवरलाल चोरड़िया, महावीरचंद धोका, मिश्रीमल कटारिया, प्यारेलाल टपरावट, जयवंतराज मुणोत, शांतिलाल चाणोदिया, महावीरचंद डोसी, उगमराज लूणावत, विन-ोदकुमार डागी, उत्तमचंद भलगट, रमेश भटेवरा, त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहु मंडल, राज-ाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल, जिनेश्वर युवा के सदस्य उपस्थित रहे। संचालन संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

आइए हम तट का विकास करके इतिहास को फिर से लिखें: उपमुख्यमंत्री

यहां के लोग शिक्षित और बुद्धिमान

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि तटीय क्षेत्र के लोग बुद्धिमान और प्रतिभाशाली हैं। हमें ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जहां उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल सके। यहां शांति वापस आनी चाहिए। लोगों में भाईचारे की भावना पैदा होनी चाहिए। विकास कार्यों के माध्यम से, हम तटीय क्षेत्र में इतिहास को फिर से लिखेंगे। वे मेंगलूरु के बंगरा कुलूर में आयोजित नवोदय स्वयं सहायता समूहों के 'राजता संभ्रम 2025' (रजत जयंती समारोह) में बोल रहे थे। उन्होंने कहा मैंने 25 साल पहले इस पहल के लिए उद्घाटन दीप जलाया था, जब मैं एस एम कृष्णा की कैबिनेट में सहकारिता मंत्री था। उस समय जलाई गई उस छोटी सी लौ ने लाखों महिलाओं के जीवन को रोशन किया है और आज भी जल रही है। महिलाएं परिवार की आंखें होती हैं। उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाना चाहिए। कृष्णा की सरकार के दौरान ही

हमने इसी दृष्टिकोण के साथ स्त्री शक्ति योजना शुरू की थी। राजेंद्र कुमार ने बिना किसी राजनीतिक पद की अपेक्षा के सहकारी नेता के रूप में तटीय क्षेत्र की सेवा की है। माताओं और लोगों की सेवा करने की प्रतिबद्धता के साथ, उन्होंने नवोदय चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की। मैंने भी सहकारी क्षेत्र में अपना सार्वजनिक जीवन शुरू किया। बाद में, मैंने चुनाव लड़ा, विधायक बना, फिर सहकारिता मंत्री बना और अब उपमुख्यमंत्री के रूप में आपके सामने खड़ा हूं। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जैसे किसी अन्य क्षेत्र में लोग इतने अनुशासन के साथ बैंक और सहकारी ऋण नहीं चुकाते हैं। यहां के लोग अपनी बात पर कायम रहते हैं।

मुझे इन जिलों पर बहुत भरोसा है। यहां के लोग शिक्षित और बुद्धिमान हैं। इस भूमि ने सबसे अधिक स्नातकों को जन्म दिया है और देश में सबसे अधिक बैंकों का आशीर्वाद प्राप्त है। आपको इस विरासत को बनाए रखना चाहिए। इस क्षेत्र के प्रतिभाशाली लोग रोजगार के लिए विदेश जा रहे हैं। शिक्षित युवा हमारे राज्य की ताकत हैं। मैंने अपने सभी विधायक सहयोगियों से यह सुनिश्चित करने के लिए काम करने को कहा है कि वे अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद स्थानीय स्तर पर नौकरी पाएं। यह भूमि शांतिपूर्ण होनी चाहिए। सभी धर्मों के लोगों को भाईचारे की भावना से रहना चाहिए। धर्म कोई भी हो, सिद्धांत एक है।

नाम भले ही अलग हों, भगवान एक हैं। सभी पूजा पद्धतियों में एक ही भक्ति झलकती है। कर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन समर्पण एक है। भगवान के अनेक नाम हैं। मां की स्मृति प्रेम का मूल है। गुरु की स्मृति ज्ञान का स्रोत है। भगवान को याद करना भक्ति का स्रोत है। मां, गुरु और भगवान ये तीनों मानवता के मूल हैं और मानवता ही मोक्ष का मार्ग है। हमें सभी में मानवता देखनी चाहिए। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना होगा, जिससे परिवार आर्थिक और शैक्षणिक रूप से मजबूत होगा।

-मेरा जन्मदिन मत मनाओ

इसी बीच शिवकुमार ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील की कि वे सीमा पर तनाव के मद्देनजर उनका जन्मदिन, जो 15 मई को है, न मनाएं। उन्होंने कहा मैं 15 मई को शहर में नहीं हूं और मैं सभी से अपील करता हूं कि वे मुझे बधाई देने के लिए मेरे घर या कार्यालय न आएं। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि वे मेरी भावनाओं का सम्मान करें और सीमा पर स्थिति को देखते हुए मेरे इरादों को गलत न समझें। उन्होंने पार्टी नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और प्रशंसकों से 15 मई को फ्लेक्स, बैनर, होर्डिंग या विज्ञापन न लगाने की भी अपील की।

अगले 5 दिनों तक राज्य में बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्री-मानसून बारिश में सुधार हुआ है और अगले 5 दिनों तक राज्य में छिटपुट बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा है कि तटीय जिलों में एक या दो स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आंतरिक भागों में द्रोणिका बनने के कारण राज्य के अधिकांश भागों में बारिश का अनुमान है। उत्तरी आंतरिक भाग के एक या दो भागों में गरज और बिजली के साथ बारिश और 40 से 50 किमी/घंटा की गति से हवाएं चलने की संभावना है। गदग, बागलकोट, विजयपुरा, कलबुर्गी, कोप्पल और रायचूर जिलों में कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है। कर्नाटक के कल्याण के बीदर सहित कुछ स्थानों पर शुष्क मौसम जारी रहेगा।

दक्षिणी आंतरिक भागों के कई भागों में तूफान, बिजली गिरने तथा 50 किमी/घंटा तक की गति से हवाएं चलने की संभावना है। तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है। शाम और रात के समय कोडागु, हासन, मैसूरु, रामनगर, मांड्या, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु शहरी, चिक्कबल्लापुर और कोलार जिलों में कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। अगले 5 दिनों तक यही स्थिति बनी रहने की संभावना है। हालाँकि, राज्य के सभी भागों में व्यापक वर्षा होने की संभावना कम ही है। मौसम विभाग ने बताया कि प्री-मानसून बारिश के कारण कुछ स्थानों पर बारिश के साथ-साथ गरज, बिजली, गर्जना, ओलावृष्टि और तूफान आना सामान्य बात है।

स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, शाम और रात में हल्की से मध्यम बारिश के साथ बेंगलूरु के आसपास बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर गरज, बिजली और तूफान के साथ बारिश के संकेत हैं।

केएसआरटीसी बस में यात्रा नि:शुल्क होने के कारण टिकट छूटने पर लगेगा भारी जुर्माना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस सरकार द्वारा वादा की गई पांच गारंटियों में से एक 'शक्ति योजना' के तहत कर्नाटक भर की महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा का अधिकार मिला है। इस योजना के लागू होने के बाद से, सरकारी बसों में खास तौर पर महिलाओं की संख्या में भारी भीड़ देखी जा रही है। कई महिलाएं समूहों में बसों में चढ़ती हैं, उनके पास आधार कार्ड होता है और वे मुफ्त यात्रा का लाभ उठाती हैं। हालांकि, जो लोग मुफ्त टिकट नहीं लेते हैं, उन्हें अब केएसआरटीसी द्वारा भारी जुर्माना लगाया जा रहा है। मुफ्त यात्रा के बावजूद महिला यात्रियों को टिकट लेने से छूट नहीं है। उन्हें अपना आधार कार्ड दिखाना होगा और वैध टिकट लेना होगा। उन्हें टिकट पर बताए गए स्टॉप पर उतरना होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर एक निश्चित जुर्माना लगाया जाएगा। पुरुष यात्रियों को भी टिकट खरीदना होगा। ऐसा न करने पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। केएसआरटीसी (कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम) ने अकेले अप्रैल में 3,780 बिना टिकट यात्रियों से 7.32 लाख रुपये का भारी जुर्माना वसूला है। इसके अतिरिक्त, उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

राष्ट्र रक्षा के लिए हम सब नारे के साथ पदयात्रा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमला किया।

इस कार्य की सफलता की कामना करते हुए रविवार को विद्यारण्यपुरा स्थित एनटीए खेल मैदान से सहकारी नगर स्थित गणेश मंदिर तक 'राष्ट्र रक्षा के लिए हम सब' नारे के तहत पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त एयर मार्शल एस.पी. सिंह, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधायक एस.एन. चन्नबसप्पा, राज्य सचिव एच.सी. तमेश गौड़ा, नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इससे पहले पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ अन्य उपायों के समर्थन में शुक्रवार को बेंगलूरु में तिरंगा

यात्रा निकाली गई थी। तिरंगा यात्रा में हजारों लोगों ने भाग लिया।

विधान सौधा और उच्च न्यायालय के बीच मुख्य सड़क के किनारे चिन्नास्वामी स्टेडियम के गोल चक्कर लगाए गए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्री एच.के. पाटिल, डॉ. जी. परमेश्वर, एन.एस. बोसाराजू, डॉ. एम.सी. सुधाकर, प्रियांक खड़गे, दिनेश गुंडूराव, एच.सी. महादेवप्पा, कई विधायकों के साथ-साथ कांग्रेस कार्यकर्ता, नेता और गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। सभी लोग अपने हाथों में तिरंगा राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए थे। सड़क पर पदयात्रा में भाग लिया। तिरंगा यात्रा लोगों से खचाखच भरी थी।

तिरंगे झंडे फहराने से बेंगलूरु में एक नई चमक आ गई। तिरंगा झंडा लहराने से नेताओं के चेहरे छिप गए। यह एक अद्भुत दृश्य था जब हजारों लोग तिरंगे के साथ मार्च कर रहे थे और समुद्र की लहरों की तरह अपने झंडे लहरा रहे थे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सहित गणमान्य व्यक्ति मार्च कर रहे कार्यकर्ताओं की भीड़ के बीच चले और पुलिस को सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एक समय तो पुलिस ने रस्सियों का प्रयोग कर मुख्यमंत्री और गणमान्य व्यक्तियों को विशेष सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास किया। लेकिन मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने अनुमति देने से इनकार कर दिया।

युवक को पाक-आधारित नंबर से संदिग्ध व्हाट्सऐप संदेश मिला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के करकला के एक युवक को शनिवार शाम को पाकिस्तान स्थित एक नंबर से एक संदिग्ध व्हाट्सऐप संदेश प्राप्त हुआ, जिससे तत्काल चिंता हुई। युवक ने तुरंत अधिकारियों को सूचित किया, जिन्होंने मामले को गंभीरता से लिया है। रिपोर्ट के बाद, उडुपी जिला पुलिस ने एक सार्वजनिक सलाह जारी की है, जिसमें नागरिकों से सतर्क रहने का आग्रह किया गया है। सलाह में चेतावनी दी गई है, अंतर्राष्ट्रीय नंबरों से संदिग्ध संदेशों या लिंक का जवाब न दें। किसी भी परिस्थिति में व्यक्तिगत जानकारी या ओटीपी साझा न करें। पुलिस ने संभावित साइबर खतरों के सामने सतर्कता के महत्व पर जोर दिया है और लोगों को ऐसी किसी भी घटना की तुरंत रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया है। आपात स्थिति या साइबर अपराधों की रिपोर्ट करने के लिए 1930 डायल करें, या निकटतम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करें।

निखिल कुमारस्वामी ने कश्मीर से 13 छात्रों को सुरक्षित वापस लाने में मदद की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के बीच कश्मीर में फंसे राज्य के 13 छात्रों को सुरक्षित वापस लाया गया है।

उन्होंने इस संबंध में मीडिया को एक बयान जारी किया है। राज्य के ये छात्र कश्मीर कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे थे। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा किये गए क्रूर हमले के बाद भारत ने अपने पड़ोसी देश के खिलाफ मुंहतोड़ जवाब दिया।

इस समय युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गयी। उन्होंने बताया कि छात्रों ने अपने लिए सुरक्षा की

मांग की थी। शुक्रवार को जब मैं चन्नपट्टना में एक कार्यक्रम में अतिथि था, तो तगाचगेरे गांव के जेडीएस नेताओं ने इस संबंध में अनुरोध किया। उनका बेटा हर्षित कश्मीर में कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ रहा था और युद्ध के डर से उन्होंने उसे कर्नाटक लाने के लिए मुझसे मदद मांगी। इसके अलावा, यह भी जानकारी मिली कि कर्नाटक के कई अन्य छात्र भी वहां पढ़ रहे हैं। मैंने तुरंत यह मुद्दा केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के ध्यान में लाया तो उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों से इस पर चर्चा की और बच्चों की सुरक्षा के लिए अपने मंत्रालय के अधिकारियों को नियुक्त किया। निखिल ने बताया कि इसके माध्यम से कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत कर्नाटक के 13 छात्रों को शीघ्रता से वापस लाने की व्यवस्था की गई। सभी छात्र एक साथ रवाना हुए और शनिवार रात नई दिल्ली पहुंच गए। वहां से उन सभी को सुरक्षित रूप से बेंगलूरु लाने की व्यवस्था की गई। कश्मीर से कर्नाटक लौट रहे छात्रों के साथ मौजूद चन्नपट्टना तालुक के छात्र हर्षित ने कहा कि उन्होंने छात्रों से वीडियो कॉल पर बात की और सभी का हालचाल पूछा। निखिल कुमारस्वामी ने केंद्र सरकार के सभी विभागों के अधिकारियों को धन्यवाद दिया जिन्होंने छात्रों को बेंगलूरु लाने में मदद की।

पूर्व आईसीएआर प्रमुख एस. अय्यप्पन कावेरी नदी में मृत पाए गए

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के पूर्व महानिदेशक सुब्बाना अय्यप्पन (69) का शव शनिवार को यहां के पास श्रीरंगपटना में कावेरी नदी से बरामद किया गया। दो दिन पहले मैसूरु में उनके लापता होने की सूचना मिली थी। मांड्या जिले के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने श्रीरंगपटना में साईं आश्रम के पास कावेरी नदी में शव को तैरते हुए देखा, जिसके बाद शव बरामद किया गया। उनके रिश्तेदारों ने 8 मई को मैसूरु शहर के विद्यारण्यपुरम पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उनके जूते और दोपहिया वाहन नदी के किनारे खड़े थे। पुलिस अधिकारी ने कहा यह पता नहीं चल पाया है कि वह गलती से पानी में गिर गए या उन्होंने आत्महत्या की। हम मामले की जांच कर रहे हैं। मैसूरु के केआर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। डॉ. अय्यप्पन, जो अपने पीछे पत्नी और दो बेटियों को छोड़ गए हैं, कथित तौर पर 7 मई को लापता हो गए थे। वे मैसूरु के विश्वेश्वरनगर के निवासी थे।

डॉ. अय्यप्पन के रिश्तेदारों के अनुसार, वे बहुत ही आध्यात्मिक व्यक्ति थे और श्रीरंगपटना में श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर और निमिशंबा मंदिर में अक्सर जाते थे। जब शव बरामद किया गया, तब वे श्रीरंगपटना के आसपास के विभिन्न आश्रमों में उनकी तलाश कर रहे थे। एक प्रसिद्ध जलीय कृषि वैज्ञानिक, डॉ. सुब्बाना अय्यप्पन आईसीएआर का नेतृत्व करने वाले पहले गैर-फसल वैज्ञानिक थे। अपने शानदार करियर के दौरान, उन्होंने केंद्रीय मीठे पानी के जलीय कृषि संस्थान के निदेशक और परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष सहित कई पदों पर कार्य किया।

झूठी खबर या गलत सूचना फैलाने पर होगी सख्त कार्रवाई: दिनेश गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर, सोशल मीडिया पर गलत सूचना या फर्जी खबरें फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। शनिवार शाम को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमें अपने सैनिकों का समर्थन करना चाहिए और उनका मनोबल बढ़ाना चाहिए। जब राष्ट्रीय मामलों की बात आती है, तो हम सभी एकजुट होते हैं।

सुहास शेट्टी की हत्या के मामले के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उचित जांच

कर रही है।

उन्होंने कहा मामला एनआईए को सौंपा जाना चाहिए या नहीं, इस पर विचार करने की जरूरत है। पुलिस ने पहले ही घटना के मूल का पता लगा लिया है और जांच कर रही है कि क्या अन्य लोग इसमें शामिल हैं। भाजपा एनआईए जांच की मांग कर रही है और सरकार इस पर फैसला लेगी। अगर भाजपा नेताओं के पास कोई विशेष जानकारी है, तो वे उसे उपलब्ध कराएं, पुलिस उचित कार्रवाई करेगी। लेकिन हम महज अटकलों पर प्रतिक्रिया नहीं देंगे। विधायक हरीश पूंजा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए दिनेश गुंडू राव ने कहा उनके बयान के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है, और इस पर कोई स्थगन आदेश नहीं है।

समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए साप्ताहिक योग पॉडकास्ट शुरू

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रता-पराव जाधव ने रविवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साप्ताहिक योग पॉडकास्ट शुरू किया।

इसे मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने तैयार किया है और इसका उद्देश्य प्राचीन परंपराओं को आधुनिक जीवनशैली के साथ मिलाकर योग के शाश्वत ज्ञान को हर घर तक पहुँचाना है।

श्री जाधव ने कहा कि पॉडकास्ट का पहला एपिसोड योग की दुनिया में एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत करता है। पॉडकास्ट श्रृंखला श्रोताओं को व्यावहारिक चर्चाओं, निर्देशित अभ्यासों और विशेषज्ञ साक्षात्कारों के साथ जोड़ने के लिए बनाया गया है, जिससे योग सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों के लिए सुलभ और प्रासंगिक बन सके।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने

'सैन्य जरूरतों' के लिए राजस्थान को अतिरिक्त पानी छोड़ने का आदेश दिया

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को राजस्थान को अतिरिक्त पानी छोड़ने का आदेश दिया, ताकि राज्य में सेना की जरूरतें पूरी की जा सकें।

मुख्यमंत्री के हवाले से बयान में कहा गया कि राजस्थान सरकार ने पंजाब के कोटे से अधिक पानी मांगा है, क्योंकि राजस्थान सीमा पर तैनात सेना को अतिरिक्त पानी की आवश्यकता है।

मान ने कहा कि जब भी राष्ट्रीय हितों की बात आती है तो पंजाब कभी पीछे नहीं रहता। उन्होंने कहा, ''न केवल पानी, बल्कि पंजाब राष्ट्रीय हितों के लिए अपना खून भी बहा सकता है।

सिद्धिविनायक मंदिर में नारियल- माला और प्रसाद चढ़ाने पर लगी रोक

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। मुंबई के प्रभादेवी इलाके स्थित प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर प्रशासन ने एक महत्व-पूर्ण घोषणा की। मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा कारणों से 11 मई से मंदिर में नारियल, माला और प्रसाद चढ़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके.' सिद्धिविनायक मंदिर गणपति बप्पा के भक्तों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है, रोजाना हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। यहां भक्त अपनी मनोकामनाओं के लिए बप्पा के दर्शन करने आते हैं।

लेकिन अब, मंदिर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं को बिना किसी हार-माला, नारियल या प्रसाद के दर्शन करने होंगे।

मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए लिया गया है। मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा जांच को और प्रभावी बनाने के लिए यह कदम जरूरी था।

पहलगाम अटैक से जब देश पर संकट तो सुप्रीम कोर्ट उससे अलग नहीं : जस्टिस गवई

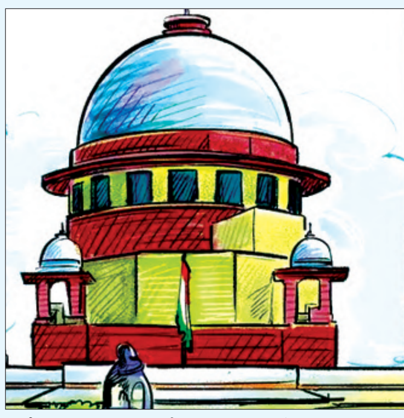

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि वह पहले बौद्ध होंगे जो चीफ जस्टिस बनेंगे। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि यह भी संयोग की बात है कि बुद्ध पूर्णिमा के अगले दिन ही वह शपथ ले रहे हैं। भारत के भावी चीफ जस्टिस बी. आर. गवई ने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा है कि जब देश संकट में हो, तो सुप्रीम कोर्ट उससे अलग नहीं रह सकता और हम भी इस देश का हिस्सा हैं। रविवार को मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान उन्होंने यह बात कही।

मीडिया कर्मियों से बातचीत में जस्टिस गवई ने कहा कि देश जब संकट में होता है, तब सुप्रीम कोर्ट अलग-थलग नहीं रह सकता, हम भी देश का हिस्सा हैं । यह बात भारत के भावी मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने रविवार को पहलगाम आतंकी हमले पर पूछे गए सवाल पर कही, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई।

उन्होंने कहा कि जब हमें इस घटना के बारे में पता चला, तो हम स्तब्ध रह गए। चूँकि चीफ जस्टिस देश में नहीं थे, इसलिए उनकी अनुमति लेने के बाद मैंने पूर्ण न्यायालय (फुल कोर्ट) की बैठक बुलाई। बैठक के बाद, हमने तुरंत हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखने की घोषणा की। यह पहली बार था जब सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और पीड़ितों की याद में मौन रखा। परंपरागत रूप से सर्वोच्च न्यायालय हर वर्ष 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन रखता है।

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि युद्ध से किसी को लाभ नहीं होता, संघर्षविराम अच्छा होता है। उन्होंने रूस और यूक्रेन तथा इज़राइल और गाज़ा के बीच चल रहे युद्धों का उदाहरण देते हुए कहा, युद्ध के क्या विनाश होते हैं, हम देख ही चुके है। तीन साल से हम यूक्रेन युद्ध देख रहे हैं। पचास हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। गाज़ा के संघर्ष में इससे भी अधिक हताहत हुए हैं। एक देश का नागरिक होने के नाते सभी चिंतित होते हैं। जो भी होता है, वह सबके साथ होता है।

जस्टिस गवई ने कहा कि वह पहले बौद्ध हैं जो सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस होंगे। उन्होंने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर वे इंद्रप्रस्थ पार्क स्थित शांति स्तूप जाएंगे और प्रार्थना करेंगे।

पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत में न्यायमूर्ति गवई ने यह भी स्पष्ट किया कि वे सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद नहीं लेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे अपने पिता की तरह राजनीति में जाएंगे, तो उन्होंने कहा, कोई राजनीतिक आकांक्षा नहीं है। मैंने यह तय कर लिया है कि सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद या कार्य नहीं लूंगा। कोई अन्य जिम्मेदारी भी मुख्य न्यायाधीश के पद से नीचे ही मानी जाएगी।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और भाजपा नेता निशिकांत दुबे द्वारा सुप्रीम कोर्ट पर की गई टिप्पणियों पर पूछे गए सवाल पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि क्या सर्वोच्च है, यह सबको पता है। सर्वोच्च तो संविधान है। सुप्रीम कोर्ट पहले के कई फैसलों में कह चुका है कि संविधान सर्वोच्च है।

महाराष्ट्र के एक गांव में जन्मे न्यायमूर्ति गवई ने बताया कि वे अब भी साल में तीन बार अपने गांव जाना पसंद करते हैं। विशेष रूप से अपने दिवंगत पिता की जन्म और पुण्यतिथि पर, और गांव के वार्षिक मेले में वह गांव जरूर जाते हैं। 14 मई को जस्टिस गवई भारत के अगले चीफ जस्टिस के तौर पर शपथ लेंगे और उनका कार्यकाल छह महीने का होगा और वह 23 दिसंबर 2025 को रिटायर हो जाएंगे। जस्टिस गवई ने 16 मार्च 1985 को वकालत शुरू की थी और नागपुर नगर निगम, अमरावती नगर निगम और अमरावती विश्वविद्यालय के लिए स्थायी वकील के रूप में कार्य किया। अगस्त 1992 से जुलाई 1993 तक वे बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में सहायक सरकारी वकील और अतिरिक्त पब्लिक प्रोसिक्युटर रहे। 17 जनवरी 2000 को उन्हें नागपुर बेंच के लिए सरकारी वकील और लोक अभियोजक नियुक्त किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में उन्होंने कई संविधान पीठों का हिस्सा रहते हुए ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। दिसंबर 2023 में अनुच्छेद 370 को हटाने के केंद्र के निर्णय को सर्वसम्मति से वैध ठहराने वाली पाँच-न्यायाधीशों की पीठ का वे हिस्सा थे। इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में दिए गए फैसले में भी वह बेंच का हिस्सा था। सात-न्यायाधीशों की एक और संविधान पीठ, जिसमें जस्टिस गवई शामिल थे, जिसने 6:1 के बहुमत से यह निर्णय दिया कि अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण किया जाना संविधान सम्मत है ताकि सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों को आरक्षण का लाभ दिया जा सके।

बाड़मेर में ब्लैकआउट के बीच आसमान में दिखे ड्रोन

जैसलमेर-बीकानेर में जल्दी बंद हुए बाजार, जोधपुर में आज भी बंद रहेंगे स्कूल-कॉलेज

जैसलमेर/जोधपुर/बाड़मेर, 11 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के बॉर्डर वाले इलाकों में 3 दिन हाई अलर्ट और ब्लैकआउट के बाद अब स्थिति सामान्य हो गई है। जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, जोधपुर में बाजार खुल गए और सामान्य दिनों की तरह चहल-पहल है।

हालांकि जैसलमेर में आज भी शाम 7.30 बजे से सुबह 6 बजे तक ब्लैकआउट रहेगा। बाड़मेर में रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक ब्लैकआउट रहेगा। जोधपुर में ब्लैकआउट नहीं होगा, लेकिन स्कूल-कॉलेजों में सोमवार को छुट्टी रहेगी। परीक्षाएं भी फिलहाल स्थगित रहेगी।

उधर, युद्ध के हालात को देखते हुए राजस्थान में रद्द की गई 16 ट्रेनों और आंशिक रूप से रद्द 11 ट्रेनों को बहाल कर दिया गया है। रविवार को जयपुर एयरपोर्ट से चंडीगढ़ जाने वाली 2 फ्लाइट रद्द हुई है। फिलहाल जोधपुर, किशनगढ़, बीकानेर से फ्लाइट संचालन बंद है।

सीजफायर (युद्धविराम) के बाद शनिवार देर रात तक पाकिस्तानी ड्रोन का हमला बॉर्डर से सटे राजस्थान के कई इलाकों में होता रहा। जैसलमेर में शनिवार आधी रात तक रह-रहकर धमाकों की आवाज आती रही।

बॉर्डर वाले जिलों बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर में रविवार की सुबह हालात सामान्य नजर आए। यहां सुबह बाजारों खुले और सामान्य दिनों की तरह चहल-पहल नजर आई। हालांकि रात को इन जिलों में एक बार फिर ब्लैकआउट हो गया।

बाड़मेर में ब्लैकआउट के दौरान पुलिस सड़क पर उतरी। पुलिसकर्मियों ने दुकानें बंद कर घर लौट रहे लोगों से उनकी गाड़ियों की लाइटें बंद करवाई।

श्रीगंगानगर में भी शाम 7 बजे से सूर्योदय तक ब्लैकआउट है। शहर में शाम 7 बजे ही लोगों ने बाजार बंद कर दिया और घर लौट गए। जिला प्रशासन ने आमजन से ब्लैकआउट का स्वैच्छिक पालन करने अपील की है। जिले में अलार्मिंग सायरन बजने पर पूरी तरह ब्लैकआउट होगा।

खरगे-राहुल ने मोदी को लिखा पत्र

संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर से पहले एवं उसके बाद की स्थिति पर विचार के लिए संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने की मांग की है।

खरगे ने प्रधानमंत्री को रविवार को लिखे पत्र में कहा है कि वह पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा के लिए संसद का तत्काल विशेष सत्र बुलाने के विपक्ष के सर्वसम्मत अनुरोध को दोहरा रहे हैं। उनका कहना था कि संसद ने इस बात पर भी चर्चा होगी कि पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारों संघर्ष विराम की घोषणाएं करती हैं। उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि इससे पहले 28 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पहलगाम हमले को लेकर संसद विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी।

गांधी ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री से पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान की घोषणा से पहले संघर्ष विराम के मुद्दे पर ट्वीट करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस आग्रह पर विचार करेंगे। गौरतलब है कि श्री गांधी ने पिछले दिनों सर्वदलीय बैठक में भी संसद का विशेष सत्र बुलाने की बात कही थी।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने नंगल डैम का दौरा करते हुए बीबीएमबी पर निशाना साधा

उन्होंने फिर से पानी चुराने की कोशिश की

नांगल (पंजाब), 11 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को आरोप लगाया कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) ने नांगल बांध से एक बार फिर पानी चुराने की कोशिश की।हरियाणा में भी छापेमारी की गई, लेकिन स्थानीय लोगों ने उनके प्रयासों को विफल कर दिया।मान ने एएनआई को बताया, उन्होंने एक बार फिर पानी चुराने का प्रयास किया। यहां के लोगों ने उन प्रयासों को विफल कर दिया।उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के माध्यम से पंजाब पर दबाव डालने का आरोप लगाया।उन्होंने कहा, लेकिन भाजपा हर दिन बीबीएमबी को यहां भेजती है। पंजाब सीमा पर लड़ रहा है। हमें कहां ध्यान देना चाहिए, वहां या यहां?मान ने बीबीएमबी अधिकारियों के बार-बार आने को एक बड़े एजेंडे का हिस्सा बताया। वे (बीबीएमबी) हर दिन यहां आते हैं। यह बुरा है।

लेकिन हम उनकी साजिशों को सफल नहीं होने देंगे।

सीएम ने बीबीएमबी को दिए गए धन पर भी सवाल उठाते हुए कहा, हम पंजाब सरकार द्वारा बीबीएमबी को दिए गए धन का ऑडिट करेंगे ।मान ने यह भी आरोप लगाया कि बीबीएमबी पंजाब का पानी लूट रही है ।सशस्त्र बलों की ओर से हाल ही में किए गए अनुरोध का उल्लेख करते हुए मान ने कहा, सेना ने राजस्थान में पानी मांगा था ; हमने रातों-रात इसकी आपूर्ति कर दी। लेकिन हमारे पास और पानी नहीं है।राजस्थान ने सीमा पर तैनात सैन्यकर्मियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पंजाब के कोटे से अतिरिक्त पानी की मांग की थी ।शनिवार को मुख्यमंत्री मान ने घोषणा की कि राज्य सीमा पर तैनात भारतीय सेना की सहायता के लिए अपने कोटे से राजस्थान को अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराएगा।एक्स पर एक आधिकारिक पोस्ट में सीएम मान ने जोर देकर कहा कि जब राष्ट्रीय हित की बात आती है, तो पंजाब कभी पीछे नहीं हटता, और उन्होंने पुष्टि की कि पंजाब का पानी – और यहां तक कि इसका खून भी – देश के बहादुर सैनिकों के लिए उपलब्ध है।सीएम मान ने एक्स पर लिखा, आज राजस्थान सरकार ने पंजाब के कोटे से अधिक पानी की मांग की है । देश की सुरक्षा के लिए राजस्थान सीमा पर तैनात सेना को अतिरिक्त पानी की जरूरत है। जब भी देश के हित की बात आती है, पंजाब कभी पीछे नहीं हटता। अगर पंजाब का पानी देश की बहादुर सेना के लिए है, तो हमारा खून भी है। सेना के जवानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मैंने राजस्थान को तुरंत अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

रक्षा आत्मनिर्भरता का नया आधार बना उत्तर प्रदेश

लखनऊ में बनी हाई-एंड टाइटेनियम और सुपर एलॉय निर्माण इकाई

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना अब उत्तर प्रदेश में आकार ले रही है। योगी आदित्यनाथ सरकार की सक्रियता और केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश अब भारत की डिफेंस आत्मनिर्भरता का नया केंद्र बन चुका है। रविवार को उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी के साथ-साथ देश की पहली अत्याधुनिक निजी टाइटेनियम और सुपर एलॉय निर्माण सुविधा की भी शुरुआत हुई है। इस परिसर में भारत में पहली बार टाइटेनियम रीमेल्टिंग और रीसाइक्लिंग की सबसे बड़ी वैश्विक क्षमता एक ही स्थान पर विकसित की गई है। यह केवल एक निर्माण इकाई नहीं, बल्कि रक्षा और एयरोस्पेस सेक्टर में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में चार नई अत्याधुनिक निर्माण इकाइयों का भी शिलान्यास हुआ। इसमें एयरोस्पेस प्रिसीजन कास्टिंग प्लांट भी शामिल रहा, जहां जेट इंजन और एयरक्राफ्ट सिस्टम्स के लिए महत्वपूर्ण प्रिसीजन कंपोनेंट तैयार किए जाएंगे। इसके साथ ही, एयरोस्पेस फोर्ज शॉप एंड मिल प्रोडक्ट्स प्लांट का भी शिलान्यास हुआ, जिसमें टाइटेनियम व सुपर एलॉय से बने बार्स, रॉड्स और शीट्स बनाए जाएंगे। एयरोस्पेस प्रिसीजन मशीनिंग शॉप के तहत जेट इंजन के सूक्ष्मतम स्तर पर घटकों की मशीनिंग की जाएगी, जबकि स्ट्रैटेजिक पाउडर मेटलर्जी फैसिलिटी के तहत भारत में पहली बार स्वदेशी तकनीक से टाइटेनियम और सुपर एलॉय मेटल पाउडर का निर्माण होगा।

यहां स्थापित स्ट्राइड एकेडमी युवाओं को रक्षा और एयरोस्पेस तकनीक की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देगी। वहीं, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर नई तकनीकों के स्वदेशी विकास, मैटेरियल इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस सुधार में अहम भूमिका निभाएगा। एयरोलॉय ने बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि उसने यूके की 'ट्रैक प्रिसीजन सॉल्यूशंस' का अधिग्रहण कर लिया है। यह कंपनी जेट इंजन के क्रिटिकल कंपोनेंट्स बनाने में अग्रणी है। इसके अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता का अब भारत को भी लाभ मिलेगा।

11 मई 1998 को पोखरण में भारत ने जब परमाणु परीक्षण कर वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत दिखाई थी, ठीक 27 साल बाद उसी तारीख को लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल प्रोडक्शन की शुरुआत उत्तर प्रदेश के लिए वैसी ही ऐतिहासिक उपलब्धि बन गई है। उत्तर भारत में आयुध फैक्ट्रियों को छोड़ दें तो इससे पहले ऐसी कोई हाई-एंड मिसाइल निर्माण सुविधा नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में शुरू हुए डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का यह परिणाम है कि अब तक पांच यूनिट्स उत्पादन शुरू कर चुकी हैं और अब दो नई यूनिट्स भी इसमें शामिल हो गई हैं। तीन-चार वर्षों में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का इतनी तेज़ी से उत्पादन में आना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम है। भारत हर साल करीब 6.5 लाख करोड़ रुपये रक्षा पर खर्च करता है, जिसमें से 2.5 लाख करोड़ रुपये का आयात होता है। अब मोदी-योगी सरकार का फोकस इन उपकरणों को भारत में बनाकर न सिर्फ आत्मनिर्भरता हासिल करने, बल्कि वैश्विक बाजार में भी निर्यात बढ़ाने पर है।

पद्मश्री वैज्ञानिक अय्यप्पन का कावेरी नदी में तैरता मिला शव, 7 मई से थे लापता

बेंगलूरु, 11 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के प्रसिद्ध वैज्ञानिक और पद्मश्री सम्मानित सुब्बान्ना अय्यप्पन का शव कावेरी नदी के पास मिला है। वे 70 साल के थे और पिछले 7 मई से लापता थे। उनका शव शनिवार सुबह श्रीरंगपटना (मांड्या जिले) में नदी से बरामद किया गया। यह जगह मैसूर से करीब 20 किलोमीटर दूर है।

पुलिस ने बताया कि उनका दोपहिया वाहन नदी के पास खड़ा मिला और शव पानी में तैरता हुआ दिखा। जांच में फिलहाल किसी साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। अय्यप्पन 7 मई से लापता थे और 8 मई को उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उन्हें ध्यान (मेडिटेशन) का शौक था, इसलिए पुलिस ने श्रीरंगपटना के कई ध्यान केंद्रों में उनकी तलाश की थी।

सुब्बान्ना अय्यप्पन देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे। वे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (खउ-ठ) के पहले ऐसे निदेशक बने जो मूल रूप से कृषि वैज्ञानिक नहीं थे। यह कृषि के क्षेत्र में रिसर्च करने वाला सबसे बड़ा संस्थान है। उन्हें 2022 में पद्मश्री पुरस्कार मिला था। उन्होंने भारत में नीली क्रांति (मत्स्य पालन क्षेत्र में विकास) में अहम भूमिका निभाई थी। वे इंफाल की सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर भी रह चुके थे। वह सरकार की कई कमेटियों में शामिल रहे और उन्हें बहुत से पुरस्कार भी मिले थे। उनका जन्म 10 दिसंबर 1955 को कर्नाटक के चामराजनगर जिले में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई मंगलुरु और बेंगलुरु से की। वर्ष 1998 में उन्होंने पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। उनके परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियाँ और एक दामाद हैं।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन

आतंकवाद को उसी की भाषा में जवाब देना होगा : योगी

आभासी माध्यम से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर पाकिस्तान और उसके द्वारा संरक्षित आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है जो कभी सीधी होने वाली नहीं, जो प्यार की भाषा मानने वाला नहीं। उसको उसी की भाषा में जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। इस दिशा में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है। अब समय आ गया है जब आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सबको एक स्वर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअली उपस्थित रहे और उन्होंने और सीएम योगी ने एक साथ बटन दबाकर ब्रह्मोस यूनिट का शुभारंभ किया। इस दौरान रक्षा उत्पादन से जुड़ी पुस्तक ब्रह्मांड का भी विमोचन किया गया। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारत की तीनों रक्षा सेनाओं के बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल क्या है, इसके पराक्रम को आपने ऑपरेशन सिंदूर में देखा होगा और नहीं देखा तो कम से कम पाकिस्तान वालों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है। आतंकवाद के प्रति प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की है कि कोई भी आतंकी घटना अब युद्ध जैसी होगी और याद रखना आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा भी नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्वावलंबी देश के लिए आवश्यक है कि अपनी रक्षा आपूर्ति के लिए वह दुनिया के अन्य देशों पर निर्भर होने की बजाय स्वयं उस लक्ष्य को प्राप्त करे। इजराइल इसका उदाहरण है, जिसने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। उसने अपने अगल-बगल के दुश्मन देशों को नाकों चने चबाने के लिए मजबूर किया है।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद की समस्या का समाधान तब तक नहीं हो सकता जब तक हम इसे पूरी तरह से कुचल नहीं देते। आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सभी को पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक स्वर में मिलकर लड़ना होगा। आतंकवाद कभी भी प्यार की भाषा नहीं अपना सकता। उसे उसी की भाषा में जवाब देना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पूरी दुनिया को संदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत के सामने जो लक्ष्य रखा, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर और ब्रह्मोस मिसाइल उसी अभियान का हिस्सा है। वीडीएल झांसी में आ रहा है। उसका काम बहुत तेजी से आगे बढ़ चुका है। विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ा है वह उसे प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय बजट में दो डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की थी, लेकिन यह कहां बनेगी इसकी घोषणा प्रधानमंत्री मोदी ने इसी लखनऊ में की थी। उत्तर प्रदेश में इसके लिए 6 नोड तय किए गए। इनमें राजधानी लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए चुना गया। 2019 में केंद्र में जब पुनः सरकार बनी तब रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह ने 2020 में पहली बार लखनऊ में डिफेंस एक्सपो का आयोजन किया। तब उन्होंने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल की प्रोडक्शन यूनिट लगाने की घोषणा की थी।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर डिफेंस कॉरिडोर के जो 6 नोड विकसित हो रहे हैं इन पर हमारा कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे पहले हमने कानपुर में रक्षा सेनाओं के लिए गोला बारुद के उत्पादन केंद्र का शुभारंभ किया था। अब उसके विस्तार के लिए भी भूमि की मांग हो रही है। लखनऊ में भी ब्रह्मोस को जैसे ही 200 एकड़ भूमि दी गई तो पीटीसी भी यहां पर आया है। पीटीसी ने न केवल ब्रह्मोस के लिए बल्कि एयरोस्पेस से जुड़े अनेक कार्यों के लिए एक एंकर यूनिट के रूप में उत्पादन कार्य प्रारंभ किया है। यहां ब्रह्मोस से जुड़ी हुई लगभग 7 एंकर यूनिट लग रही हैं। उन्होंने कहा कि 2013-14 में भारत का जो रक्षा उत्पादन था आज हम उससे कई सौ गुना ज्यादा उत्पादन और निर्यात कर रहे हैं। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ दुनिया के तमाम मित्र देशों को रक्षा सामग्री निर्यात करके उनकी सुरक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति का भी काम कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो हमारा लक्ष्य था कि 6 डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में हमें 50,000 करोड़ रुपए के निवेश कराने हैं, एक लाख युवाओं को रोजगार भी देना है। अब तक हमारे साथ डिफेंस एक्सपो के साथ ही देश और दुनिया के अलग-अलग भागों से 57 एमओयू हो चुके हैं जिनके माध्यम से करीब 30 हजार करोड़ के निवेश सिर्फ डिफेंस सेक्टर से ही होने जा रहे हैं। लगभग 60 हजार नौजवानों को हम लोग नौकरी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। ब्रह्मोस, पीटीसी, डीआरडीओ, एलएंडटी और सभी इकाइयों को धन्यवाद दूंगा, जो स्थानीय स्तर के नौजवानों को प्रशिक्षित करके रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले जिस राज्य में नौकरी नहीं होती थी, पलायन होता था, आज वहां पर निवेश भी हो रहा है आज वहां पर एमएसएमई यूनिट एक एंकर यूनिट के रूप में बेस तैयार कर रहा है।

पहले कंपनियों को यहां आने में समस्या होती थी क्योंकि पॉलिसी नहीं थी, सुरक्षा का अभाव था। जब व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं तो पूंजी कहां सुरक्षित रहने वाली है। आज व्यक्ति भी सुरक्षित है, पूंजी भी सुरक्षित है और देश की सुरक्षा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए भी हम मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज एक रिच इंफ्रास्ट्रक्चर हमारे पास है।

डीआरडीओ का केंद्र, ब्रह्मोस मिसाइल के साथ-साथ एंकर यूनिट के रूप में पीटीसी की उपस्थिति और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादन के लिए किए जाने वाले निवेश इस बात की गवाह है कि उत्तर प्रदेश इस दिशा में भारत की आवश्यकताओं की आपूर्ति करने के लिए पूरी मजबूती के साथ एक ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की रक्षा उत्पादन की आत्मनिर्भरता में अपना योगदान देने में पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। यहां पर अभी डीआरडीओ को या फिर ब्रह्मोस जैसे रक्षा उत्पादन से जुड़े अन्य कार्यक्रमों के लिए जितनी भी भूमि की आवश्यकता पड़ेगी, उत्तर प्रदेश सरकार पहले की तरह इसमें भरपूर मदद करेगी। इस अवसर पर दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद ब्रजलाल, विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह समेत डीआरडीओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, पीटीसी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ओडीओपी में शामिल किए 12 और नए उत्पाद

अब अमरोहा का मैटल बिखेरेगा जलवा

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट (ओडीओपी) योजना न केवल प्रदेश के हर जिले की पारंपरिक विशेषता को राष्ट्रीय और वैश्विक पहचान दिलाने का माध्यम बनी है, बल्कि लाखों कारीगरों, शिल्पियों और उद्यमियों के लिए आत्मनिर्भरता का सशक्त जरिया भी साबित हुई है। सीएम योगी की ओडीओपी योजना जहां देश के कई राज्य अपना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दुनिया में भी काफी ओडीओपी उत्पादों की सराहना हो रही है। इसे और सशक्त बनाने के लिए योगी सरकार ने 12 और नये उत्पादों को ओडीओपी में शामिल किया है, जो देश दुनिया में अपनी पहचान बनाएंगे। योगी सरकार पहले ही प्रदेश के विभिन्न जिलों के 62 उत्पादों को ओडीओपी में शामिल कर चुकी है, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 74 हो गई है। एमएसएमई सचिव प्रांजल यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना की पूरे देश में चर्चा हो रही है। यह योजना विभिन्न राज्यों को काफी पसंद आयी। यही वजह है कि उन्होंने अपने राज्यों में भी सीएम योगी की ओडीओपी योजना को लागू किया है। सीएम योगी की दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि प्रदेश के हर जिले की पारंपरिक विशेषताओं और उद्योगों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान मिली है। इससे न सिर्फ स्थानीय शिल्पियों और उद्यमियों को रोजगार मिला है, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्राप्त हुई है। एमएसएमई सचिव ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर ओडीओपी में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 12 नए उत्पादों को शामिल किया है। इसमें बागपत के एग्रीकल्चरल इम्प्लीमेंट्स एंड रिलेटेड एसेसरीज, सहारनपुर के होजरी उत्पाद, फिरोजाबाद के फूड्स प्रोसेसिंग, गाजियाबाद के मैटल उत्पाद तथा टेक्सटाइल एंड अपेरल उत्पाद, अमरोहा के मैटल एवं वुडन हैंडीक्राफ्ट, आगरा के पेठा उद्योग एवं सभी प्रकार के फुटवियर, हमीरपुर के मैटल उत्पाद, बरेली के लकड़ी के उत्पाद, एटा के चिकोरी उत्पाद, प्रतापगढ़ का खाद्य प्रसंस्करण, बिजनौर का ब्रश एवं उससे जुड़े उत्पाद और बलिया का सत्तू उत्पाद आदि शामिल हैं। योगी सरकार ने ओडीओपी योजना के तहत अब तक कई पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई है।

नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों में 350 से अधिक अवैध धार्मिक स्थल ध्वस्त

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने नेपाल सीमा से सटे जनपदों में अवैध रूप से सरकारी और निजी भूमि पर बने धार्मिक स्थलों के खिलाफ बड़ा अभियान छेड़ रखा है। बीते कुछ दिनों में सैकड़ों अवैध मदरसे, मस्जिदें, मजारें और ईदगाह को चिह्नित कर उन पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की बड़ी कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई रविवार को भी जारी रही। प्रदेश के पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में प्रशासन द्वारा अवैध धार्मिक स्थलों को चिह्नित कर उन पर प्रशासन ने चाबुक चलाया। मुख्यमंत्री का साफ निर्देश है कि किसी भी धर्म के नाम पर भूमि अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों की अनदेखी करने वालों पर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

श्रावस्ती में 10 और 11 मई को सार्वजनिक और निजी भूमि पर अवैध रूप से निर्मित 104 मदरसा, एक मस्जिद, 5 मजार और 2 ईदगाह को चिह्नित किया गया। इन सभी को नोटिस देने के साथ ही इन्हें सील कर दिया गया है। जिलाधिकारी श्रावस्ती के अनुसार सार्वजनिक भूमि पर स्थित एक अवैध मदरसा के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूर्ण की गई। निजी भूमि पर स्थित 2 गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सीलिंग की कार्यवाही भी पूर्ण की गई है। इसके अतिरिक्त भूमि प्रबंधक समिति प्रबंधक के द्वारा नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई चल रही है।

बहराइच में 10 और 11 मई को 13 मदरसे, 8 मस्जिद, 2 मजार और एक ईदगाह को सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण के रूप में चिह्नित किया गया। इन सभी को नोटिस देने के बाद 5 को सील किया गया, जबकि 11 को हटा दिया गया है। हटाए गए अतिक्रमण में 8 मदरसे, 2 मस्जिद और एक मजार शामिल रहै। इसके अतिरिक्त इंडो नेपाल बॉर्डर के 0-10 किमी. के मध्य सरकारी भूमि पर स्थित कुल 171 अवैध अतिक्रमण को हटाया जा चुका है।

सिद्धार्थनगर में भी शनिवार को 4 मस्जिद, 18 मदरसे, जबकि रविवार को एक मदरसे को चिह्नित किया गया। इसमें 20 को अवैध निर्माण के लिए नोटिस दिया गया, जबकि 5 मदरसे को सील किया गया और 9 को हटाने की कार्रवाई की गई। कुल मिलाकर 23 अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गई है। महाराजगंज के तहसील नौतनवा के ग्राम परसामालिक में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा प्रस्तुत आख्या के आधार पर मकतब भूमि में संचालित गैर मान्यता प्राप्त मदरसे के संचालन को बंद करके चाभी थानाध्यक्ष के सुपुर्द की गई है। महाराजगंज में अब तक कुल मिलाकर सार्वजनिक और निजी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए 29 मदरसे और 5 मजार ध्वस्त किए जा चुके हैं।

लखीमपुर खीरी में शनिवार और रविवार को सार्वजनिक भूमि पर 2 मस्जिद, एक मजार और एक ईदगाह, जबकि निजी भूमि पर 8 मदरसा अवैध रूप से निर्मित पाए गए।

परमहंस योगानंद जन्मस्थली स्मृति भवन का शिलान्यास

सुरक्षा के माहौल में ही विकास और समृद्धि संभव : योगी

गोरखपुर, 11 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा के माहौल में ही विकास और समृद्धि संभव है। आज उत्तर प्रदेश के हर जिले में सुरक्षा का बेहतरीन माहौल है तो विकास की प्रक्रिया भी निरंतर आगे बढ़ रही है। सुरक्षा से ही विकास की सार्थकता सिद्ध होती है सुरक्षा के बगैर समृद्धि नहीं आ सकती।

सीएम योगी रविवार दोपहर बाद गोरखपुर में कोतवाली थाना के समीप योगगुरु श्री परमहंस योगानंद जन्मस्थली स्मृति भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। पर्यटन विकास की इस महत्वपूर्ण परियोजना पर 2768 लाख रुपए की लागत आएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विकास और सुरक्षा के मुद्दे पर पूर्व की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 2017 के पहले सरकार के पैरेलल (समानांतर) माफिया और भ्रष्टाचारी भी थे जो शासन की योजनाओं को हड़प लेते थे। तब किसी गरीब या व्यापारी की जमीन कब्जा कर लेना माफिया के लिए सामान्य बात थी लेकिन आज कोई कब्जा नहीं कर सकता। जबरन कब्जा करने पर लेने के देने पड़ जाएंगे। आज किसी ने बेटियों और व्यापारियों को छेड़ने की कोशिश की तो उसके लिए यमराज के घर का रास्ता खुल जाएगा। सीएम ने कहा कि 2017 के बाद सुरक्षा का जो शानदार माहौल बना है उसी का परिणाम है कि प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है और हर जिला विकास, विरासत के संरक्षण और युवाओं के रोजगार के लिए नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान को आतंकी राष्ट्र बताते हुए कहा कि हाल के दिनों में पाकिस्तान के जहाज को जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने निशाना बनाया अब वह लखनऊ में बनेगा। यही नहीं यूपी में बनने वाली तोप दुश्मन को कंपाएगी। यह प्रदेश में सुरक्षा के माहौल से ही हो पा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की लड़ाई, हम सबकी लड़ाई होनी चाहिए। ऐसा होने पर ही आध्यात्मिक विरासत और विकास सुरक्षित रह पाएंगे। सीएम ने कहा कि हरेक व्यक्ति के मन में देश प्रथम, देश के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए। देश सुरक्षित रहेगा तो हम भी सुरक्षित रहेंगे। यदि हम इस भाव से काम करेंगे तो देश की आन, बान, शान में गुस्ताखी करने वालों के छक्के छुड़ा देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों के मनोबल को तोड़ने वाला कोई बयान आए तो जनता को जागरूक करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने परमहंस योगानंद के व्यक्तित्व और योग के प्रसार में उनके वैश्विक योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि पूर्वजों, परंपरा और विरासत से भटका व्यक्ति अंधकार की तरफ, काल की कोठरी में चला जाता है। विरासत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित न करने वाले समाज का विकास बाधित हो जाता है। उन्होंने कहा कि योगानंद जी विरासत को सम्मान देते हुए सरकार उनकी जन्मस्थली पर योग मंदिर बना रही है। सीएम योगी ने कहा कि भारत में ऐसे ऋषियों, मुनियों, संतों की लंबी परंपरा है जिन्होंने अपनी अपनी साधना की सिद्धि और चेतना के विस्तार से ब्रह्मांड के गूढ़ रहस्यों को भी उद्घाटित कर दिखाया है। देश के अलग अलग स्थानों पर साधकों की अलग अलग परंपरा रही है जिन्होंने अपनी साधना से लोगों के जीवन में परिवर्तन किए। सीएम ने कहा कि परमहंस योगानंद जी के मन में योग और आध्यात्म के प्रति बीजारोपण अपने बाल्यकाल में गोरखनाथ मंदिर आते-जाते हुआ। अपनी आत्मकथा में उन्होंने गोरखपुर का उल्लेख किया है। योगानंद जी अपने 60 वर्ष के जीवन में भारत के आध्यात्मिक धरोहर को लेकर वैश्विक क्षितिज पर छा गए।

श्री परमहंस योगानंद जन्मस्थली स्मृति भवन के भूमि पूजन और शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि परमहंस योगानंद की जन्मस्थली पर स्मारक बनाने की सीएम योगी की पहल की गूंज लॉस एंजिल्स, अमेरिका तक जाएगी। योगानंद जी के अनुयायी अमेरिका समेत पूरी दुनिया में हैं और गोरखपुर में उनकी स्मृति में होने वाले पर्यटन विकास के कार्य से यहां पूरी दुनिया के लोग आएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते हुए स्वामी ईश्वरानंद (महासचिव योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया) ने कहा कि सीएम योगी ने दुनिया भर में रहने वाले परमहंस योगानंद जी के शिष्यों-अनुयायियों को एक तीर्थस्थान के रूप में बड़ा उपहार दिया है। परमहंस योगानंद की जन्मस्थली पर स्मारक बनवाने का निर्णय लेकर मुख्यमंत्री जी ने परमहंस योगानंद जी के अनुयायियों को प्रफुल्लित कर दिया है। स्वामी ईश्वरानंद ने परमहंस योगानंद की जीवन यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म 5 जनवरी 1893 को गोरखपुर के इसी स्थल पर जहां स्मारक बनने जा रहा है, पर हुआ था। उनके बचपन का नाम मुकुंद घोष था। विश्व को क्रिया योग सिखाने में उनका अविस्मरणीय योगदान है। योगानंद जी की आत्मकथा एन ऑटोबायोग्राफी ऑफ अ योगी सर्वाधिक बिकने और पढ़ी जाने वाली पुस्तकों में से एक है।

इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, इस अवसर पर स्वामी विश्वानंद (निदेशक, सेल्फ रियलाइजेशन फेलोशिप, लॉस एंजिल्स योगदा संस्थान), एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव, योगदा सोसाइटी के स्वामी सौम्यानंद, स्वामी चेतनानंद आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

टैटू बनवाने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

आजकल टैटू बनवाने का काफी ट्रेंड है और लगभग हर किसी को टैटू बनवाना पसंद है। लेकिन टैटू बनवाने के बाद उसकी देखभाल का भी काफी ध्यान रखना पड़ता है क्योंकि कई बार टैटू बनवाने के बाद बहुत तरह की इन्फेक्शन का सामना भी करना पड़ सकता है। कई लोगों को उस जगह पर लाल रंग के चकत्ते पड़ जाते हैं। जरूरी नहीं कि आपकी त्वचा ही नाजुक हो या आपको रंग से एलर्जी हो, कई बार लापरवाही की वजह से भी ऐसा हो जाता है। ऐसे में इन्फेक्शन से बचने के लिए आपको कुछ सावधानियां जरूर बरतनी चाहिए।

साबुन का इस्तेमाल

टैटू गुदवाने के बाद आम साबुन के इस्तेमाल से बचें क्योंकि टैटू एक प्रकार का खुला घाव होता है ऐसे में उस पर हर प्रकार के साबुन का इस्तेमाल करना हानिकारक हो सकता है। ऐसे साबुन का इस्तेमाल करें जो बैक्टीरिया से बचाव कर सके।

कसकर पोंछे नहीं

नहाने के बाद टैटू वाली स्कीन को कसकर न पोंछे। इससे जलन या खुजली हो सकती है। खुरदुरी तौलिया भी ऐसे में नुकसानदायक होती है।

त्वचा को गीला न रखें

नहाने के बाद टैटू का विशेष ध्यान रखें। किसी मुलायम कपड़े से साफ करें, गीला न रहने दें।

लोशन

टैटू गुदवाने के बाद मनचाहा लोशन इस्तेमाल न करें। सही और एंटीबायोटिक प्रकार का लोशन या क्रीम ही इस्तेमाल करें।

धूप से बचाएं

टैटू को सीधे सूरज की रोशनी पड़ने से बचाएं। इससे टैटू वाली त्वचा पर इन्फेक्शन हो सकती है क्योंकि अल्ट्रावायलेट किरणों का प्रभाव पड़ता है। ये किरणें, हीलिंग प्रक्रिया के लिए सही नहीं होती है।

इन्फेक्शन

अगर टैटू वाली त्वचा पर खुजली होती है, तो खुजली करें नहीं, बल्कि क्रीम लगा लें। या बेबी ऑयल लगाएं, ये सबसे सही रहता है। ज्यादा समस्या होने पर डॉक्टर को दिखाएं।

पानी से दूर रखें

पूल या सोना बॉथ से दूर रहें। पानी में ज्यादा समय तक टैटू वाली त्वचा को भिगोकर न रखें। गुनगुने पानी से नहाना ज्यादा सही रहता है।

मां को बताइए आप करते हैं उनसे कितना प्यार

मदर्स डे पर दीजिए उन्हें ये उपहार...

जीवन के पहले दिन से मां हमारे लिए कितने रोल निभाती है। वह जन्मदाता और पैरंट के तौर पर हमारी हर जरूरत का ध्यान रखती है। सबसे अच्छी दोस्त बनकर हमारे सुख बढ़ाती है और दुख बांट लेती है। हमारे लिए कभी टीचर बन जाती है और कभी शेफ!

इस मदर्स डे मां को उनके इन बहुतेरे अवतारों के लिए थोड़ा सा धन्यवाद करिए। पेश है कुछ गिफ्ट आइडिया जिससे आप अपनी मां, ममी या मॉम को कह सकते हैं थैक्यू और उन्हें दिखा सकते हैं आप उनसे कितना प्यार करते हैं....

उनकी फेवरिट जगह पर उन्हें खाने ले चलें

मां के खाने जैसा तो कुछ भी नहीं होता, लेकिन मां का भी तो फेवरिट रेस्त्रां होता है न... तो इस मदर्स डे मां के पसंदीदा रेस्त्रां में उन्हें लंच या डिनर के लिए ले जाएं। घर के कामों से उन्हें छुट्टी दिलाइए और कुछ वक्त उनके साथ बिताइए। उनका पसंदीदा खाना ऑर्डर करिए और इस मौके को खास बनाइए।

मां के लिए स्पा-मसाज बुक करिए

मां कितनी जिम्मेदारियां संभालती है, ऐसे में उन्हें आराम और अपनी देखभाल के लिए वक्त कहां मिल पाता है। इसलिए मदर्स डे पर उनके लिए स्पा में एक सेशन बुक करिए जहां उन्हें थोड़ा आराम भी मिले और उनकी देखभाल भी हो।

उनके फेवरिट शॉपिंग कूपन

मां के लिए प्यार जताना सिर्फ एक दिन क्यों सीमित हो, इसलिए इस मदर्स डे उनके लिए कुछ ऐसा लाइए जिसका इस्तेमाल वे आगे भी कर सकें। अपनी मां के पसंदीदा शॉपिंग, पार्लर, मसाज या फूड के कूपन उन्हें दीजिए। इस तरह वह जब भी इनका इस्तेमाल करेंगी, आपका प्यार उन्हें याद आता रहेगा।

परिवार के साथ कहीं बाहर जाइए

मां से ही तो परिवार बनता है और इसलिए इस मदर्स डे सारे परिवार को साथ लाइए और कहीं छुट्टी मनाने निकल पड़िए। अगर मां के फेवरिट हॉलीडे डेस्टिनेशन पर जा सकें तो और भी बढ़िया। सबके साथ मां को मजा भी आएगा और ढेर सारी यादें भी इकट्ठा हो जाएंगी।

हेल्थ चेकअप

याद है जब बचपन में आप थोड़ा भी बीमार होते थे तो डॉक्टर और नर्स सब बन जाती थी आपकी मां। मां आपकी सेहत के लिए अपनी सेहत की परवाह नहीं करती। इस मदर्स डे आप अपनी मां को एक हेल्थ चेकअप के लिए ले जाएं, ताकि आगे भी वह आपके लिए ऐसी ही प्यार बरसती रहें।

वजन कम करना है तो उबाल कर खाएं ये सब्जियां

मौसमी सब्जियां न सिर्फ सेहत को ठीक रखती हैं बल्कि ये कई बीमारियों को भी दूर करती हैं। मोटापा जो आजकल हर किसी की परेशानी का प्रमुख कारण बना हुआ है, उसका उपचार भी सब्जियों से किया जा सकता है। कुछ सब्जियों का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए उन्हें उबाल कर खाना चाहिए तो कुछ को धीमी आंच पर पका कर खाना सेहतमंद होता है। इससे उनमें मौजूद पोषण को दोगुना किया जा सकता है। पालक, गाजर, शकरकंद, ब्रोकली और पत्तागोभी आदि का स्वाद और पोषण उबाल कर खाने से बढ़ जाता है। हफ्ते में दो बार इन उबली सब्जियों का सलाद खाने से मोटापा भी बहुत जल्दी घटेगा।

- कटी हुई गाजर को एक चुटकी नमक और थोड़ी सी काली मिर्च के साथ सादे पानी में डाल कर उबाल लें। यह आपकी आंखों के लिए काफी पौष्टिक होगी।
- खून की कमी और पीरियड्स की समस्या को दूर रखने के लिए दिन में एक चुकन्दर उबाल कर खाएं। ध्यान रखें कि चुकन्दर को 3 मिनट से ज्यादा न उबालें।
- आलू को हमेशा उबाल कर ही खाएं क्योंकि इससे कैलोरीज कम हो जाती है।
- बींस को 6 मिनट तक एक चुटकी नमक और थोड़ी सी काली मिर्च के साथ सादे पानी में उबाल लें। ये बींस डायबिटीज के लिए अच्छी होती है।
- हरी पत्तेदार सब्जियों को उबाल कर खाया जाएं तो उसकी ताकत दोगुनी बढ़ जाती है। खास तौर पर मेथी और पालक की सब्जियां।
- स्वीट कार्न को उबालने में काफी पानी और समय लगता है लेकिन इसे बिना उबाले भी खाया नहीं जा सकता। स्वीट कार्न में पोषण और ढेर सारे रेशे होते हैं जिससे कब्ज की समस्या नहीं होती।
- शकरकंद में काफी सारा कार्बोहाइड्रेट्स होता है जो कि शरीर के लिए बेहद जरूरी है।

अगर आप डाइटिंग पर हैं तो शकरकंद खाएं।
- भाप में पकी हुई फूलगोभी काफी पौष्टिक मानी जाती है। ऐसा करने पर इसमें मौजूदा न्यूर्ट्रियन्ट्स और विटामिन्स नष्ट नहीं हो पाते।
- पत्ता गोभी जब उबाल कर खाई जाती है तो उसका टेस्ट और भी ज्यादा बढ़ जाता है। उबालने के लिए जिस पानी का उपयोग किया गया हो, उसे खाना पकाने में प्रयोग कर लेना चाहिए क्योंकि इसमें सबसे ज्यादा पोषण होता है।
- ब्रोकली उबाल कर खाने में ज्यादा टेस्टी लगती है। अगर आपको यह डिश सादी ही खानी हो तो उबालते समय इसमें थोड़ा सा ऑलिव ऑयल मिला लें।

बार-बार गर्भपात से महिलाओं को होते हैं ये नुकसान

अनचाहे गर्भ को गिराने के लिए जोड़े अक्सर गर्भपात का सहारा लेते हैं लेकिन बहुत से लोगों को मालूम नहीं है कि लगातार गर्भपात कराना जीवन के लिए खतरनाक है। लगातार गर्भपात करवाने से भविष्य में होने वाली प्रेग्नेंसी कष्टदायक हो सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो महिलाएं ज्यादा गर्भपात कराती हैं। उनमें अवधि पूर्व जन्म या शिशु का वजन बहुत कम होना आदि परेशानियां पैदा होती हैं, जिन महिलाओं ने 3 या इससे अधिक बार गर्भपात कराया है। उनकी गर्भाशय ग्रीवा के लिए खतरा है। इसके अलावा इससे कुछ समय बाद अपने आप गर्भपात भी हो सकता है।

बहुत से लोगों को आजकल बांझपन, अस्थानिक गर्भावस्था या बच्चे के जन्म की परेशानी आदि समस्याएं उठानी पड़ती हैं। बांझपन से तात्पर्य है कि 12 माह की कोशिशों के बावजूद भी बच्चा नहीं लगना। सामान्य रूप से महिलाओं में बांझपन होने के कई कारण हैं लेकिन बहुत से डॉक्टर्स ऑपरेशन से गर्भपात कराने को इसका प्रमुख कारण मानते हैं।

गर्भपात करवाने के शरीर को नुकसान

बच्चा गिरना: गर्भपात कराने से भी कई बार गर्भाशय ग्रीवा क्षतिग्रस्त हो जाती है तो आगे गर्भपात में परेशानी हो सकती है। यदि गर्भपात के दौरान बच्चेदानी क्षतिग्रस्त हो जाती है तो यह बच्चे के लिए भी खतरनाक होती है।

समय पूर्व प्रसव: ज्यादा बार गर्भपात कराने का यह एक मुख्य कारण यह है कि इससे समय पूर्व प्रसव के अवसर बढ़ जाते हैं और गर्भ नाल इससे गलत रूप से बढ़ जाती है।

अस्थानिक गर्भावस्था: बार-बार गर्भपात कराने से अस्थानिक गर्भधारण का खतरा पैदा होता है। अस्थानिक गर्भावस्था ना केवल जीवन के खतरनाक है बल्कि इससे प्रजनन क्षमता भी कम हो सकती है।

पेडू के सूजन की बीमारी: पेडू के सूजन की बीमारी भी बार-बार गर्भपात से होती है। पीआईडी एक खतरनाक बीमारी है जो कि बांझपन का कारण भी बन सकती है। यह फैलोपियन ट्यूब के ऊतकों पर घाव पैदा कर सकती है, जिससे आगे चलकर प्रजनन क्षमता में कमी होती है। कभी कभी पीआईडी गर्भपात या अबॉरशन के बाद भी हो सकती है।

एन्डोमिट्राइटिस: ज्यादा गर्भपात कराने से यह होता है। अबॉरशन के बाद यह समस्या होती है। 20 से 29 वर्ष की महिलाएं खास तौर पर इसका शिकार ज्यादा होती हैं।

गर्भाशय में छेद होना: गर्भपात कराने वाली 2 से 3 प्रतिशत मरीजों में यह परेशानी होती है जो महिलाएं पहले बच्चे को जन्म दे चुकी हैं। उनमें यह ज्यादा होता है। इस समस्या से ग्रसित मरीजों में कई बार गर्भपात के दौरान सामान्य एनेस्थेसिया भी देना पड़ता है।

संक्रमण: बार-बार गर्भपात कराने से महिलाओं में स्वास्थ्य से संबन्धित समस्याएं पैदा होती हैं जैसे कि ज्यादा रक्तस्राव, संक्रमण, ऐंठन, एनेस्थेसिया से संबन्धित जटिलताएं, एम्बोलिम्, गर्भाशय में सूजन, एंडोटोक्सिक शॉक, गर्भाशय ग्रीवा का चोटिल होना, रक्तस्राव आदि।

बच्चों की कैलोरी खपत पर रखें नजर

अधिकांश बच्चे थाली में स्वादिष्ट भोजन देखकर उस पर टूट पड़ते हैं, जबकि कैलोरी से भरपूर वह भोजन बच्चों के लिए हानिकारक होता है, लेकिन तीन से पांच साल के बच्चों में कैलोरी युक्त भोजन और उसके आकार में हस्तक्षेप कर कैलोरी खपत को घटाया जा सकता है। एक नए शोध में यह बात सामने आई है। शोधार्थियों का कहना है कि अभिभावक बच्चों के लिए कम कैलोरी वाला भोजन का चुनाव कर बच्चों में कैलोरी डेंसिटी (सीडी) की खपत को कम कर सकते हैं। अमेरिका की पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में इस अध्ययन की सह-लेखक बारबरा रोल्स ने बताया, ऐसे कई स्वीकार्य और सहज उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी सहायता से घर में ही कैलोरी पर नियंत्रण किया जा सकता है।कम कैलोरी युक्त भोजन के बड़े हिस्से या उच्च कैलोरी युक्त भोजन के छोटे हिस्सों में हुए परिवर्तनों से बच्चे भी आसानी से जुड़ सकते हैं। इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने बच्चों को परोसे गए भोजन के हिस्सों और सीडी तथा प्रति हिस्से में ग्रहण होने वाली कैलोरी का अध्ययन किया था। रोल्स बताती हैं, रणनीतिक तौर पर भोजन के हिस्सों और सीडी पर नियंत्रण स्वीकार्यता को प्रभावित किए बिना भोजन की खपत को कम कर सकता है। यह शोध साइकोलॉजी एंड बिहेवियर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए आसान नुस्खे

अक्सर हम सभी जब जल्दीबाजी में गरम-गरम चाय या कॉफी पी लेते हैं तो हमारी जीभ जल जाती है। जीभ के जल जाने पर कुछ दिनों को तक हमें किसी भी चीज को खाने से उसका स्वाद नहीं आता। इसलिए हमें कभी भी किसी चीज को गरम-गरम नहीं खाना चाहिएं। आज हम आपको जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए कुछ आसान से घरेलू उपाय बताएगें।

बेकिंग सोडा

वैसे तो बेकिंग सोडा और बेकिग पाउडर दोनों ही खाने को फुलाने के लिए काम आते हैं। पर अगर आपकी जीभ गरम-गरम चीज पीने या फिर खाने से जल जाए तो तुरंत आराम पाने के लिए बेकिंग सोडा और पानी से कुल्ला कर लें।

जीभ जलने पर प्लेन फूड खाएं

अगर आपकी जीभ जल गई है तो मसालेदार खाना न खाएं। ऐसे में आप सलाद और उबला हुआ सादा भोजन ही खाएं।

आइस क्यूब

जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए आप फ्रिज में रखी हुई ठंडी-ठंडी बर्फ का टुकड़ा लेकर मुंह में रख लें और धीरे-धीरे से चूसते रहें। साथ ही ध्यान में रखे कि क्यूब को मुंह में डालने से पहले गीला जरूर कर लें।

दही

ठंडा दही लेकर उसका एक चम्मच मुंह में रखने से जली हुई जीभ से तुरंत आराम मिल जाता है। अगर घर में दही नहीं है तो आप एक गिलास ठंडा दूध भी पी सकते हैं।

चीनी

अगर आपकी जीभ जल गई है तो जीभ पर एक चुटकी सफेद चीनी छिडकें और इसे जीभ पर घुलने दें। ऐसा करने से होने वाली दर्द से तुरंत आराम मिल जाएगा।

शहद

शहद के अनेक फायदे हैं। जीभ के जलने पर यह एक प्राकृतिक और आराम देने वाला पदार्थ है। इसे जीभ पर लगाने से दर्द कम हो जाता है।

विटामिन ई

वैसे तो हमारे शरीर के लिए सभी विटामिन्स का अपना-अपना महत्व है, लेकिन उनमें कुछ की खास भूमिका होती है। ऐसे विटामिन्स में एक प्रमुख है विटामिन ई। जीभ के जलने पर विटामिन ई तेल की कुछ बूंदे जीभ पर डालने से जल्द ही आराम मिल जाता है।

मुंह से सांस लें

अगर आपकी जीभ जल गई है तो मुंह से सांस लें। ऐसा करने से ठंडी हवा जीभ पर लगेगी जिसे आप को आराम मिलेगा।

चुइंग गम

जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए च्यूइंग गम चबाएं। यह मुंह में थूक बनाने का काम करती है और मुंह को गीला रखती है, जिसे होने वाली जलन से आराम मिलता है।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा तोड़कर उसमें से मैल निकाल लें और इसे जली हुई जीभ पर लगाएं और इस आइस क्यूब भी लगाएं। ऐसा करने से आपको दर्द से जल्द ही आराम मिल जाएगा।

संपादकीय

सधी रणनीति-कूटनीति

दशकों से पाक पोषित आतंकवादियों के हमले झेल रहे भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान में सधे-सटीक मिसाइल हमले करके आतंक की पाठशालाएं धवस्त कर दीं। 'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाक ने भारत के एक दर्जन से अधिक शहरों पर जो जवाबी हमले किए, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र ने उन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, भारत कई मोर्चों पर सधी चाल चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सेना के तीन अंगों के प्रमुखों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व विभिन्न हितधारकों से लगातार संपर्क बनाकर कारगर रणनीति की रूप-रेखा बनायी। ताकि पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों व नागरिकों को हमले से कोई बड़ा नुकसान न हो। लेकिन भारत की सीमित कार्रवाई को जवाब देने में पाकिस्तान जल्दबाजी कर गया। हालांकि, देश के कुछ बड़े शहरों को युद्धक विमानों और ड्रोन के जरिये निशाना बनाने का पाक अभियान हमारी कई परतों वाली सुरक्षा तकनीक से विफल हो गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके युद्ध की रणनीति पर लगातार विचार करते रहे। इसी तरह सूचना व मनोवैज्ञानिक युद्ध के जरिये पाक को पस्त किया गया। उसके कई हवाई जहाज व दर्जनों आयातित ड्रोन भारतीय सुरक्षा की परतों को नहीं भेद पाये। वहीं दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया में अपने समकक्षों से संपर्क साध करके आतंकवाद के पोषक पाक को बेनकाब किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि वह भारत-पाक संघर्ष के बीच नहीं आएगा। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाक प्रधानमंत्री से बात कर संघर्ष को विस्तार देने से बचने का आग्रह किया। दरअसल, चीन व तुर्की को छोड़कर दुनिया के तमाम बड़े मुल्क आतंक से प्रभावित भारत के पक्ष में खड़े नजर आए हैं। वहीं सऊदी अरब के उपविदेश मंत्री अदेल अलीजुबैर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। जिन्हें पहलगाम हमले के बाद की स्थितियों से अवगत कराया गया। भारत ने आतंक को बढ़ावा देना बंद न करने तक बातचीत से इनकार किया। मोदी सरकार, सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों तथा सेना के तीनों अंगों ने बेहतर तालमेल के साथ ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद पाक द्वारा किए हमलों को विफल बनाने के लिये पर्याप्त होमवर्क किया। लगातार बैठकों व संवाद के जरिये इस चुनौती के मुकाबले की रणनीति को अंजाम दिया। जिससे देश के जनमानस का भरोसा बढ़ा कि देश सही हाथों में है। अब तक भारत पाक पोषित आतंकवादी हमलों के बाद सिर्फ कूटनीतिक स्तर पर कार्यवाही की कोशिश करता रहा है। ऐसी स्थिति मुंबई हमले, संसद पर हुए हमले तथा पठानकोट एयर बेस पर हुए हमलों के बाद सामने आई। भारत सबूतों के आधार पर वैश्विक संगठनों से कार्रवाई की मांग करता रहा है। लेकिन पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना नये भारत की बदली रणनीति का पर्याय ही है। पहले पाक के परमाणु हथियार का डर दिखाकर भारत को कार्रवाई करने से रोका जाता रहा है। कालांतर में 2016 में उरी में 19 सैनिकों के मारे जाने पर नियंत्रण रेखा के पार व 2019 में पुलवामा विस्फोट के बाद बालाकोट में एयर स्ट्राइक की गई। इसी तरह पहलगाम हमले के बाद सीधी कार्रवाई करके साफ संदेश दिया कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब आतंकवाद को सींचने वाले पाक पर भारत सीधी कार्रवाई करेगा। भारत ने पहले पूरी दुनिया को पुलवामा हमले की साजिश के सबूत दिए और फिर कार्रवाई की। यही वजह है कि दुनिया के तमाम देश भारत के पक्ष में खड़े नजर आए। अब भारत ने महज अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गुहार लगाना बंद कर दिया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाक ने भारत के एक दर्जन से अधिक शहरों पर जो जवाबी हमले किए, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र ने उन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, भारत कई मोर्चों पर सधी चाल चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सेना के तीन अंगों के प्रमुखों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व विभिन्न हितधारकों से लगातार संपर्क बनाकर कारगर रणनीति की रूप-रेखा बनायी। ताकि पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों व नागरिकों को हमले से कोई बड़ा नुकसान न हो। लेकिन भारत की सीमित कार्रवाई को जवाब देने में पाकिस्तान जल्दबाजी कर गया। हालांकि, देश के कुछ बड़े शहरों को युद्धक विमानों और ड्रोन के जरिये निशाना बनाने का पाक अभियान हमारी कई परतों वाली सुरक्षा तकनीक से विफल हो गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके युद्ध की रणनीति पर लगातार विचार करते रहे। इसी तरह सूचना व मनोवैज्ञानिक युद्ध के जरिये पाक को पस्त किया गया। उसके कई हवाई जहाज व दर्जनों आयातित ड्रोन भारतीय सुरक्षा की परतों को नहीं भेद पाये। वहीं दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया में अपने समकक्षों से संपर्क साध करके आतंकवाद के पोषक पाक को बेनकाब किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि वह भारत-पाक संघर्ष के बीच नहीं आएगा। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाक प्रधानमंत्री से बात कर संघर्ष को विस्तार देने से बचने का आग्रह किया।

दब्बू की छवि मिटाकर सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरा भारत

छोटा युद्ध बड़ा संदेश..!

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिस तरह भारत सरकार ने पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध आंखें तरेरी और जिस तरह का उत्तर दिया, शायद उसकी उम्मीद पाकिस्तान को नहीं थी। अपनी जगह पाकिस्तान सही भी था। 1971 के युद्ध के पश्चात भारत पर अनगिनत आतंकी हमले हुए हैं। हर बार वह जांच की बात करता रहा है। हम उसे सबूतों की फाइलें सौंपते रहे और वह उन्हें नकारते रहे। ऐसा नहीं कि हमें पता नहीं था कि आतंकी हमले कौन कर रहा है, लेकिन हमें मार खाने की आदत पड़ गई। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है मुस्लिम वोट बैंक। अब यह बात गोपनीय नहीं रही कि 26 / 11 के हमले के बाद तत्कालीन सरकार ने पाकिस्तान को क्लीन चिट देते हुए इसे हिंदू आतंकवाद से जोड़ने की नाकाम कोशिश की। मुंबई के तत्कालीन संयुक्त आयुक्त राकेश मारिया ने सेवानिवृत्ति के बाद अपनी पुस्तक में लिखा, यदि कसाब जिंदा नहीं पकड़ा जाता तो यह हमला हिंदू आतंकियों द्वारा किया गया हमला साबित कर दिया जाता। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से पूछा था, आपके देश पर इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ, आपने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? तब हमारे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा, इससे भारत के मुसलमान नाराज हो जाते। इसके दो मायने निकलते हैं। पहला यह कि भारत के मुसलमान पाकिस्तान परस्त हैं, दूसरा यह है कि कांग्रेस को अपने नागरिकों की सुरक्षा से अधिक अपने वोट बैंक की चिंता रहती है। इन सब कारणों से भारत की छवि एक कमजोर दब्बू देश की बन चुकी थी। इसलिए आसिम मुनीर, मोदी सरकार द्वारा दो बार की गई सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भी ऐसा दुस्साहस कर सका।

इस छोटे युद्ध ने भारत की दब्बू वाली छवि को मिटाकर एक सशक्त राष्ट्र की छवि बनाई, जो अपने पर होने वाले किसी हमले का मुंहतोड़ जवाब देना जानता है, लेकिन भारत यह भी नहीं चाहता कि उसकी छवि विस्तारवादी देश जैसी बने, जो दुनियाभर के देशों को धमकाता है। इसलिए सरकार ने साहस के साथ-साथ संयम का परिचय देते हुए केवल आतंकी ठिकानों पर ही हमला किया। और यह भी स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य केवल आतंकियों पर हमला करना था, न कि पाकिस्तान पर। लेकिन अगर पाकिस्तान हमला करेगा तो उसको भी जवाब दिया जाएगा। दुनिया ने देखा कि फिर भी भारत पर पहला हमला पाकिस्तान की तरफ से हुआ, जिसका भारत द्वारा मुंहतोड़ जवाब दिया गया। जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की तो भारत ने केवल उसके सैन्य ठिकानों को ही निशाना बनाया। यहां भी स्पष्ट संदेश था कि हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन यदि हमारे ऊपर हमला होगा तो उसका जवाब भरपूर मिलेगा। लेकिन तब भी भारत ने पाकिस्तान के नागरिकों पर हमले नहीं किए, जबकि वह चाहता तो ऐसा कर सकता था। इससे भी विश्वभर में भारत की साख और छवि में वृद्धि हुई। दुनिया ने भारत का साहस और संयम एक साथ देखा।

आजादी के बाद से अब तक 1971 को छोड़ दें तो भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े निर्णय लेने से बचता रहा है। सिंधु जल समझौता पूरी तरह पाकिस्तान के पक्ष में लिया गया था और भारत के लिए अन्यायपूर्ण था। 1971 के युद्ध में भी उसे स्थगित नहीं किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में ही कह दिया था कि पानी और रक्त दोनों साथ नहीं बह सकते। सिंधु से निकलने वाली नदियों का पानी रोकने के लिए उस समय से ही कुछ कोशिश शुरू हो गई थी। पाकिस्तान कहता रहा कि इस संधि को नहीं तोड़ा जा सकता। लेकिन पाकिस्तान की कल्पना से परे, एक झटके में भारत ने इस संधि को स्थगित कर न केवल पाकिस्तान को बल्कि पूरे विश्व को यह संदेश दिया कि आवश्यकता पड़ने पर भारत कोई भी बड़ा निर्णय ले सकता है। इस तरह भारत ने अपने ऊपर लगे दब्बू देश का धब्बा धो दिया।

हर बार की तरह यूरोपीय देशों सहित कई देशों ने भारत को किसी सैनिक कार्रवाई से बचने का उपदेश दिया। तब विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने उन्हें दृढ़तापूर्वक कहा, देना है तो साथ दीजिए, उपदेश नहीं चाहिए। इस तरह विश्व ने सशक्त भारत का दृढ़ स्वर सुना। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन एक लोकतांत्रिक देश में सेना, सशस्त्र बल और राजनीतिक नेतृत्व किस तरह मिलकर काम करते हैं, यह भी दुनिया ने देखा। पाकिस्तान जैसे देश में जहां राजनीतिक नेतृत्व की कोई पूछ नहीं, सेना जब चाहे, जैसे चाहे अपने अनुसार कोई भी कार्रवाई करती है। वहां भी कई बार सैन्य कमांडर भी अलग-अलग राह पकड़ लेते हैं। इसके विपरीत भारत में लगातार प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, मंत्रिमंडल स्तर पर चर्चा हुई और निर्णय लिए गए। विपक्ष के नेताओं के साथ बैठक हुई। फिर मंत्रिमंडल के सुरक्षा समिति में विचार-विमर्श किया गया, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, केंद्रीय जांच एजेंसियों के प्रमुख के साथ बैठक की गई। और उसके बाद निरंतर प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ तथा तीनों सेनाओं के प्रमुखों और खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों के साथ मिलकर निर्णय लिए गए। दूसरी ओर गृह मंत्री केंद्रीय सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों आदि के साथ मिलकर कार्य कर रहे थे। सभी केंद्रीय मंत्री और राज्यों की सरकारें युद्ध स्तर पर अपना दायित्व निभाने में लगी थीं। हर महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रक्षामंत्री, सेना के प्रमुख, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ तथा सुरक्षा सलाहकार आदि ने मिलकर निर्णय लिए। पुरी दुनिया ने देखा कि किस प्रकार विश्व का एक लोकतंत्र अपने राजनीतिक नेतृत्व और रक्षा सुरक्षा के ढांचे को लेकर अनुशासित ढंग से अपनी रक्षा की रणनीति बनाता है। कुछ राजनीतिक टिप्पणियों को छोड़ दें तो जनता के रोष को देखते हुए विपक्षी दलों ने भी संयम बरता और कहा कि वे सरकार की किसी भी कार्रवाई के साथ हैं। इस तरह भारत ने अपनी आंतरिक शक्ति और लोकतंत्र की रक्षा प्रणाली से विश्व को परिचित करवाया।

यहां ध्यान देने की बात यह भी है कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को युद्ध नहीं बल्कि आतंक के विरुद्ध कार्रवाई कहा। जब पूरा देश आक्रोश में था और भारत पर हमला चाहता था, तब भी भारत ने संयम बरता। भारत ने अपनी मिसाइलों, ड्रोन और युद्धक विमानों के माध्यम से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और ऐसे दूसरे सैन्य ठिकानों पर हमले किए, जहां से वह भारत पर हमले करता है। भारतीय सेनाएं पाकिस्तान पर आक्रमण के लिए पूरी तरह तैयार थीं लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पाकिस्तान में प्रवेश नहीं किया। अंतिम समय तक भी भारत ने इसे युद्ध नहीं कहा।

जहां एक ओर पाकिस्तान मदद के लिए कभी चीन के पास, कभी तुर्किये के पास, कभी अजर बैजान के पास तो कभी अमेरिका के पास भाग रहा था। भारत अपनी शक्ति से अपने दम पर पाकिस्तान को सबक सिखा रहा था। भारत कूटनीतिक स्तर पर विश्व के तमाम देशों से सम्पर्क साधे हुए था और उन्हें परिस्थितियों की जानकारी दे रहा था, लेकिन भारत किसी के पास जाकर मदद के लिए गिड़गिड़ाया नहीं। इस बारे में अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई भारतीय सेना की कार्रवाई की सराहना की है। उन्होंने इसे साहसी, अभूतपूर्व और अपने वादे के अनुरूप' बताया, और पाकिस्तान द्वारा इसे कायरतापूर्ण कहे जाने की आलोचना की। सालेह ने कहा कि भारत ने नौ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर अपने शत्रु के चारों ओर लंबी रस्सी को और कस दिया है ।

यहां हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यदि मोदी सरकार ने समय रहते रूस के साथ एस-400 वायु सुरक्षा प्रणाली का सौदा नहीं किया होता तो आज भारत में भी काफी नुकसान हो सकता था। विश्व ने रूस की अभेद्य एस-400 वायु सुरक्षा प्रणाली की ताकत देखी। वहीं पाकिस्तान द्वारा तैनात चीन की वायु सुरक्षा प्रणाली को तार-तार होते हुए भी देखा। पाकिस्तान द्वारा तुर्की और चीन द्वारा दिए गए ड्रोन प्रयोग में ले जा रहे थे जो लगातार भारतीय सुरक्षा प्रणाली का निशान बन रहे थे। भारत द्वारा इज़राइल द्वारा विकसित और इजराइल के सहयोग से भारत में अडाणी की कंपनी द्वारा निर्मित उन्नत हारोप ड्रोन की ताकत भी दुनिया ने देखी। भारत ने जहां चाहा पाकिस्तान के ठिकानों पर प्रहार किया। यहां सबसे बड़ा संदेश था आत्मनिर्भरता का। उल्लेखनीय है कि पिछले काफी समय से भारत लगातार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। जहां प्रौद्योगिकी नहीं है वहां पर रक्षा प्रणालियों, युद्धक विमान आदि की खरीद के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उसके भारत निर्माण पर जोड़ देता रहा है। इसलिए जहां पाकिस्तान आयात पर निर्भर था हम आत्मनिर्भर थे। इसलिए रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी निर्माण की ताकत को दुनिया ने देखा।

अमेरिका की मध्यस्थता के बीच जब भारत पाक के बीच एक दूसरे पर हमले न करने का समझौता हुआ, जिसे भारत ने युद्ध विराम शब्द नहीं दिया। वह भारत की शर्तों पर हुआ। उसमें यह भी था कि यदि इसके बावजूद पाकिस्तान किसी प्रकार का आतंक की या दूसरा हमला करता है तो उसे युद्ध माना जाएगा। इसके बावजूद अपनी पिटाई से बौखलाई पाकिस्तान सेना ने अपनी इज्जत बचाने के लिए हमले न करने के समझौते के प्रतिकूल कई घंटे तक भारत पर अनेक नाकाम हमले किए, जिसका सेना ने उचित प्रत्युत्तर दिया। इससे एक और पाकिस्तान की किरकिरी हुई वहीं भारत के अनुशासन की प्रशंसा हुई। दुनिया को यह संदेश फिर से मिला कि पाकिस्तान पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता। इस छोटे युद्ध में एक ओर विश्व ने भारत के पराक्रम, राजनीतिक नेतृत्व, सैन्य नेतृत्व और सुरक्षाबलों के बीच सामंजस्य, पारस्परिक समन्वय, सीना और सुरक्षाबलों का संयम अनुशासन देखा, वहीं दूसरी और भारत के राजनय, कूटनीति और राजनीतिक सूझबूझ तथा दृढ़ता को भी देखा। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के माथे पर पराक्रम का जो तिलक लगाया है उसे भारत का मस्तक विश्व में ऊंचा हुआ है।

कुछ अलग

अग्रिम जमानत जरूरी है

दोस्तो सोच रहा हूं कि बाकी के सारे काम धंधे छोडक़र मुझे सबसे पहले अग्रिम जमानत करवा लेनी चाहिए। धंधे तो बाद में भी चलते रहेंगे। इस मुल्क में धंधों की कोई कमी थोड़ी है। सरकारी रेता, बजरी, सरिया, सीमेंट बेचने से लेकर जाली प्रमाणपत्र बनाकर बेचने जैसे कई चकाचक धंधे यहां मौजूद हैं। जब तक मुल्क में ऐसे वैसे लीडर हैं, तब तक धंधों की कोई कमी थोड़ी है। एक से बढक़र एक धंधे हैं। चलो मान लो बाकी धंधे कभी संकट में पड़ भी गए तो राजनीति का धंधा तो मुल्क में है ही। इस धंधे से बढक़र कोई दूसरा धंधा क्या होगा। मुल्क को अपने आप की जागीर समझकर जितना लूटना चाहो, लूट लो। रोकने वाला ही कौन है? राजनीति के हमाम में चोर चोर मौसेरे भाई हैं। वह भला आपत्ति क्यों करेंगे। अब आप जानना चाह रहे होंगे कि अग्रिम जमानत करवाने के लिए मैं क्यों सोच रहा हूं। क्या मैंने अपने पद का दुरुपयोग करके कोई बेनामी संपत्ति बना ली है? क्या मैंने किसी घोटाले को अंजाम दे दिया है या फिर कोई उल्टा सीधा कांड कर दिया है जो विरोधी मेरी छवि को खराब कर सके। आप अपनी अपनी कॉमन सेंस के मुताबिक जो भी सोचना चाहें, सोच सकते हैं। इस मुल्क में सोचने पर कोई टैक्स नहीं है। सरकार इस मामले में बहुत उदार है। लेकिन मैं यहां क्लियर कर दूं कि अभी तक मैंने कोई घोटाला नहीं किया है। मैं सिर्फ ऐहतियात के लिए ही अग्रिम जमानत लेने की सोच रहा हूं। मैंने देखा है कि अग्रिम जमानत होने पर पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाती। सिर्फ सुबह से शाम तक थाने में बिठा सकती है। मेरे कई राजनीतिक विरोधी हैं। मैं लगातार उन्हें डंडा देता रहता हूं। विरोधियों के आका मुझे डंडा देने के चक्कर में हैं। क्या पता कब किस लफड़े में मुझे दबोच लिया जाए। मुल्क में इतने घोटाले हो रहे हैं, इतने मर्डर हो रहे हैं, पुलिस अपना रेपुटेशन बढ़ाने और विरोधी अपनी नाक बचाने के लिए कभी भी मुझे दबोच सकते हैं। मुझे दबोच लिया गया तो पुलिस मेरा रिमांड ले लेगी। मुझे रिमांड से बहुत डर लगता है। मेरी पत्नी आए दिन मेरा रिमांड लेती रहती है। लेकिन मुझे गिरफ्तार नहीं कर पाती। वह मुझे आंखें दिखाती है और मैं उसे आंखे दिखा देता हूं। लेकिन पुलिस के हाथ में तो पावर होती है। वह रिमांड लेकर मेरी ऐसी तैसी कर सकती है। इसलिए अग्रिम जमानत लेकर रिमांड से बचना चाहता हूं। अग्रिम जमानत मिल गई तो मैं सबसे पहले लीडरी ही करूंगा। दो चार बाहुबली अपने साथ रखूंगा। दो-चार विरोधियों की पिटाई करवा दूंगा। विरोधी एफआईआर दर्ज करवा देंगे। आज के इस दौर में जितनी एफआईआर, उतनी लोकप्रियता। आपने गौर किया होगा, अब तो चुनावी पोस्टरों में नेताओं की तस्वीर के नीचे लिखा होता है- '24 केस दर्ज, 12 बार जेल यात्रा, फिर भी जनता की सेवा में तत्पर!' मैं जनता की सेवा करने के साथ-साथ अपना राजनीतिक भविष्य भी सुरक्षित रखना चाहता हूं, इसलिए जेब में अग्रिम जमानत भी रखना चाहता हूं। यानी फुलप्रूफ काम में यकीन रखता हूं। इसलिए सोचा है कि पहले ही कोर्ट में जाकर कह दूं- 'हुजूर, मैं तो बेगुनाह हूं, पर राजनीति में हूं, इसलिए आरोपी बनने की पूरी संभावना है। कृपया मुझे जमानत दे दी जाए, ताकि मैं बिना डरे देशहित में लूटखसोट करता रहूं।' कभी-कभी लगता है कि अगर नेता बनना हो, तो वकील भी साथ में रखना जरूरी है। वकील तगड़ा हो तो कत्ल करके भी बच जाऊंगा। और अगर बड़े नेता बनना हो, तो एक-दो अंतरराष्ट्रीय स्तर के वकील पीठ पर खड़े रहना जरूरी हैं।

देश दुनिया से

मानसिक त्रासदी बनती सोशल मीडिया की सनक

मानसिक त्रासदी बनती सोशल मीडिया की सनक हाल ही में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मीशा अग्रवाल ने अपने घटते फॉलोवर्स के चलते आत्महत्या कर ली। इस घटना ने सोशल मीडिया यानी कि आभासी दुनिया की कड़वी सच्चाई को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। इसके साथ ही मानसिक पहलुओं पर भी दुनिया भर में चर्चा छेड़ दी है। महज 23 साल की मीशा के फॉलोवर्स की संख्या में गिरावट आईं, तो उसने खुद को बेकार समझना शुरू कर दिया। इसके बाद मीशा गहरे अवसाद में चली गईं। उसकी आत्महत्या ने यह दिखाया कि वैसे ऑनलाइन मान्यता की खोज एक व्यत्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। असल में आज सोशल मीडिया केवल एक संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह एक नया समाज बन गया है। ऐसा समाज, जहां रिश्ते, सोच और पहचान अब सीन पर तय होते हैं। इस समाज में एक नईं भूमिका उभरी है इन्फ्लुएंसर (प्रभावक) की। इस नईं दुनिया में इन्फ्लुएंसर वे लोग हैं, जो हजारों या लाखों लोगों तक पहुंचते हैं। इन्फ्लुएंसर वे व्यत्ति होते हैं, जिन्होंने पेसबुक, इंस्टाग्राम और यूटूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में फॉलोवर्स जुटाए हैं। ये अब केवल वंटेंट निर्माता नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी के विचार, व्यवहार और दृष्टिकोण को दिशा देने वाले नए सामाजिक मार्गदर्शक बन चुके हैं। भारत में साल 2024 तक 50 करोड़ से अधिक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता थे, जिनमें से लगभग 65 प्रतिशत युवा (18-35 वर्ष) हैं। एक सव्रे के अनुसार, 75 प्रतिशत युवा इन्फ्लुएंसर्स से प्रेरित होकर खरीदारी का निर्णय लेते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर हुए शोध के अनुसार, जो युवा दिन में तीन घंटे से अधिक सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं, उनमें चिता और अवसाद की संभावना 21 प्रतिशत अधिक होती है। अधिकांश इन्फ्लुएंसर अपनी जिदगी का सिर्प फिल्टर किया हुआ चमकदार हिस्सा दिखाते हैं। इससे युवा यह मानने लगते हैं कि सफलता का मतलब महंगी गाड़ियां, लग्जरी जीवन और आकर्षक चेहरा है, जबकि यह यथार्थ से बहुत दूर होता है। युवाओं की आत्मा अब लाइक्स, फॉलोवर्स और कमेंट्स से जुड़ने लगी है। अगर कोईं पोस्ट वायरल नहीं हुईं, तो वे खुद को असफल समझने लगते हैं। यह डिप्रेशन लो सेल्फ-एस्टीम और सोशल एंग्जायटी को जन्म देता है। इन्फ्लुएंसर बनने की चाह में बहुत से युवा अपनी असली पहचान खो देते हैं। वे सिर्प वैमरे के लिए जीने लगते हैं। असल जीवन और डिजिटल जीवन के बीच दूरी बढ़ जाती है। इससे आत्म विरोध, दोहरे व्यत्तित्व और मानसिक थकावट जैसी समस्याएं उभरती हैं। वुछ इन्फ्लुएंसर्स व्यूज के लिए आपत्तिजनक कपड़े, भाषा या हरकतें करते हैं। वुछ इंस्टाग्राम रील्स और यूटूब शॉट्र्स में अभद्र भाषा और भड़काऊ डांस दिखाना अब सामान्य हो गया है। इससे किशोरों पर बुरा असर पड़ता है। इन्फ्लुएंसर बनने की दौड़ में युवा सामाजिक संबंधों, परिवार, पढ़ाईं और जीवन के असल पक्षों से कटते जा रहे हैं। मीशा से पहले भी भारत में ऐसी कईं घटनाएं हुईं हैं। साल 2020 में एक 18 वर्ष की टिक टॉक यूजर ने आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसके फॉलोवर्स अचानक घट गए थे और वीडियो पर ट्रोलिग हुईं थी। वहीं यूके की एक इन्फ्लुएंसर ओलिविया जेड ने भी इसी तरह के मामले में आत्महत्या कर ली। उसके परिवार का कहना था कि वह हमेशा सोशल मीडिया पर खुद को साबित करने के दबाव में रहती थी। वहीं दक्षिण कोरिया के पॉप कलाकार और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की आत्महत्या भी ट्रोलिग और सोशल दबाव से जुड़ी मानी जाती हैं। असल में बाहर से हंसते-हंसते पोस्ट डालने वाले अधिकतर इन्फ्लुएंसर अंदर से टूटे हुए होते हैं। वे हर दिन परपेक्ट दिखने के दबाव में जीते हैं, लेकिन किसी से वुछ कह नहीं पाते। ली मैकमिलन, जो कि एक ट्रैवल इन्फ्लुएंसर थी। उसने दुनिया घूमी, हजारों फॉलोवर्स थे पर अवसाद ने उसकी जिदगी लील ली। आत्महत्या के बाद उसके परिवार ने मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता की मुहिम शुरू की। एक प्रसिद्ध फिटनेस इन्फ्लुएंसर ने स्वीकार किया कि वह वैमरे के सामने ऊर्जा से भरी दिखती थी पर वैमरे के पीछे रातों को रोती थी। वह नींद की बीमारी से जूझ रही थी। असल में यह दुनिया उतनी आसान और ग्लैमरस नहीं है, जितनी सीन पर नजर आती है। इन्फ्लुएंसर्स में प्रमुख मानसिक समस्याएं जैसे कि डिजिटल थकावट, पहचान का संकट, फॉलोवर्स गिरना यानी आत्मविश्वास कम होना, ऑनलाइन ट्रोलिग और आलोचना देखने को मिलती हैं। नामचीन अखबार के एक लेख में बताया गया कि 88 प्रतिशत परिवारों में तीन-चार सदस्य और सामाजिक दबावों के कारण अधिकतर युवा अकेलापन महसूस कर रहे हैं। मीशा की कहानी हमें यह सिखाती है कि सोशल मीडिया की दुनिया में सफलता की चमक के पीछे गहरे मानसिक संघर्ष हो सकते हैं। यह आवश्यक है कि हम अपने आस-पास के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें और उन्हें यह समझाएं कि ऑनलाइन मान्यता ही जीवन का मापदंड नहीं है। मीशा की आत्महत्या कोईं निजी त्रासदी नहीं थी। यह पूरी पीढ़ी की एक सामाजिक त्रासदी है। हमें अब रुक कर सोचने की जरूरत है कि क्या हम इंसानों को विचार और प्रसिद्धि के लायक मानते हैं या फिर इंसान होने के नाते ही उनकी कद्र करते हैं? अब केवल संवेदनाएं व्यत्त करने से काम नहीं चलेगा। सरकार, सोशल मीडिया वंपनियां, समाज और खुद इन्फ्लुएंसर्स सभी को मिलकर एक सुरक्षित और मानसिक रूप से स्थिर डिजिटल दुनिया बनानी होगी। नए एिटर्स को यह सिखाया जाए कि फॉलोवर्स, लाइक और व्यूज आनेजाने वाली चीजें हैं। उन्हें डिजिटल स्थिरता और भावनात्मक लचीलापन सिखाया जाए। कईं बार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रेशर भी इन्फ्लुएंसर्स पर रहता है। ऐसे में दूसरों से दूरी महसूस करने या तटस्थ रहने की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जब इन्फ्लुएंसर्स या सेलेब्रिटीज की बात आती है, तो उनके स्ट्रगल्स या जिन परेशानियों से वे जूझ रहे हैं, उसे देखने में लोग नाकाम होते हैं, क्योंकि लोग वही देखते हैं जो उन्हें पब्लिक प्लेटफॉर्म पर दिखाया जा रहा है। इन्फ्लुएंसर्स की प्राइवेट और सोशल लाइफ के बीच गैप होता है, जो वत्त के साथ गहराता जाता है। लोग खुद को उनकी जिदगी का हिस्सा समझने लगते हैं।

आप का नजरिया

ऑटोमोबाइल निर्माण

भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग जिस तेजी से तरक्की कर रहा है वह उल्लेखनीय है। हर साल वह बढ़ोतरी की नई इबारत लिख रहा है। 1982 में भारत में जब मारुति कार अस्तित्व में आई तो जनता ने उसमें बहुत दिलचस्पी दिखाई और वह जन-जन की कार बन गई। नब्बे के दशक में नरसिंह राव के आर्थिक उदारीकरण ने जैसे कि उसमें पंख लगा दिए। उसके बाद कई और विदेशी कंपनियां कार निर्माण के क्षेत्र में आ गईं तो टू व्हीलर के क्षेत्र में भारतीय कंपनी हीरो ने जापानी कंपनी होंडा के साथ मिलकर इस क्षेत्र में भारत को शिखर पर लाकर खड़ा कर दिया। एक के बाद एक विदेशी कंपनियों ने देश में कदम रखा और वाहन निर्माण का काम बढ़ता चला गया। देश के जीडीपी के विकास में हमारे ओटोमोबाइल उद्योग का बहुत बड़ा योगदान रहा। कोरियाई, जापानी ऑटोमोबाइल कंपनियों को भारत निवेश के लिहाज से माकूल लगा और उन्होंने करोड़ों डॉलर का निवेश किया। लेकिन सिर्फ विदेशी ही नहीं भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा भी तेजी से आगे बढने लगी। इसका नतीजा हुआ कि 2024 तक भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल उत्पादक देश बन गया। 22 लाख करोड़ की इस इंडस्ट्री ने 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार दे रखा है। यहां बने दोपहिया वाहनों का तो 50 फीसदी निर्यात हो जाता है। यह इंडस्ट्री देश को बड़े पैमाने पर जीएसटी भी देती है। लग्जरी कारों में 28 फीसदी जीएसटी लगता है जिससे सरकार की खूब कमाई होती है। भारत में जिस तेजी से इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है, वह उल्लेखनीय है। पूरे देश में सडक़ों का जाल तैयार हो गया है। 2023-24 में देश के अंदर में हर दिन 33 किलोमीटर से अधिक नेशनल हाइवे का निर्माण हुआ है। केंद्रीय सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में कुल 12349 किलोमीटर नेशनल हाइवे बने हैं। सडक़ परिवहन मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना है कि वह हर दिन 100 किलोमीटर हाइवे बनाए। इससे भारत अमेरिका को टक्कर देने की स्थिति में पहुंच जाएगा। देश में सडक़ें तेजी से बन रही हैं और इस कारण से वाहनों की बिक्री भी बढ़ रही है। अब कहीं भी सडक़ मार्ग से जाना आसान होता जा रहा है। देश की राजधानी दिल्ली से यहां की वित्तीय राजधानी मुंबई तक पहले कारों से लोग नहीं जाया करते थे। उसमें 24 घंटे तक की थका देने वाली यात्रा करनी होती थी, लेकिन अब यह 1350 किलोमीटर की दूरी महज 12 घंटे में की जा सकती है। इस तरह की कई सडक़ें बन गई हैं जिनसे अपने गंतव्य पर पहुंचने में अब आधा समय लगता है और कम ईंधन फुंकता है। इससे सडक़ परिवहन को बढ़ावा मिला है और वाहनों की बिक्री भी बढ़ी है। देश में इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन भी बढ़ रहा है। विदेशी कंपनियों के अलावा भारतीय कंपनियां टाटा और महिंद्रा के अलावा दो पहिया बनाने वाली कई कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहन बनाने लगी हैं। भारत में बनी कारें चीनी कार बावायडी या फिर इलोन मस्क की टेस्ला से काफी सस्ती हैं। इस वजह से इनकी बिक्री भी खूब बढ़ रही है।

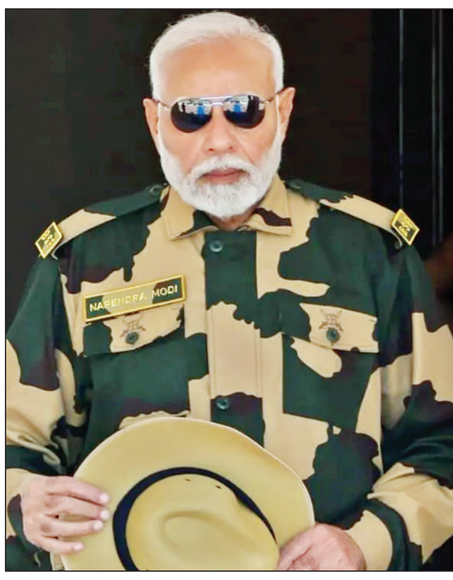

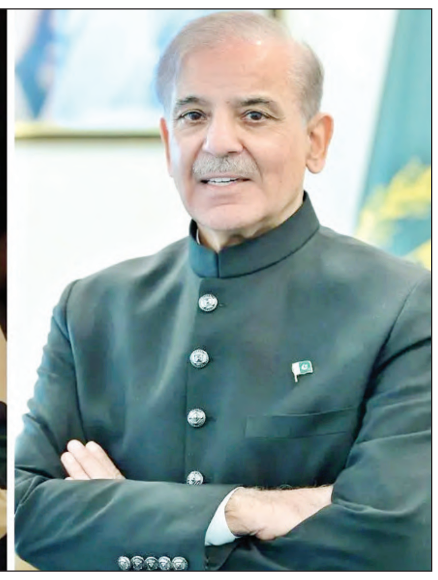

शहबाज शरीफ ने कहा- सीजफायर सभी के हित में, पाकिस्तान शांति चाहता है, सऊदी अरब और चीन का मध्यस्थता के लिए जताया आभार

इस्लामाबाद,11 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए हाल ही में हुए भारत-पाकिस्तान युद्धविराम (सीजफायर) समझौते को सभी के हित में बताया और इस पहल को पाकिस्तान की शांति-प्रिय सोच का प्रतीक करार दिया।

प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा, हम एक जिम्मेदार देश हैं। हमने बार-बार दिखाया है कि हम शांति के पक्षधर हैं। यह सीजफायर समझौता सभी के लिए लाभकारी है और हमने इसे बहुत सकारात्मक भावना के साथ स्वीकार किया है।

उन्होंने अपने संबोधन में सऊदी अरब और चीन जैसे मित्र देशों का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास किए।

हालांकि, शरीफ ने इस दौरान भारत पर नागरिकों की हत्या, मस्जिदों को नष्ट करने और झूठी सूचनाएं फैलाने के गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा, भारत झूठे प्रचार से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भ्रमित कर रहा है, जबकि असली जमीनी हालात बेहद अलग हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने हमारे सैन्य हथियारों को उड़ाया और सैन्य अड्डों को तहस-नहस कर दिया। भारत के हमले में पाकिस्तान के कई जवान भी मारे गए हैं।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा, हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक पाकिस्तान को उसकी खोई हुई गरिमा वापस नहीं मिलती। खुदा के फज़ल से वह वक्त दूर नहीं है। उन्होंने कहा कि यह युद्धविराम केवल एक अस्थायी समझौता नहीं, बल्कि भविष्य में स्थायी शांति और सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकता है, यदि सभी पक्ष अपनी जिम्मेदारी समझें।

शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत के साथ पानी और जम्मू कश्मीर का मसला हल करने के लिए बातचीत की उम्मीद है। पाक पीएम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी शुक्रिया अदा किया है।

उल्लेखनीय है कि शनिवार शाम को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम के ऐलान की घोषणा की गई थी। इस दौरान कहा गया था कि अब दोनों देशों के बीच कोई हमले और गोलीबारी नहीं होगी। हालांकि इस ऐलान के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने कश्मीर पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। राजस्थान और गुजरात के कई इलाकों में पाकिस्तानी ड्रोन भी देखे गए।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब दिया कश्मीर मुद्दे पर समाधान का ऑफर

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे पर अब भारत और पाकिस्तान को सहयोग का प्रस्ताव दिया है। सोशल मीडिया टुथ पर रविवार को एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं ताकि हजार साल बाद भी सही, कश्मीर पर कोई समाधान निकाला जा सके। उल्लेखनीय है कि कश्मीर मध्य पर भारत और पाकिस्तान के बीच का मुद्दा भारत की दृष्टि से हमेशा द्विपक्षीय रहा है। दूसरी ओर यह मुद्दा 1947 में पाकिस्तान की अस्तित्व में आने के बाद का है, जिसे ट्रंप हजारों साल पुराना बता रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कल सबसे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति की जानकारी इसी सोशल मीडिया के माध्यम से दी थी। वही फिर उनका एक बयान आया है। उन्होंने लिखा कि उन्हें भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व पर गर्व है, जिन्होंने समझदारी और साहस दिखाया। यह सही समय था आक्रोश को रोकने का, जिससे भारी विनाश और लोगों की मौत हो सकती थी। अमेरिका को इस ऐतिहासिक फैसले में मदद करने पर गर्व है। उन्होंने बिना किसी चर्चा के यह घोषणा की कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार काफी हद तक बढ़ाएंगे। कश्मीर मुद्दे को लेकर उन्होंने पहली बार खुलकर यह संकेत दिया कि अमेरिका इसमें एक सक्रिय भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि वह यह देखना चाहते हैं कि क्या इस पुराने विवाद का समाधान संभव है।

रूस ने रखा यूक्रेन के साथ बिना शर्त वार्ता का प्रस्ताव

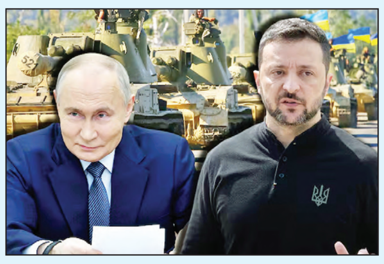

मास्को। विजय दिवस के समापन के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रुख युद्ध को लेकर कुछ नरम पड़ता दिखाई दे रहा है। उन्होंने रविवार को सभी को चौंकाते हुए यूक्रेन के सामने बिना किसी शर्त के शांति वार्ता का प्रस्ताव दे दिया। पुतिन ने कहा कि वह तुर्किये की राजधानी इस्तांबुल में यूक्रेनी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि ऊधर यूक्रेन की तरफ से अभी इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि बिना किसी शर्त के एक बार फिर वह यूक्रेन के साथ बात करने के इच्छुक हैं। मास्को बार-बार युद्ध विराम की कोशिश कर रहा है। उसके बाद भी यूक्रेन की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद एक संयुक्त मसौदा तैयार किया गया था। लेकिन बाद में यूक्रेन उस मसौदा से पलट गया। गौरतलब है कि नाजी जर्मनी के ऊपर अपनी जीत के 80 वें वर्ष को विजय दिवस के रूप में मना रहे रूस ने यूक्रेन से तीन दिनों के लिए एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा की थी। यह युद्ध विराम रविवार को समाप्त हो गया।

मौत के बाद की अवस्था में पहुंचे शख्स ने सुनाए अपने अनुभव

न्यूयार्क। अमेरिका के लॉस एंजेलिस में रहने वाले स्टीव कांग ऐसे ही शख्स हैं, जिन्होंने खुदकुशी की कोशिश के बाद मौत के करीब पहुंचकर एक ऐसा अनुभव किया, जो किसी भी इंसान की रूह कंपा सकता है। स्टीव का दावा है कि आत्महत्या की कोशिश के बाद जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया, तो वह ऑपरेशन टेबल पर मृत घोषित कर दिए गए थे। हालांकि 8 घंटे बाद उन्होंने फिर से होश में आकर सबको चौंका दिया। लेकिन जो उन्होंने उस दौरान महसूस किया, वह किसी डरावने सपने से कम नहीं था। स्टीव बताते हैं कि जब वह मौत के बाद की अवस्था में पहुंचे, तो खुद को एक अंधेरी, सुनसान और चट्टानी जगह पर पाया। वहां कोई रोशनी नहीं थी, न पेड़ थे और न ही कोई इंसानी गतिविधि। इस वीरान स्थान में उन्हें सैकड़ों आत्माएं दिखीं और कई विशालकाय, काले वस्त्रों में लिपटी हड्डी जैसी आकृतियां दिखीं, जो उन्हें घूर रही थीं। स्टीव ने महसूस किया कि वे आकृतियां नरक की शक्तियां थीं और वह खुद अपने पापों की वजह से वहां फंसे थे। उन्होंने कहा कि यह ऐसी जगह थी जहां वह नहीं जाना चाहते थे, और न ही किसी और को वहां देखना चाहते थे, चाहे वह हिटलर या किम जोंग ही क्यों न हो। स्टीव का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में नशे की लत, जैसे मेथामफेटामिन और खतरनाक ड्रिंक 'डेथ बाउल' का सेवन किया था।

बांग्लादेश : शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर अंतरिम सरकार ने लगाया प्रतिबंध

छात्र आंदोलन दमन के आरोपों पर ट्रिब्यूनल कानून में संशोधन

ढाका,11 मई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने एक बड़ा राजनीतिक निर्णय लेते हुए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह प्रतिबंध आतंकवाद विरोधी अधिनियम (एंटी टेररिज्म एक्ट) के तहत लगाया गया है। साथ ही, सरकार ने अंतरराष्ट्रीय अपराध (अदालत) अधिनियम में संशोधन कर छात्र-नेतृत्व वाले जनविद्रोह के दमन में पार्टी की कथित भूमिका की जांच और मुकदमे की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है।

शनिवार रात अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई आपात बैठक के बाद यह घोषणा की गई। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कानूनी सलाहकार असीफ नजरुल ने सरकार के तीन मुख्य फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन निर्णयों की आधिकारिक अधिसूचना आगामी कार्यदिवस पर जारी की जाएगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि अवामी लीग की सभी गतिविधियों, जिनमें ऑनलाइन और डिजिटल मंचों पर संचालन भी शामिल है, फिलहाल पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगी, जब तक कि न्यायिक निर्णय नहीं आ जाता। यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता, जुलाई जनविद्रोह में शामिल कार्यकर्ताओं की सुरक्षा, और अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्रिब्यूनल (आईसीटी) के गवाहों व शिकायतकर्ताओं की रक्षा के दृष्टिकोण से उठाया गया है।

इसके अतिरिक्त, जुलाई घोषणा पत्र का अंतिम संस्करण अगले 30 कार्यदिवसों में प्रकाशित किया जाएगा, जिसमें छात्र आंदोलन से संबंधित दस्तावेज और आरोप शामिल होंगे।

सरकार का कहना है कि प्रतिबंध का उद्देश्य देश में राजनीतिक स्थिरता बनाए रखना और आगामी आम चुनावों के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना है। हाल के हफ्तों में अवामी लीग द्वारा देशभर में किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों और कथित हिंसक गतिविधियों को लेकर प्रशासन सतर्क था। हालांकि, इस प्रतिबंध पर अवामी लीग या शेख हसीना की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह प्रतिबंध ऐसे समय में लगाया गया है जब देश में आगामी संसदीय चुनावों को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और विपक्षी दलों द्वारा निष्पक्ष चुनाव की मांग को लेकर दबाव बढ़ाया जा रहा था।

पाकिस्तान की पिटाई देखकर शांति-शांति का राग अलापने लगा दोस्त चीन, दोनों देशों से करने लगा शांति की अपील

बीजिंग। जंग के लिए हमेशा तैयार रहने वाला चीन अपने दोस्त पाकिस्तान की पिटाई देख शांति-शांति का राग अलापने लगा है। पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर और फिर पाकिस्तान की बौखलाहट पर जोरदार पलटवार ने ड्रैगन की चिंता बढ़ा दी है। चीनी विदेश मंत्रालय ने भारत और पाकिस्तान से शांति की अपील कर कहा हैं कि बात आगे बढ़ने पर किसी के हित में नहीं होगा। ऐसा करते हुए चीन ने पाकिस्तान पोषित आतंकवाद पर चुप्पी साधे रखी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। भारत ने पाकिस्तान के चार एयरबेस को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसमें नूर खान एयरबेस भी शामिल है। इस बीच चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मौजूदा स्थिति करीब से निगाह रखी जा रही है। चीन ने टकराव बढ़ने पर अपनी चिंता जाहिर की है। चीनी सरकार के सरकारी अखबार के मुताबिक प्रवक्ता ने कहा, हम दोनों पक्षों से अपील करते हैं कि शांति और स्थिरता के हित में संयम और शांति बरतें और शांतिपूर्वक साधनों से राजनीतिक सुलह के रास्ते पर वापस आएं। यह भारत और पाकिस्तान दोनों के हित में होगा और क्षेत्र की शांति स्थिरता के लिए आवश्यक है। वैश्विक समुदाय भी इसी की उम्मीद कर रहा है। इस जंग को खत्म कराने के लिए चीन भूमिका निभाने का इच्छुक है। गौरतलब है कि चीन अपने फायदों के लिए पाकिस्तान को सबसे करीबी दोस्त होने के भ्रमजाल में फंसाए हुए है। चीन ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। भारत के रुख और सैन्य ताकत को देखकर चीन को अब अपने प्रॉजेक्ट्स पर भी असर होने का अंदेशा होने लगा है।

इमरान खान की पार्टी पहुंची हाईकोर्ट, कहा-उन्हें रिहा किया जाए

इस्लामाबाद,11 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में मौत की कथित अफवाहों के बीच उनकी पार्टी इस्लामाबाद के हाईकोर्ट पहुंच गई है। उन्होंने अदालत से कहा कि जेल में इमरान को जान का खतरा है। इसलिए उन्हें रिहा कर दिया जाए। उधर पाकिस्तान की सरकार ने उनकी जेल में मौत की अफवाह पर सफाई देते हुए कहा कि इमरान जेल में सुरक्षित हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इस समय रावलपिंडी की आदियाला जेल में बंद हैं। शनिवार को सोशल मीडिया पर अफवाह फैली की उनकी जेल में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

पाकिस्तान की सरकार ने मौत की अफवाह पर कहा-इमरान जेल में सुरक्षित

उनकी मौत का फर्जी वीडियो वायरल होते ही खलबली मच गई। इस संबंध में पाकिस्तान सरकार की कथित तौर पर एक फर्जी रिलीज भी वायरल होने लगी।

इसके बाद पाकिस्तान की सरकार तुरंत हरकत में आई। सरकार ने साफ किया कि इमरान खान जेल में सुरक्षित हैं। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील भी की।

उधर इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी भी सक्रिय हो गई।दावा है पार्टी के नेता अली अमीन ने शनिवार को इस्लामाबाद के हाईकोर्ट में आवेदन दिया है। उसमें कहा गया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते आदियाला जेल में ड्रोन हमले की आशंका है।

साथ ही जेल में उनका स्वास्थ्य भी बिगड़ रहा है। इसलिए उन्हें तुरंत ही जेल से पैरोल पर रिहा किया जाए। हालांकि अदालत ने इस मामले में की सुनवाई के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की है।

भारत के ऐक्शन से घबराया पाकिस्तान, परमाणु हमले पर लिया यू-टर्न, बोला- नहीं कर रहे विचार

भारत की कड़ी कार्रवाई से पाकिस्तान में खौफ में आ गया है। कई दिनों से परमाणु हमले की गीदड़भभकी देने वाले पाक ने अब यूटर्न लेते हुए कहा है कि इस विकल्प पर विचार नहीं किया जा रहा है। भारत के ऐक्शन से पाकिस्तान बैकफुट पर आ गया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, मैं दुनिया को बता रहा हूं कि यह केवल क्षेत्र तक सीमित नहीं रहने वाला है, यह बहुत व्यापक विनाश हो सकता है। ख्वाजा आसिफ ने कहा, भारत द्वारा पैदा की जा रही स्थिति को देखते हुए हमारे विकल्प कम होते जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नेशनल कमांड अथॉरिटी की कोई बैठक नहीं बुलाई गई है। नेशनल कमांड अथॉरिटी पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर परिचालन संबंधी निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है। पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ कई कार्रवाइयों के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव बढ़ रहा है, जिसका भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया।

हर संकट की घड़ी में दोस्त बनकर भारत के साथ खड़ा रहा इजराइल

तेलअवीव,11 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के साथ संघर्ष के समय इजरायल खुलकर भारत के साथ खड़ा दिख रहा है। इजरायल पहले ही दिन से बिना शर्त भारत को समर्थन दे रहा है। इतना ही नहीं, पहलगाम आतंकी हमले के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात कर अपनी संवेदना जताकर हर संभव मदद का भरोसा भी दिया।

एक वरिष्ठ इज़रायली रक्षा अधिकारी ने बताया, मित्र मुसीबत के समय अपना असली रंग दिखाते हैं और भारत एक सच्चा मित्र साबित हुआ। कई रक्षा मंत्रालयों ने हमसे मुंह मोड़ लिया। युद्ध की शुरुआत में, लगभग सभी इज़रायली उत्पादन को आईडीएफ (इजरायल डिफेंस फोर्सेज) की जरूरतों के लिए रि-डायरेक्ट किया गया था, और हमने देशों से डिलीवरी में फ्रैक्सिबिलिटी के लिए कहा था। अधिकांश ने हमें ठंडा जवाब दिया था, लेकिन भारत ने नहीं।

वे हमारे साथ खड़े रहे।उन्होंने कहा, हम लगातार कश्मीर में घटनाक्रमों की निगरानी कर रहे हैं। यहां तक कि जब दुनिया कहीं और केंद्रित होती है, तब भी लगभग हर हफ्ते वहां झड़पें होती हैं।

इजरायल के कुल हथियार निर्यात का 41 प्रतिशत सिर्फ भारत को होता है। इसके बाद भारत इजरायली रक्षा उद्योग के लिए अब तक का सबसे बड़ा ग्राहक है। भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना बड़े पैमाने पर इजरायली हथियारों और उपकरणों का इस्तेमाल करती हैं। भारत, इजरायल में बनी हुई टावोर टार-21 असाल्ट राइफल, माइक्रो उजी सब-मशीनगन, गलिल 7.62 स्नाइपर राइफल, नेगेव एनजी-5 मशीनगन, बी-300 एंटी टैंक रॉकेट लॉन्चर, बराक-8 मिसाइल, एम-46 हॉवित्जर, स्पाइक एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल, स्पाइडर एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल, हेरोन ड्रोन, स्पाइस-2000 बम जैसे कई अन्य हथियारों का इस्तेमाल करता है।

नीला केला कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर

वाशिंगटन,11 मई (एजेंसियां)।

नीला केला, जिसे ब्लू जावा बनाना या आइसक्रीम बनाना कहा जाता है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया में उगता है। यह नीला केला बेहद मलाईदार होता है। भारत में इस केले की कीमत 348 रुपए से शुरू होती है। नीला केला कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है।

इसमें पोटैशियम, विटामिन सी और विटामिन बी 6 पाया जाता है। पोटैशियम की वजह से यह दिल के काम को दुरुस्त रखता है और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। विटामिन सी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जिससे शरीर में किसी भी प्रकार की बीमारी जल्दी नहीं आती। आजकल अधिकांश लोग तनाव से घिरे रहते हैं। जब कोई व्यक्ति तनाव में होता है, तो उसके शरीर में स्ट्रेस हार्मोन बढ़ जाते हैं, जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए नीला केला एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें मौजूद विटामिन बी 6 ब्रेन के लिए अच्छा होता है और यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है। इससे इंसान ऊर्जा से भरपूर महसूस करता है। ब्लू जावा बनाना में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पेट को स्वस्थ रखता है। यदि किसी को कब्ज, गैस या ब्लोटिंग की समस्या हो, तो नीला केला बहुत फायदेमंद हो सकता है। आप इसे दूध के साथ भी खा सकते हैं। अगर आप मोटापे से परेशान हैं और कई डाइट ट्राई करने के बाद भी परिणाम नहीं मिल पाए, तो नीला केला आपके लिए एक अच्छे विकल्प के रूप में सामने आता है। जानकारी के अनुसार, डायबिटीज के मरीजों को अक्सर केला खाने से मना किया जाता है क्योंकि पीले केले में शुगर की मात्रा अधिक होती है। लेकिन नीले केले में शुगर का स्तर कम होता है ।

गूगल मैप्स ने मैक्सिको को दिखाया 'अमेरिका की खाड़ी', लोग हुए नाराज, नाराज मेक्सिको की राष्ट्रपति ने गूगल पर कराया मुकदमा दर्ज

मेक्सिको। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबान गूगल पर भड़क गईं। वजह थी गूगल मैप्स में उनके देश की खाड़ी को 'अमेरिका की खाड़ी' दिखाया गया है इस पर उन्होंने गूगल पर मुकदमा दर्ज कराया है। गलत मैप दिखाने से मैक्सिको के लोग काफी नाराज हैं। मैक्सिको ने शुक्रवार को बताया कि 'मुकदमा पहले ही दर्ज करवा दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कब और कहां ये मुकदमा दर्ज करवाया गया है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इससे पहले फरवरी में मैक्सिको की राष्ट्रपति की तरफ से गूगल की पैरेंट कंपनी को चेतावनी दी गई थी। शिनबान कानूनी सलाह ले रही हैं। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका के हाउस आफ रिप्रजेंटिटव्स ने मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने की मंजूरी दे दी थी। वोटिंग के दौरान सभी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने इस प्रस्ताव को समर्थन किया। वहीं, डेमोक्रेट्स प्रतिनिधियों ने इसका समर्थन किया है। बता दें, यह डोनाल्ड ट्रंप की पॉलिसी का असर है।

इंग्लैंड दौरे पर नहीं जाएंगे विराट, टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की कही बात

नई दिल्ली ,11 मई (एजेंसियां) ।
टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का मन बना लिया है। ऐसे में उनके इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा बनने की संभावना कम है। हालांकि, बीसीसीआई के एक उच्च अधिकारी ने कोहली से इस फैसले पर दोबारा सोचने को कहा है। अब देखना होगा कि चयन समिति जब इंग्लैंड दौरे के लिए टीम का ऐलान करेगी, तब कोहली के भविष्य को लेकर क्या फैसला होता है।

विराट से पहले रोहित शर्मा ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। 7 मई को उन्होंने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की और रेडबॉल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। हालांकि वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में मैच खेलते रहेंगे, जो उनका मजबूत पक्ष रहा है।

रोहित शर्मा की तरह विराट कोहली ने भी टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में रोहित और कोहली की जोड़ी क्रिकेट फैन्स को वनडे में खेलती हुई दिखेगी। वहीं दोनों वर्तमान में आईपीएल क्रिकेट में खेलते हुए दिखे, जिसे फिलहाल भारत-पाकिस्तान के तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था। भारत के चयनकर्ता कुछ दिनों में इंग्लैंड में अगले महीने होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम चुनने के लिए मिलने वाले हैं। यह जानकारी मिली है कि कोहली इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद से अपने टेस्ट भविष्य पर विचार कर रहे थे, जब उन्होंने पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद खराब प्रदर्शन किया था। 36 साल के विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खेलते नजर आए थे। जहां भारत को 5 मैचों की सीरीज में 1-3 से हार मिली थी। कोहली ने सीरीज के पहले मैच में शतक जरूर लगाया था, लेकिन इसके बाद वह संघर्ष करते दिखे थे। कोहली ने तब उस सीरीज के 5 मुकाबलों की 9 पारियों में 23.75 के एवरेज से महज 190 रन बनाए थे। इसमें पर्थ में जड़ा गया 100 रनों का नॉट आउट शतक भी शामिल था।

कोहली का टेस्ट डेब्यू जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्सटन में हुआ था। कोहली ने तब पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 15 रन बनाए थे। वहीं कोहनी ने आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला था, जो जनवरी 2025 में खेला गया था।

न्यूज ब्रीफ

यूएई-कतर मैच में सभी दस विकेट एक साथ गिरे

बैंकाक। यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर के बीच खेले गये महिला टी20 विश्व कप एशिया क्वालीफायर 2025 में सभी 10 विकेट एकसाथ गिरने से सभी हैरान हो गये। हुआ यूं कि यूएई ने कतर के खिलाफ मैच में अपनी पूरी टीम को रिटायर्ड आउट किया। इसके पीछे का कारण बारिश के खतरे को बताया गया है। इस मैच में यूएई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज तीर्था सतीश और कप्तान ईशा रोहित ओजा ने पहले विकेट के लिए 16 ओवर में 192 रन की साझेदारी की। जिसके बाद खराब मौसम को देखते हुए टीम ने सभी 10 खिलाड़ियों को रिटायर्ड आउट करार दे दिया। टी20 अंतरराष्ट्रीय में पारी को घोषित करने का विकल्प नहीं हैं, ऐसे में सभी बल्लेबाजों ने पैड पहने और क्रीज में पहुंचने के बाद अपने को रिटायर्ड आउट करवाया। इसके बाद कतर की टीम 11.1 ओवर में 29 रन ही बना सकी। इस प्रकार यूएई की टीम ने 163 रनों से जीत हासिल की। कप्तान ईशान ने 55 गेंदों में 14 चौके और 5 छक्कों की मदद से 113 रन बनाए। वहीं सतीश ने 42 गेंद में 74 रन बनाए। ईशान ने एक ओवर में एक रन देकर एक विकेट भी लिया। वहीं स्पिनर मिचेल बोथा ने 4 ओवर में 11 रन देकर तीन विकेट चटकाए। केटी थॉम्पसन ने दो विकेट लिए, जबकि ईशा, हीना होतचंदानी, इंदुजा नंदकुमार और वैष्णव महेश ने एक-एक विकेट लिया। इस जीत के साथ यूएई की टीम पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच गई है।

इंग्लैंड दौरे के लिए 23 मई को भारतीय टीम की घोषणा कर सकती है बीसीसीआई

BCCI

मुम्बई। अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए 23 मई को भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। टेस्ट सीरीज के चयन के लिए चयनसमिति की बैठक 23 मई या इससे पहले होनी है। इसके बाद 23 मई को ही टीम की भी घोषणा होगी क्योंकि इंडिया ए का टूर भी इसमें शामिल है, जिसके लिए भी टीम चुनी जाएगी। इंडिया ए से भी कुछ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिल सकती है। इग्लैंड दौरे किए भारतीय टीम के 6 जून को इंग्लैंड रवाना होने की संभावना है। इस दौरे से ठीक पहले टीम के कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास लेने और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास की इच्छा जताने से बोर्ड का काम और कठिन हो गया है। इसी को देखते हुए बोर्ड ने अभी विराट को टीम में बने रहने के लिए कहा है। बीसीसीआई चाहती है कि विराट कुछ समय तक खेलते रहें। बीसीसीआई ने नए टेस्ट कप्तान की घोषणा के लिए एक मीडिया कॉन्फ्रेंस भी रखी है। इसकी तारीख और स्थल का फैसला अभी नहीं हुआ है। बीसीसीआई के लिए चयन से जुड़ी सबसे बड़ी परेशानी ये है कि ये अगर विराट भी नहीं खेलते हैं तो उनकी जगह किसे शामिल किया जाये। विराट हालांकि पिछले कुछ समस से फार्म में नहीं है पर वह सबसे अनभवी खिलाड़ी हैं।

पाकिस्तान के सीजफायर उल्लंघन पर भड़के सहवाग बोले, कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने सीजफायर उल्लंघन के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती। दोनो देशों के बीच शनिवार शाम को सीजफायर की घोषणा के कुछ समय के अंदर ही पाक सेना ने फिर गोलीबारी शुरु कर दी थी। पाकिस्तान की इस हरकत से सहवाग ही नहीं सभी देशवासी भड़क गये थे। इसी को लेकर सहवाग ने ट्वीट करते हुए एक तस्वीरी पोस्ट की जिसमें लिखा था, कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती। इस एक लाइन से उन्होंने पाक को कुत्ता बता दिया है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की किभारत और पाकिस्तान ''तत्काल और पूर्ण'' संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। वहीं पाक ने जब भारत पर दोबारा हमले शुरू कर दिये तो सहवाग ने एक और ट्वीट किया था. उन्होंने लिखा था, जब उसके पास चुप रहने का मौका था तो उन्होंने अपने आतंकवादियों को बचाने के लिए युद्ध छेड़ दिया। यह उनके बारे में बहुत कुछ कहता है।

भारत ने विमेंस वनडे ट्राई सीरीज जीती

फाइनल में श्रीलंका को 97 रन से हराया
मंधाना का शतक, स्नेह राणा को 4 विकेट

कोलंबो, 11 मई (एजेंसियां)।
श्रीलंका में हो रहे विमेंस वनडे ट्राई-सीरीज के फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 97 रन से हरा दिया। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग का फैसला किया। स्मृति मंधाना के शतक की बदौलत टीम ने 7 विकेट खोकर 342 रन बनाए।जवाब में श्रीलंकाई विमेंस 48.2 ओवर में 245 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से कप्तान चमारी अथापथु ने सबसे ज्यादा 51 रन बनाए। निलकशिखा सिल्वा ने 48 रन बनाए। भारत से स्नेह राणा ने 4 विकेट लिए। वहीं अमनजोत कौर ने 3 विकेट चटकाए।मंधाना विमेंस वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली तीसरी प्लेयर बनी। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनके अलावा हरलीन देओल ने 47, कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 41 और पिछले मैच में सेंचुरी लगाने वाली जेमिमा रोड्रिग्स ने 44 रन की पारी खेली। श्रीलंका की तरफ से देवमी विहंगा और सुंगधिका कुमारी को 2-2 विकेट मिले। भारत के लिए पेसर क्रांति गौड़ ने डेब्यू किया।पहले बैटिंग कर रही भारतीय टीम की ओपनर स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। रावल को इनोका राणावीरा ने पवेलियन भेजा। इसके बाद मंधाना ने हरलीन के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी की। दोनों ने मिलकर 106 बॉल पर 120 रन बनाए।श्रीलांकाई स्पिनर विहंगा ने हरलीन को आउट करके साझेदारी ब्रेक की। हरलीन ने 47 रन बनाए। मंधाना ने एक छोर संभाले रखा और तेजी से बैटिंग करते हुए अपने करियर का 11वां शतक लगा दिया। उन्होंने 101 गेंदों में 2 छक्के और 15 चौकों की मदद से 116 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 114 से भी अधिक रहा।स्मृति मंधाना ने महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के मामले में इंग्लैंड की टॉमी ब्यूमोंट को पीछे छोड़ा और रिकॉर्ड्स की लिस्ट में तीसरे पायदान पर आ गई।

भारत-पाक तनाव के बीच एशिया कप पर संकट, बीसीसीआई को आईपीएल पूरा करने का मिल सकता है मौका

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 की मेजबानी इस बार भारत को मिली है, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न युद्ध जैसी स्थिति ने इस टूर्नामेंट के आयोजन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस तरह से सीमा पर तनाव बढ़ा है, उसमें यह संभावना बेहद कम नजर आ रही है कि इस साल एशिया कप का सफल आयोजन हो पाएगा। अगर भारत इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से इनकार कर देता है, तो एशिया कप के आयोजन की संभावना लगभग खत्म मानी जा रही है, क्योंकि भारत के बिना इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। बीसीसीआई पहले ही आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर चुका है। इस बीच धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चल रहे मैच को ड्रोन हमलों और ब्लैकआउट की स्थिति के कारण रद्द कर दिया गया था, जिससे लीग की सुरक्षा चिंताओं को और बल मिला। अगर आने वाले दिनों में हालात सामान्य नहीं होते हैं, तो यह आशंका है कि आईपीएल 2025 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ सकता है।

पंत की फॉर्म में गिरावट के पीछे खराब शॉट का चयन : सिद्धू

नई दिल्ली , 11 मई (एजेंसियां) ।
पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने ऋषभ पंत की फॉर्म में गिरावट के पीछे उनका खराब शॉट चयन, मानसिक दबाव और टीम की कमजोर स्थिति को जिम्मेदार ठहराया है। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी संभाल रहे ऋषभ पंत के खराब प्रदर्शन पर पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

इस सीजन में पंत अपनी बल्लेबाजी से कोई खास असर नहीं छोड़ पाए हैं। वह लगातार फ्लॉप हो रहे हैं और टीम भी उनकी कप्तानी में जूझती नजर आ रही है। अब तक खेले गए 11 मुकाबलों में लखनऊ सुपर जायंट्स सिर्फ 5 मैच जीत सकी है और प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म होती जा रही हैं। ऐसे में एक और हार से टीम की पूरी उम्मीदें समाप्त हो सकती हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि ऋषभ पंत बार-बार गलत शॉट चयन के चलते आउट हो रहे हैं। उन्होंने कहा, आप हर बार मुश्किलों से बाहर नहीं निकल सकते। पंत पर अपनी छवि को बनाए रखने का दबाव है जो उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। यह मानसिक दबाव उनके चेहरे और खेल में साफ नजर आता है। वह कप्तान के रूप में कई बार संयम खो देते हैं जिससे विपक्षी टीम को फायदा मिलता है।

सिद्धू ने आगे कहा कि पंत को महेंद्र सिंह धोनी से सीख लेनी चाहिए जो अपने शांत और संतुलित स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। सिद्धू ने सुझाव दिया कि पंत को अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए और क्रिकेट की मूलभूत बातों पर लौटना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि पंत को शॉट सिलेक्शन के मामले में बहुत सोच-समझकर फैसला लेना होगा। गौरतलब है कि लखनऊ सुपर जायंट्स ने मेगा नीलामी में ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिससे वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे।

विश्व एथलेटिक रिले रेस

चीन में महिलाओं की विश्व एथलेटिक रिले रेस में भाग लेती हुई प्रतियोगी।

आईपीएल के बचे हुए मैचों के लिए शेड्यूल शीघ्र घोषित कर सकती है बीसीसीआई

मुम्बई , 11 मई (एजेंसियां) ।
भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद अब एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले शुरु होने की उम्मीद जतायी जा रही है। दोनो देशो के बची तनाव बढ़ने के कारण शुक्रवार को आईपीएल मुकाबले एक सप्ताह के लए स्थगित कर दिये गये थे। अब जबकि सीजफायर लागू हो गया है तो ऐसे में आईपीएल के बचे हुए मुकाबलों का शेड्यूल (कार्यक्रम) शीघ्र घोषित हो सकता है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार 15 या 16 मई से आईपीएल फिर शुरू होने की संभावना है। बीसीसीआई जल्द ही नए कार्यक्रम की घोषणा करेगा। लीग में अभी तक 57 मैच खेले गये हैं। पंजाब और दिल्ली किंग्स मैच से ही सत्र निलंबित किया गया था। वहीं से ये फिर से शुरु होगा।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई बचे हुए कार्यक्रम को शीर्ष ही अंतिम रुप दे सकता है। इस दौरान धर्मशाला के अलावा अन्य सभी स्थलों पर मुकाबले खेले जाएंगे।

इसी के तहत ही स्वदेश लौटे अधिकतर विदेशी खिलाड़ियों को जल्द से जल्द अपनी-अपनी टीमों से जुड़ने को कहा जाएगा। आईपीएल के इसी सत्र में कुल 60 से अधिक विदेशी खिलाड़ी खेल रहे हैं। अब तक कुल 57 मैच खेले जा चुके हैं और बाकी मैच भी तय समय में पूरे किये जाएंगी। बोर्ड आने वाले दिनों में नया कार्यक्रम जारी करेगा।

लीग में गुजरात टाइटंस पहले, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) दूसरे पंजाब किंग्स तीसरे व मुंबई इंडियंस चौथे नंबर पर हैं।

पाकिस्तान में हुए धमाके में बाल-बाल बचे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

सिडनी , 11 मई (एजेंसियां) ।
पाकिस्तान में हुए एक बम धमाके में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बल-बल बचे हैं। एक ऑस्ट्रेलियाई अखबार के अनुयार सीन एबॉट, बेन द्वार्शुइस, एश्टन टर्नर और मिच ओवेन जिस जगह पर रुके थे वहीं एक मिसाइल गिरी थी पर उससे पहले ही ये चार्टर फ्लाइट से दुबई चले गये थे। आईपीएल और पीएसएल में भाग ले रहे कई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर भारत-पाक तनाव बढ़ने के बाद स्वदेश लौट गये हैं। वहीं आईपीएल में खेल रहे पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और ट्रैविस हेड भी स्वदेश लौट गये हैं। सीन एबॉट, बेन द्वार्शुइस, एश्टन टर्नर और मिच ओवेन के लिए ये बेहद डरावना अनुभव रहा है। शनिवार सुबह विदेशी खिलाड़ियों के चार्टर फ्लाइट से रवाना होने के कुछ ही घंटे बाद भारत ने कथित तौर पर तीन पाकिस्तानी एयरबेस पर मिसाइल हमले किए जिसमें नूर खान एयरबेस भी शामिल था। इसी जगह पर खिलाड़ी, अधिकारी और ब्रॉडकास्टर उपस्थित थे और लगभग तीन घंटे पहले ही यूएई के लिए रवाना हुए थे। पाक स्थानीय मीडिया के अनुसार सैन्य मुख्यालय के पास और इस्लामाबाद से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित नूर खान पर हमला हुआ था।

बल्लेबाज आंद्रे रसेल की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं

जमेका। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज आंद्रे रसेल की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल रहे आंद्रे रसेल का बल्ला भले इस बार शांत हो, लेकिन उनकी निजी जिंदगी हमेशा सुर्खियों में रही है। रसेल की पत्नी जैसिम लोरा सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि एक मशहूर अमेरिकी मॉडल और फैशन ब्लॉगर भी हैं, जिनका सोशल मीडिया पर जबरदस्त क्रेज है। जैसिम की पहचान उनके बोल्ड फोटोशूट और इंस्टाग्राम पर स्टाइलिश अंदाज के लिए होती है। वह जेसीमलोरारु नाम से इंस्टा पर एक्टिव हैं और उनके तीन लाख से ज्यादा फॉलोवर्स हैं। जैसिम कई नामचीन ब्रांड्स के साथ काम कर चुकी हैं और फैशन इंडस्ट्री में एक जाना-माना नाम हैं। लेकिन क्रिकेट की दुनिया में उनकी चर्चा तब शुरू हुई, जब वह आंद्रे रसेल की गर्लफ्रेंड के तौर पर सामने आईं। रसेल और जैसिम का रिश्ता 2014 में सगाई के साथ सार्वजनिक हुआ और दो साल बाद, जुलाई 2016 में दोनों ने शादी कर ली। उनकी शादी का जश्न बेहद निजी और खास था। इसके बाद जनवरी 2020 में उनके घर एक प्यारी सी बेटी ने जन्म लिया। जैसिम न सिर्फ रसेल की पत्नी हैं, बल्कि उनकी सबसे बड़ी सपोर्टर भी हैं। आईपीएल, सीपीएल या कोई भी बड़ा टूर्नामेंट हो, जैसिम स्टैंड में मौजूद होकर रसेल का हौसला बढ़ाती नजर आती हैं। उनकी मौजूदगी कैमरे में अक्सर कैद होती है, जहां वह अपने पति के हर चौके-छक्के पर झूमती दिखती हैं।

एसआईपी से हो रहा है लोगों का मोहभंग

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)।

भारत में म्यूचुअल फंड में पैसा निवेश करने वालों में एक नई तेजी देखने को मिल रही थी, लेकिन हाल ही में इसमें एक मंदी के संकेत मिल रहे हैं। विशेषज्ञों ने इसे एक सामान्य प्रक्रिया के परिणाम के रूप में बताया है।

अप्रैल में सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान्स (एसआईपी) स्टॉपेज अनुपात ने अप्रैल 2024 में एक रिकॉर्ड 52 फीसदी तक पहुंचने का इशारा दिया। इसके बावजूद, मई महीने में अनुपात की कमी की उम्मीद है।

आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में म्यूचुअल फंड निवेशकों ने लगभग 26,632 करोड़ का निवेश किया, जो पिछले कुछ महीनों से ऊंचाई स्तर पर था। व्यापारिक लोग मानते हैं कि स्वाभाविक प्रक्रियाएं ही इस गतिविधि में संघर्ष पैदा कर सकती हैं।

अप्रैल में म्यूचुअल फंड निवेशकों ने लगभग 26,632 करोड़ का निवेश किया

इस तरह के संकेत से सुझाव मिल रहा है कि प्रवाह अभी तक स्थिर के नीचे है लेकिन यहाँ तक कि यह अव्यावहारिक नहीं है। म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच स्टॉपेज अनुपात में वृद्धि का मुख्य कारण एएमएफआई द्वारा शुरू की गई पुनर्मिलन प्रक्रिया है।

इस प्रक्रिया के चलते खाते बंद या परिपक्व हो गए हैं, जिसके नतीजे में नए खाते खोले गए हैं। यह माना जा रहा है कि इस प्रकार की सुलह प्रक्रिया से ही यह अंतरिक्ष एक प्राथमिक स्तर पर बना है।

इसके ठहराव से हमें यह दिख रहा है कि म्यूचुअल फंड निवेशकों में इस समय विचलन हुआ है, लेकिन आसानी से हम कह सकते हैं कि विशेषज्ञों का यह निष्कर्ष एक सामान्यकरण का नतीजा है।

न्यूज ब्रीफ

गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई जल्द होसकता है बाजार में

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में सैमसंग अपना नया फोल्डेबल डिवाइस गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई जल्द ही उतार सकता है। गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई को सैमसंग की फ्लिप सीरीज़ का अधिक किफायती वर्जन माना जा रहा है। यह फोन कंपनी के आगामी गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में पेश किया जा सकता है, जहां गैलेक्सी झेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी झेड फलीप 7 भी लॉन्च होने की उम्मीद है। लॉन्च से पहले ही इस फोन से जुड़ी कई अहम जानकारियां ऑनलाइन लीक हो चुकी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैमसंग इस डिवाइस की कीमत 1,000 यूरो (करीब 96,000 रुपये) से कम रख सकता है, जो कि मौजूदा गैलेक्सी झेड फलीप 6 की शुरुआती कीमत के आसपास है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसमें 6.7 इंच की एलटीपीओ सुपर एमोलेड 2एक्स फोल्डेबल स्क्रीन दी जा सकती है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगी। कवर स्क्रीन का साइज 3.4 इंच हो सकता है। फोन में क्वालकॉम का स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 प्रोसेसर और 12जीबी रैम दिए जाने की संभावना है। यह फोन 4000एमएएच की बैटरी के साथ आ सकता है, जो 25वॉट फास्ट चार्जिंग और 15वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करेगा। साथ ही आईपी48 रेटिंग मिलने की उम्मीद है, जो इसे धूल और पानी से सुरक्षित रखेगी। फोटोग्राफी के लिए इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप हो सकता है, जिसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य सेंसर और 12 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस शामिल होगा।

अब वॉट्सऐप से कर सकेंगे एलआईसी - पॉलिसी के प्रीमियम का पेमेंट:कंपनी ने 'वॉट्सऐप बॉट' सर्विस शुरू की

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के करोड़ों पॉलिसीहोल्डर्स अब अपने एलआईसी पॉलिसी के प्रीमियम का पेमेंट वॉट्सऐप से कर सकते हैं। दरअसल, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने अपनी 'वॉट्सऐप बॉट' सर्विस के जरिए एलआईसी पॉलिसी प्रीमियम के पेमेंट के लिए एक ऑनलाइन सुविधा शुरू कर दी है। ऑप्शन एलआईसी कस्मटर्स को प्रीमियम का पेमेंट ऑनलाइन करने का एक और अल्टरनेट ऑप्शन प्रोवाइड करेगा। रजिस्टर्ड कस्टमर्स पोर्टल यूजर्स पेमेंट के लिए ड्यू पॉलिसीज का पता लगाने के लिए वॉट्सऐप नंबर- 8976862090 का यूज कर सकते हैं। इसके यूज से वे सीधे वॉट्सऐप बॉट में नेट बैंकिंग/कार्ड के जरिए पेमेंट कर सकते हैं। पेमेंट और रसीद बनाने तक प्रीमियम के लिए ड्यू पॉलिसीज की पहचान करने की पूरी कस्टमर जर्नी वॉट्सऐप बॉट के भीतर होती है। एलआईसी के कस्मटर पोर्टल पर 2.2 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड पॉलिसी होल्डर हैं। जिनमें से 3 लाख से ज्यादा कस्मटर कई ऑनलाइन सर्विसेज का लाभ उठाने के लिए हर दिन लॉग इन करते हैं। 8976862090 के जरिए एलआईसी वॉट्सऐप सर्विसेज का लाभ कैसे उठाएं एलआईसी पॉलिसी होल्डर जिन्होंने एलआईसी पोर्टल पर अपनी पॉलिसी रजिस्टर की है, वे मोबाइल नंबर 8976862090 पर लिखकर वॉट्सऐप पर इन सर्विसेज का लाभ उठा सकेंगे।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते से लक्जरी कार कीमतों पर असर नहीं : कंपनियां

नई दिल्ली । मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सकारात्मक पहल की घोषणा की है। इस समझौते के तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम होगा, जिससे भारत में भारतीय उत्पादों का आयात आसान हो जाएगा। समझौते का उद्देश्य है व्यापार को दोगुना कर 2030 तक 120 अरब डॉलर पहुंचाना। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के सीईओ ने इस समझौते का स्वागत किया और बताया कि इससे कारों की कीमतों पर असर नहीं पड़ेगा। समझौते के तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम होगा व्यापार समझौते के तहत भारतीय उत्पादों को विदेश में पहुंचाने की सुविधा मिलेगी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी इस समझौते की महत्वता बताई और व्यापार को बढ़ावा देने का समर्थन किया। इसके अलावा ये समझौते साथ ही भारतीय उद्योगों के संरक्षण और वाहन क्षेत्र में आयात शुल्क को कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि की उम्मीद है और अगले समय में उत्पादों की कीमतों में भी कटौती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत-ब्रिटेन एफटीए एक ऐतिहासिक करार प्रतीत होता है, जिसमें वस्तुएं, सेवाएं और परिवहन शामिल हैं और यह विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण में योगदान देगा।

रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लि. जल्द करेगी आईपीओ लॉन्च, सेबी से हरी झंडी का इंतजार

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)।

रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने आईपीओ लॉन्च करने की योजना बनाई है। रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 1100 करोड़ रुपए तक फंड जुटाने की तैयारी में है। इसके लिए कंपनी ने सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कर दिया है। इस आईपीओ में पूरी तरह से इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल किया जाएगा, जिसमें बिक्री के लिए कोई ऑफर नहीं होगा। इसका उद्देश्य कंपनी के विस्तार और वित्तीय रणनीतियों का समर्थन करना है। कंपनी 220 करोड़ के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। यदि ऐसा किया गया तो इश्यू का आकार उसी अनुपात में कम हो जाएगा।

आईपीओ से प्राप्त कमाई को अलग-अलग मोर्चे पर खर्च किया जाएगा। इसमें से 251 करोड़ रुपए की रकम का इस्तेमाल नए निर्माण उपकरणों की खरीद के लिए किया जाएगा। इससे कंपनी की परिचालन क्षमताएं मजबूत होंगी। इसके अतिरिक्त 334 करोड़ रुपए कंपनी की सहायक कंपनियों को मौजूदा उधारों के री-पेमेंट में सहायता के लिए दिए जाएंगे। कुछ कर्ज को चुकाने के लिए 289 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिससे वित्तीय स्थिरता में सुधार तय होगा। आईपीओ का प्रबंधन मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड और एक्सिस कैपिटल लिमिटेड द्वारा किया जाता है।

रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 26 फरवरी, 2009 को वजूद में आया था। पहले इस कंपनी का नाम रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड था। इसके कई साल बाद कंपनी 2023 में रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड बन गई। इस कंपनी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड के साथ सात पूरी हो चुकी परियोजनाओं और 10 चालू परियोजनाओं के साथ शुरुआत की थी। कंपनी ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे कई राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

मारुति एरिना के सभी मॉडल्स पर आकर्षक छूट

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी एरिना डीलर्स मई 2025 में लगभग सभी मॉडल्स पर आकर्षक छूट दे रहे हैं। एमपीवी एर्टिगा को छोड़कर बाकी सभी कारों पर कंपनी कैश डिस्काउंट, एक्सचेंज बोनस, लॉयल्टी बोनस और स्क्रैपेज स्कीम जैसी ऑफर्स शामिल हैं। इससे ग्राहकों को नई कार खरीदने का अच्छा मौका मिल रहा है। मारुति वैगन आर के एएमटी वेरिएंट्स पर 68,000 रुपये तक की छूट मिल रही है, जबकि मैनुअल और सीएनजी वेरिएंट्स पर 63,000 रुपये तक का लाभ दिया जा रहा है। इसी तरह सेलेरियो पर भी एएमटी वेरिएंट्स के लिए 68,000 रुपये और अन्य वेरिएंट्स पर 63,000 रुपये तक की छूट उपलब्ध है। सेलेरियो अब छह एयरबैग्स के साथ आती है, जिससे इसकी सुरक्षा क्षमता भी बढ़ गई है। भारत की सबसे किफायती कार मारुति ऑल्टो के10 भी इस महीने छूट में शामिल है। इसके एएमटी वेरिएंट्स पर 68,000 रुपये और मैनुअल तथा सीएनजी वेरिएंट्स पर 63,000 रुपये तक के लाभ दिए जा रहे हैं। वहीं एस-प्रेसो पर एएमटी वेरिएंट्स के लिए 63,000 रुपये तक की छूट है। स्विफ्ट के नए जनरेशन मॉडल पर एएमटी वेरिएंट्स के लिए 53,000 रुपये और मैनुअल व सीएनजी पर 48,000 रुपये तक की छूट मिल रही है। टॉप वेरिएंट्स में ब्रेज़ा के झेडएक्सआई और झेडएक्सआई प्लस पर 35,000 रुपये तक का फायदा है, जिसमें 10,000 रुपये का कैश डिस्काउंट शामिल है। अन्य वेरिएंट्स पर 25,000 रुपये तक के लाभ मिल रहे हैं।

मोटो जी86 5जी लॉन्च करने की तैयारी, मिलेंगे दमदार फीचर्स

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)।

मोटोरोला कंपनी जल्द ही मोटो जी86 5जी लॉन्च कर सकती है। हाल ही में सामने आई एक लीक में इस अपकमिंग डिवाइस के लगभग सभी फीचर्स उजागर हो चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोटो जी86 5जी में 6.67 इंच का फुल एचडी प्लस कर्व्ड पीओएलईडी डिस्प्ले मिलेगा, जो 10-बिट कलर सपोर्ट और 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आएगा। यह फोन पिछले साल लॉन्च हुए मोटो जी85 का अपग्रेड वर्जन होगा।

इसकी ब्राइटनेस 4500 निट्स तक हो सकती है और स्क्रीन को गोरिल्ला ग्लास 7 आई का प्रोटेक्शन मिल सकता है। प्रोसेसर की बात करें तो इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 चिपसेट मिलने की संभावना है। फोन में 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक इंटरनल स्टोरेज का विकल्प मिलेगा। कैमरा सेगमेंट में यह स्मार्टफोन भी दमदार साबित हो सकता है। पीछे की तरफ इसमें ओआईएस सपोर्ट वाला 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस मिलेगा। फोन को एमआईएल एसटीडी 810एच सर्टिफिकेशन और आईपी68 रेटिंग के साथ पेश किया जा सकता है, जिससे यह डस्ट और वॉटर रेजिस्टेंस के मामले में भी मजबूत रहेगा।

मोटो जी86 5जी को एक प्रीमियम लेकिन मिड-रेंज विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, सेल्फी के लिए इसमें 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है। बैटरी के मामले में यह फोन दो ऑप्शन्स में आ सकता है - 5200एमएएच या फिर बड़ी 6720 एमएएच की बैटरी, जो 33वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। सिक्योरिटी के लिए इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर और सॉफ्टवेयर के लिहाज से यह एंड्रॉयड 15 पर काम करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वहां से गोली...

सिर्फ दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों डायरेक्टर जनरल्स ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) के बीच संपर्क हुआ है ताकि सीमा पर स्थिति को संभाला जा सके। इसके साथ ही भारत का संदेश बिल्कुल साफ है- अब अगर पाकिस्तान गोली चलाएगा, तो भारत दोगुनी ताकत से जवाब देगा। और जब तक पीओके का मुद्दा हल नहीं होता, तब तक कोई भी बातचीत, मेल-मिलाप या समझौता संभव नहीं है।भारत ने साफ किया आतंकियों को सौंपने के अलावा हम किसी अन्य मुद्दे पर बात नहीं करेंगे। कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है, अब केवल एक ही मुद्दा बचा है- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस करना। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं। मेरा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है।

यह ऑपरेशन भारत की तरफ से आतंकवाद के खिलाफ शुरू की गई एक बड़ी सैन्य मुहिम है। इसका मकसद न सिर्फ सीमा पार आतंकियों के ठिकानों को तबाह करना है, बल्कि पाकिस्तान को यह संदेश देना भी है कि अब भारत हर हमले का जवाब तुरंत और तगड़ा देगा। ऑपरेशन सिंदूर के तहत हाल ही में बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय पर जबरदस्त हमला किया गया। भारत ने इस कार्रवाई में अपने सबसे आधुनिक और शक्तिशाली हथियारों का इस्तेमाल किया। यह हमला इसलिए भी अहम था क्योंकि जैश-ए-मोहम्मद का गठन पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने किया था। सूत्रों का कहना है कि यह सीधा संदेश था कि भारत अब आतंक को बढ़ावा देने वालों को भी निशाना बनाएगा।

आर्मी को जवाबी...

काइनेटिक डोमेन यानी जवाबी कार्रवाई के लिए सेना के कमांडरों को पूरी छूट दे दी है।सेना की ओर से जारी बयान के अनुसार, पश्चिमी सीमा पर किसी भी तरह के उल्लंघन पर सेना तुरंत और प्रभावी जवाब देगी।इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा था कि पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया है, जिसका सेना जवाब दे रही है। इसके साथ ही सेना को जवाबी कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी गई है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की ओर से यह कार्रवाई 'अत्यंत निंदनीय है और इसकी पूरी जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है।'उल्लेखनीय है कि तीन दिनों तक चले संघर्ष के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम हुआ था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया था कि शनिवार शाम पांच बजे से सीजफायर लागू हो गया, लेकिन महज चार घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और सीमा पार से गोलीबारी शुरू की। साथ ही कई शहरों को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया।इससे पहले भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई को लेकर बड़ा फैसला लिया था। सरकार ने सख्त संदेश देते हुए कहा था कि भविष्य में कोई भी आतंकी घटना भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी।केंद्र सरकार के शीर्ष सूत्रों ने कहा था कि भारत ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अंदाज में जवाब भी दिया जाएगा।

पाकफौज के ...

यह ऑपरेशन पाकिस्तानी हमलों के जवाब में की गई एक निर्णायक और व्यापक सैन्य प्रतिक्रिया थी, जो भविष्य में होने वाली किसी भी कार्रवाई के लिए स्पष्ट दिशा तय करता है।केंद्रीय रक्षा मंत्री ने आगे कहा, पूरा देश भारतीय सेना को इस ऑपरेशन की सफलता के लिए बधाई दे रहा है। यह केवल सैन्य ताकत नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय संकल्प का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए अब सीमा पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी।राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान की करतूतों की भी आलोचना की और बताया कि भारत जहाँ सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बना रहा था, वहीं पाकिस्तान ने जानबूझकर भारतीय नागरिक क्षेत्रों और धार्मिक स्थलों मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों पर हमले करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, हमने कभी पाकिस्तान के नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने बार-बार हमारी धार्मिक और नागरिक पहचान पर हमला किया।

सबसे महत्वपूर्ण रूप से, उन्होंने रावलपिंडी का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सेना की कार्रवाई केवल सीमावर्ती इलाकों तक सीमित नहीं रही। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, हमने न केवल सीमा के पास कार्रवाई की, बल्कि रावलपिंडी में भी भारतीय सेना की धमक महसूस की गई। यह पाकिस्तान की सैन्य प्रतिष्ठान के 'हृदयस्थल' पर भारत की रणनीतिक पहुँच को दर्शाता है।राजनाथ सिंह ने भारत की बदलती सुरक्षा नीति के बारे में बात करते हुए कहा की उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक, और अब पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर यह दर्शाता है कि भारत अब आतंकवाद के हर वार का माकूल जवाब देता है।अपने संबोधन के अंत में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की बात करते हुए कहा, आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टालरन्स की नीति का पालन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत है, जो सीमा के दोनों ओर कार्रवाई करने से नहीं हिचकता।

कंधार हाईजैक...

यह ऑपरेशन एक सटीक, सीमित और प्रभावी प्रतिकार था। सबूत भी लाए गए ले. जनरल घई ने प्रेस को बताया कि इस ऑपरेशन में केवल आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया गया, और कार्रवाई के सबूत भी इकट्ठा किए गए हैं। उन्होंने कहा, हमने न केवल टारगेट्स को तबाह किया, बल्कि उनके ठिकानों से कई डिजिटल और फिजिकल सबूत भी वापस लाए हैं। इनकी फोरेंसिक जांच जारी है।

कश्मीर के ...

कुछ गांव बुरी तरह प्रभावित हुए और कई घर नष्ट हो गए। उल्लेखनीय है कि नियंत्रण रेखा के अन्य इलाकों में भी धीरे-धीरे सामान्य जीवन की ओर वापसी हो रही है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच भारी गोलीबारी हुई थी।भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई स्थानों पर हमले किए जाने के बाद गोलाबारी तेज हो गई। पहलगाम में आतंकवादियों ने 25 पर्यटक और एक स्थानीय व्यक्ति की गोली मार कर निमर्म हत्या कर दी थी।

यूएनएससी में पाकिस्तान...

भारत के आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने आर्मी कमांडर्स को फ्री हैंड दिया है कि अगर पाकिस्तान की तरफ से कोई भी हरकत होती है तो पूरी ताकत से उसे उसी की भाषा जवाब दिया जाए। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने वेस्टर्न बॉर्डर के आर्मी कमांडर्स के साथ सुरक्षा की समीक्षा भी की है। इस दौरान उन्होंने आर्मी कमांडर्स को फ्री हैंड दिया है।

दुश्मनों को दी...

पर काम कर रहे थे। यहां तक कि उन्हें जो रुपये मिलते थे उससे वह आगे भी पहुंचाते थे।

पुलिस ने इनके कब्जे से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिहाज से यह ऑपरेशन सीमा पार से चल रही जासूसी गतिविधियों के नेटवर्क को तोडऩे की दिशा में एक अहम कदम है। आरोपियों से पूछताछ और आगामी जांच प्रक्रिया के तहत दोनों आरोपियों के रुपयों के लेन-देन और नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस पता लगाने में जुटी है कि इन आरोपियों के संपर्क में और कितने लोग हैं।

मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती है।सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में ड्रोन के जरिए सीमा पार तस्करी के एक बड़े प्रयास को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। यह कार्रवाई 10 मई 2025 को थाना अजनाला के अंतर्गत चक बाला गांव के पास सतर्क स्थानीय लोगों की सूचना पर की गई।

संयुक्त टीम ने कृषि क्षेत्रों से हथियारों और विस्फोटकों की एक खेप बरामद की, जिसमें दो .30 कैलिबर पिस्तौल (चार मैगजीन के साथ), 30 जिंदा कारतूस, दो हैंड ग्रेनेड, दो लीवर डेटोनेटर, रिमोट कंट्रोल डिवाइस और चार्जर, कमांड मैकेनिज्म, आठ बैटरी, एक ब्लैक बॉक्स और 972 ग्राम आरडीएक्स शामिल हैं। इस मामले में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और विमान अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बुद्ध पूर्णिमा आज मनाई जाएगी

हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि बहुत पुण्यदायी मानी गई है। वैशाख महीने की पूर्णिमा तिथि को बुद्ध पूर्णिमा और बुद्ध जयंती के नाम से जाना जाता है। इस बार बुद्ध पूर्णिमा का पर्व 12 मई को मनाई जाएगा। यह पर्व हिंदू और बौद्ध दोनों ही धर्मों के अनुयायी मनाते हैं। बुद्ध पूर्णिमा को बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति के दिन के रूप में देखा जाता है और और इसी दिन उनका महानिर्वाण भी हुआ था। वहीं हिंदू मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने अपना 9 वां अवतार बुद्ध के रूप में लिया था। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हर महीने शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि के अगले दिन पूर्णिमा मनाई जाती है। इस प्रकार 12 मई को वैशाख पूर्णिमा है। इसे बुद्ध पूर्णिमा भी कहा जाता है। शास्त्रों में निहित है कि वैशाख पूर्णिमा तिथि पर भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था। अतः हर वर्ष वैशाख पूर्णिमा तिथि पर बुद्ध जयंती मनाई जाती है। इस दिन भगवान बुद्ध की पूजा-उपासना की जाती है। बुद्ध पूर्णिमा के दिन रवि योग है।

वैशाख पूर्णिमा का हिंदुओं में बेहद महत्व है। वैशाख पूर्णिमा 12 मई 2025 को मनाई जाएगी। इस दिन लोग सत्यनारायण कथा चंद्रमा को अर्घ्य और देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। ऐसा कहा जाता है जो लोग इस पवित्र दिन का उपवास रखते हैं उन्हें दिव्य शक्तियां प्राप्त होती हैं साथ ही उनके घर पर माता लक्ष्मी का वास सदैव के लिए हो जाता है। शास्त्रों में निहित है कि वैशाख पूर्णिमा तिथि पर भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था। इसी दिन ज्ञान की प्राप्ति और परिनिर्वाण हुआ था। अतः हर वर्ष वैशाख पूर्णिमा तिथि पर बुद्ध जयंती मनाई जाती है। इस दिन भगवान बुद्ध की पूजा-उपासना की जाती है। इस अवसर पर लोग गंगा समेत पवित्र नदियों में आस्था की डुबकी लगाते हैं। साथ ही पूजा-पाठ कर दान-पुण्य करते हैं। बुद्ध पूर्णिमा को गौतम बुद्ध की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार बौद्ध धर्म के लोगों के लिए खास माना जाता है। इस दिन गौतम बुद्ध की शिक्षाओं का पालन किया जाता है और उनकी विशेष पूजा की जाती है। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार मुख्य रूप से पूर्वी एशिया और दक्षिण एशिया में मनाया जाता है। इसी शुभ तिथि पर गौतम बुद्ध का जन्म नेपाल के लुंबिनी में हुआ था। गौतम बुद्ध ने 35 वर्ष की आयु में निर्वाण प्राप्त कर लिया था।

वैशाख के आखिरी तीन दिनों को बहुत ही पवित्र और शुभ माना गया हैं। जो कि इस बार 10, 11 और 12 मई है। इन दिनों में स्नान-दान, व्रत और पूजा करने से पूरे वैशाख मास में किए गए शुभ कामों का पुण्य मिलता है। स्कन्द पुराण के वैष्णव खण्ड के अनुसार वैशाख मास की आखिरी तीन तिथियां अक्षय पुण्य देने और हर तरह के पाप खत्म करने वाली होती हैं। इसलिए इन्हें पुष्करिणी कहा गया है। इनमें शनिवार को त्रयोदशी, रविवार को चतुर्दशी और सोमवार को पूर्णिमा रहेगी।

भगवान के तीन अवतार

ग्रंथो के अनुसार इन तीन दिनों में भगवान विष्णु के तीन अवतार अवतरित हुए हैं। त्रयोदशी को नृसिंह जयंती, चतुर्दशी को कूर्म जयंती तथा पूर्णिमा को बुद्ध जयंती (बुद्ध पूर्णिमा)। इसलिए वैशाख के अंतिम दिनों में स्नान, दान, पूजन जरूर करना चाहिए। देवताओं ने कहा कि वैशाख की ये तीन शुभ तिथियां इंसानों के पाप का नाश करने वाली रहेंगी। इनके शुभ प्रभाव से ही उन्हें पुत्र-पौत्र और परिवार का सुख मिलेगा। इन्हीं के

रवि योग में मनाई जाएगी वैशाख पूर्णिमा

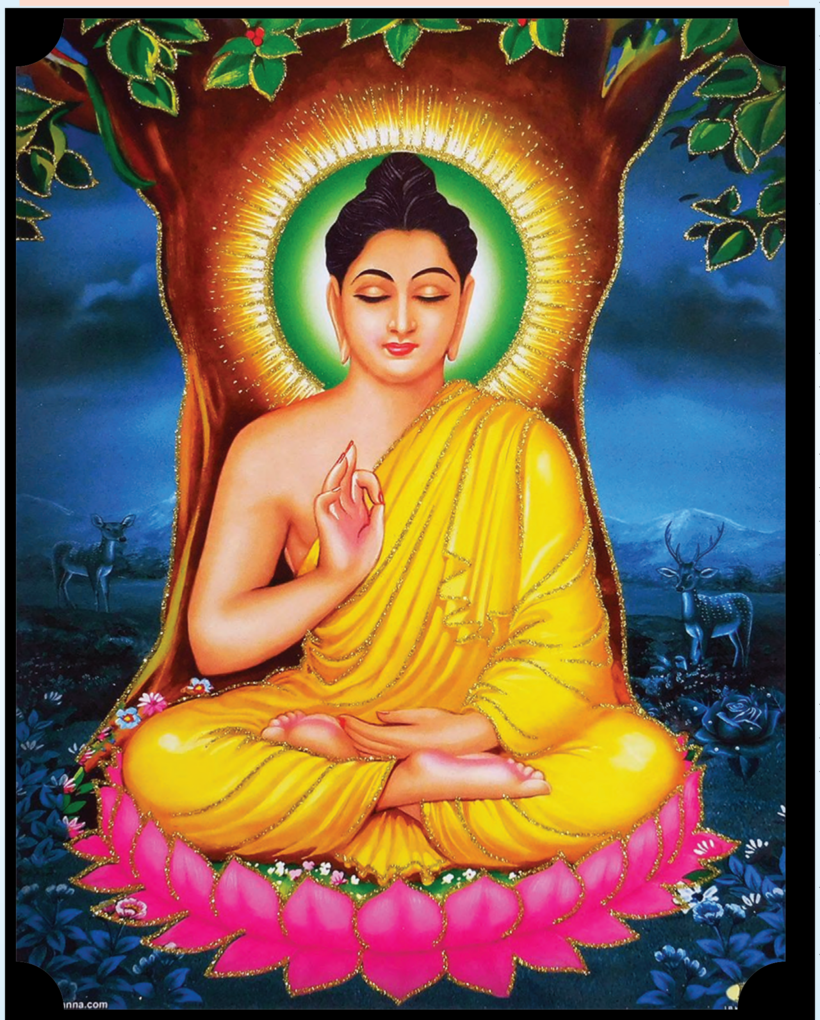

प्रभाव से समृद्धि बढ़ेगी। स्कंद पुराण में कहा गया है कि जो पूरे वैशाख में सुबह जल्दी तीर्थ स्नान न कर सका हो, वो सिर्फ इन तिथियों में सूर्योदय से पहले उठकर पवित्र नदियों के जल से नहा ले तो उसे पूरे महीने का पुण्य फल मिल जाता है।

क्या करें

वैशाख मास की आखिरी तीन तिथियों में गीता पाठ करने से अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। इन तीनों दिनों में श्रीविष्णु सहस्रनाम का पाठ करने से कभी न खत्म होने वाला अनंत गुना पुण्य फल मिलता है। वैशाख पूर्णिमा को हजार नामों से भगवान विष्णु का दूध और जल से अभिषेक करता है उसे बैकुण्ठ धाम मिलता है। वैशाख के आखिरी तीन दिनों में श्रीमद् भागवत सुनने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

चंद्रमा को अर्घ्य देने की है परंपरा

बुद्ध पूर्णिमा के दिन बोधगया में दुनियाभर से बौद्ध धर्म मानने वाले आते हैं और बोधि वृक्ष की पूजा करते हैं। वैशाख पूर्णिमा पर पवित्र नदी के जल से स्नान के बाद घर में भगवान सत्यनारायण की पूजा और रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देने की परंपरा है। माना जाता है कि चंद्रमा को अर्घ्य देने से मानसिक शांति मिलती है और सुख-समृद्धि का वास होता है

शुभ मुहूर्त

बुद्ध पूर्णिमा की शुरुआत 11 मई की शाम 8:02 मिनट से शुरू और समाप्त 12 मई रात 11:26 मिनट पर होगी।। सनातन धर्म में उदया तिथि मान्य है। अतः 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा मनाई जाएगी।

बुद्ध पूर्णिमा पर रवि योग

बुद्ध पूर्णिमा के दिन रवि योग है। रवि योग सुबह 5:32 मिनट से बनेगा, जो सुबह 06:17 मिनट तक रहेगा। रवि योग में सभी प्रकार के दोष मिट जाते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा का महत्व

वैशाख मास की पूर्णिमा को वैशाखी पूर्णिमा,पीपल पूर्णिमा या बुद्ध पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। शास्त्रों के अनुसार वैशाख पूर्णिमा सभी में श्रेष्ठ मानी गई है। प्रत्येक माह की पूर्णिमा जगत के पालनकर्ता श्री हरि विष्णु भगवान को समर्पित होती है। भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना गया है। जिन्हें इसी पावन तिथि के दिन बिहार के पवित्र तीर्थ स्थान बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व की प्राप्ति हुई थी। वैशाख माह को पवित्र माह माना गया है। इसके चलते हज़ारों श्रद्धालु पवित्र तीर्थ स्थलों में स्नान,दान कर पुण्य अर्जित करते हैं। पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने का विशेष महत्त्व माना गया है।

वैशाख पूर्णिमा पूजा अनुष्ठान

सुबह जल्दी उठकर गंगा नदी में पवित्र स्नान करें। जो लोग गंगा नदी स्नान के लिए नहीं जा सकते हैं, वे घर पर ही नहाने के पानी में गंगाजल मिलाएं। कुछ लोग इस दिन गंगा नदी में पवित्र स्नान के लिए हरिद्वार, ऋषिकेश और अन्य प्रमुख स्थानों पर भी जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि गंगा जल शरीर, मन और आत्मा को शुद्ध करता है। इस दिन लोग भगवान चंद्र को अर्घ्य देते हैं और उनके वैदिक मंत्रों का जाप करते हैं। यह खास दिन दान-पुण्य के लिए भी फलदायी माना जाता है। पूर्णिमा के दिन ब्राह्मणों को भोजन और वस्त्रों का दान करना चाहिए। इस दिन भक्त सत्यनारायण व्रत रखते हैं, और उनकी पूजा करते हैं। पूर्णिमा का दिन बेहद खास माना जाता है, क्योंकि चंद्रमा की रोशनी सीधे पृथ्वी पर आती है, जिससे घर में समृद्धि और खुशी का वास होता है। इस दिन जरूरतमंदों को भोजन खिलाना चाहिए और वस्त्रों का दान करना चाहिए।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

वसुमति योग से इन राशियों को महादेव की कृपा से मिलेगा अप्रत्याशित लाभ

आज 12 मई सोमवार को पूर्णिमा तिथि का संयोग बन रहा है। और बुद्ध पूर्णिमा का उत्तम दिन है। आज ग्रहों में चंद्रमा का प्रभाव रहेगा और दिन के स्वामी देवों के देव महादेव रहेंगे। और आज चंद्रमा तुला उपरांत वृश्चिक राशि में गोचर करेंगे। इसके साथ ही आज शुक्र के चंद्रमा से छठे भाव में संचार करने से वसुमति योग और सप्तम भाव में बुध के होने से चंद्राधियोग का शुभ संयोग बनने जा रहा है। आज विशिखा नक्षत्र का सुंदर संयोग भी बनेगा। ऐसे में आज सोमवार का दिन वसुमति योग और भगवान भोलेनाथ की कृपा से वृषभ, सिंह, तुला, कुंभ और मीन राशि के जातकों के लिए भरपूर लाभ दिलाने वाला रहेगा।

वृषभ राशि – वृषभ राशि वालों के लिए आज सोमवार का दिन शुभ रहने वाला है। आज कारोबार में आपको लाभ होगा। नकारात्मकता आपसे दूर रहेगी। आत्मविश्वास के साथ कारोबारी सौदे हासिल करेंगे। पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा जातकों को सहकर्मियों का साथ मिलेगा। उच्च अधिकारी आपके काम से प्रसन्न होंगे। इवेंट प्लानिंग, फैशन, ब्यूटी, एजेंसी आदि से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। परिवार में हर कदम पर जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। इससे मन प्रसन्न होगा। जीवनसाथी के नाम पर नया निवेश शुरू कर सकते हैं, आपको लाभ होगा। नया कारोबार शुरू करने से जा रहे हैं तो उसे जीवनसाथी के नाम पर रजिस्टर करवा सकते हैं। लव लाइफ काफी अच्छी रहेगी। पार्टनर की भावनाओं का ख्याल रखेंगे।

उपाय : आज शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग पर दूध, दही, घी और गंगाजल से अभिषेक करें। इसके साथ ही 108 बार ऊं

नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातक आज भावनात्मक रूप से काफी मजबूत महसूस करेंगे। कोई काम अगर अटका हुआ था तो उसके पूरे होने के आसार हैं। कार्यक्षेत्र में मनचाहा काम मिलने से मन प्रसन्न होगा। साहसिक फैसले आपको उम्मीद से बढ़कर फायदा दिलाएंगे। सरकारी कार्यों से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन नए अवसर लेकर आ सकता है। आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। वहीं वाहन, संपत्ति, होम डेकोर आदि के काम से जुड़े जातक अतिरिक्त लाभ कमा सकते हैं। परिवार में आज सुख शांति का माहौल रहेगा। माता की मदद से आपके वैवाहिक जीवन में स्थिरता आएगी। मां की तरफ से स्थायी लाभ मिल सकता है, जिससे आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। करीबी रिश्तेदारों का सहयोग मिलने के आसार हैं।

उपाय : आज शिवलिंग पर जल चढ़ाने के बाद 108 बार महामृत्युंजय मंत्र का जप करें। इसके साथ ही शिव चालीसा का पाठ भी करें।

तुला राशि– तुला राशि वाले आज सोमवार को आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। आज कारोबार में मुनाफे का सौदा हासिल हो सकता है। अगर बाजार में आपका धन फंसा हुआ है तो आज उसके वापस मिलने के आसार हैं। खास बात यह है कि आज आपके पास धन की आवक होगी और आप उसे सहेजने में सफलता हासिल करेंगे। नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में अपनी वाक्पटुता का लाभ मिलेगा। आप अपनी वाणी से उच्च अधिकारियों को प्रभावित करने में सफल होंगे। आज टीचिंग, कोचिंग, पब्लिक डीलिंग, मार्केटिंग आदि के कार्यों से जुडे. जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। शिक्षा में आ रहीं रुकावटें दूर होंगी। परिवार में माहौल अच्छा रहेगा। आपको जीवनसाथी से आर्थिक और भावनात्मक दोनों तरह का सहयोग मिलेगा।

उपाय : आज शिव गायत्री मंत्र ऊं तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात का 108 बार जप करें और जरूरतमंदों को चावल, दूध आदि का दान करें।

कुंभ राशि– कुंभ राशि के जातकों को आज अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। भोलेनाथ की कृपा से आप कार्यक्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करेंगे, जिससे लोग आपकी सराहना किए बिना नहीं रह पाएंगे। आपके सामाजिक दायरे में बढ़ोतरी होगी। नौकरीपेशा जातकों के सामने आ रहे उतार-चढ़ावों में कमी आएगी और करियर स्थायित्व की ओर बढ़ेगा। आप अपनी मेहनत से उच्च पद हासिल कर सकते हैं। आज मैनेजमेंट, एडमिनिस्ट्रेशन आदि से जुड़े जातकों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। आपके मान सम्मान में भी बढ़ोतरी के आसार हैं। विरोधी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। परिवार में पार्टनर का साथ मिलेगा। घर से दूर रह रहा कोई सदस्य या संबंधी खुशखबरी सुना सकता है, जिससे परिवार में माहौल और अच्छा हो जाएगा। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन अनुकूल रहेगा।

उपाय : आज शिवलिंग पर सफेद चंदन से ऊं लिखें और साथ ही दूर्वा और 108 बेल पत्र चढ़ाएं।

मीन राशि – आज सोमवार को मीन राशि वालों पर किस्मत अलग ही मेहरबान रहने वाली है। मेहनत का तुरंत फल मिलेगा, आर्ज मामलों में तो कम मेहनत में भी इच्छित परिणामों की प्राप्ति हो सकती है। विदेश से जुड़े काम करने वालों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आयात निर्यात, ट्रैवल एजेंसी आदि का काम करने वालों को अतिरिक्त लाभ हो सकता है। आज धन प्राप्ति के आपके प्रयास सफल होंगे। नौकरी पेशा जातकों को उच्च अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलेगा जिससे आप अपने लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेंगे। आज आध्यात्मिक चीजों की ओर आपका रुझान रहेगा। तीर्थ यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं। परिवार में भी किसी धार्मिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है। माता पिता का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ चला आ रहा मनमुटाव दूर होगा। आर्थक मामलों में आज आपको सफलता मिलेगी।

उपाय : आज शिवलिंग का गन्ने के रस से अभिषेक करें। इसके बाद 108 बार ऊं नमो धनदाय स्वाहा मंत्र का जप करें।

नारद जयंती पर शिववास योग समेत बन रहे हैं कई मंगलकारी संयोग, मिलेगा दोगुना लाभ

वैदिक पंचांग के अनुसार, सोमवार 12 मई को नारद जयंती है। यह पर्व हर साल ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर महर्षि नारद जी की पूजा की जाती है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को महर्षि नारद जी का जन्मदिन हुआ था। इसके लिए हर साल ज्येष्ठ माह में नारद जयंती मनाई जाती है।

ज्योतिषियों की मानें तो नारद जयंती पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान विष्णु के परम भक्त नारद जी की पूजा करने से ज्ञान, सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 12 मई को देर रात 10 बजकर 25 मिनट पर होगी। वहीं, प्रतिपदा तिथि का समापन 14 मई को देर रात 12 बजकर 35 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का विशेष मान है। इसके लिए 13 मई को नारद जयंती मनाई जाएगी।

नारद जयंती पूजा विधि

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर सूर्योदय के समय उठें। दैनिक कामों से निवृत्त होने के बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इस समय आचमन कर नवीन वस्त्र धारण करें। इस समय सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके बाद जगत के पालनहार संग नारद जी की पूजा करें।

नारद जयंती 2025 शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर शिववास योग का संयोग बन रहा है। इस योग का समापन 14 मई को देर रात 12 बजकर 35 मिनट पर होगा। इस दौरान देवों के देव महादेव कैलाश पर जगत की देवी मां पार्वती के साथ विराजमान रहेंगे। इस समय में भगवान विष्णु और नारद जी की उपासना करने से हर कामना पूरी होगी।

माता सीता को अपने ससुर के पिंडदान के बाद क्यों देना पड़ा गाय, केतकी और फाल्गु नदी को शाप?

महर्षि वाल्मिकी रचित रामायण की कथा के अनुसार प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता जब वनवास के लिए गए थे, तो राजा दशरथ ने पुत्र वियोग में प्राण त्याग दिए थे। जब यह समाचार प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता तक पहुंचा, तो उन्होंने फाल्गु नदी की ओर प्रस्थान किया और राजा दशरथ का पिंडदान करने की इच्छा रखते हुए फाल्गु नदी के तट पर पहुंचे लेकिन नियति ने राजा दशरथ का पिंडदान माता सीता के हाथों करा दिया। साथ ही राजा दशरथ के पिंडदान के बाद एक ऐसी घटना घटी, जिसके बाद माता सीता ने तीन को शाप और एक को वरदान दिया।

फाल्गु नदी के किनारे आई थी राजा दशरथ की आत्मा

श्रीराम, लक्ष्मण और सीता माता वनवास के दौरान बिहार के गया में फाल्गु नदी के पास पहुंचे ही थे कि तभी पिंडदान का सामान लेने के लिए राम जी और लक्ष्मण जी नगर में चले गए। माता सीता रामजी और लक्ष्मण जी के वापस आने के इंतजार में बैठी थीं कि अचानक माता सीता को राजा दशरथ की आवाज सुनाई दी। माता सीता ने सोचा कि उन्हें अत्यंत पीड़ा के कारण राजा दशरथ की आवाज सुनाई दे रही है लेकिन कुछ पलों बाद उन्हें अनुभव हुआ कि उनके सामने राजा दशरथ की आत्मा खड़ी है।

राजा दशरथ ने सीता जी से समय रहते अपना पिंडदान करने के लिए कहा क्योंकि राजा दशरथ की मृत्यु को काफी समय बीत चुका था। राजा दशरथ की इच्छा सुनकर माता सीता ने कहा कि उनके पुत्रों के होते वे ससुर का पिंडदान कैसे कर सकती है? सीता जी की दुविधा समझते हुए दशरथ जी ने कहा- हे सीते! पुत्रवधु भी कुल का एक अटूट हिस्सा होती है। समय निकलने जाने पर मुझे मोक्ष नहीं मिल पाएगा इसलिए मन की भली कामना के साथ मेरा पिंडदान करो।

माता सीता ने राजा दशरथ का किया पिंडदान, बनाया इन्हें साक्षी

दूसरे लोक से आई राजा दशरथ की आत्मा की बात सुनकर माता सीता ने फाल्गु नदी में खड़े होकर हथेली पर जल लेकर, फाल्गु नदी, वहां खड़ी गाय, केतकी के फूल और वटवृक्ष को साक्षी बनाते हुए राजा दशरथ का पिंडदान किया। राजा दशरथ का पिंडदान करते ही उनकी आत्मा पृथ्वीलोक से पूरी तरह मुक्त हो गई और उन्होंने सीता को आशीर्वाद देते हुए परलोक गमन किया। पिंडदान के कुछ देर बाद रामजी और लक्ष्मण जी वापस लौटे। माता सीता ने राजा दशरथ के पिंडदान की पूरी घटना रामजी और लक्ष्मण जी को बताई। रामजी को माता सीता की बात सुनकर बहुत अंचभा हुआ। रामजी की दुविधा समझकर सीता जी ने पिंडदान के चारों साक्षियों से सत्य बताने के लिए कहा।

पिंडदान के 3 साक्षियों ने बोला झूठ और एक ने सच

माता सीता की बात सुनकर राजा दशरथ के पिंडदान के तीन साक्षियों को न जाने क्यों एक भय सताने लगा। उन्हें लगा कि अगर वे रामजी से सत्य कहेंगे, तो शायद कोई वो उनकी बात पर विश्वास नहीं करेंगे। यह भी संभव है कि एक राजकुल का उत्तराधिकारी कहीं उन्हें दंड न दे दे। इस भय ने फाल्गु नदी, गाय और केतकी के फूल की मति का हरण कर लिया। तीनों ने रामजी से पिंडदान की किसी भी घटना को देखने की बात को मना कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने सीता जी को किसी का पिंडदान करते हुए नहीं देखा जबकि वटवृक्ष ने माता सीता द्वारा राजा दशरथ के पिंडदान की बात स्वीकार की।

माता सीता ने झूठ बोलने के लिए तीन साक्षियों को दिया शाप और एक को दिया वरदान

माता सीता को फाल्गु नदी, केतकी के फूल और गाय के असत्य बोलने पर बहुत क्रोध आने के साथ पीड़ा भी हुई इसलिए माता सीता ने दुखी मन से फाल्गु नदी को शाप दिया कि उसका सारा जल सूख जाएगा। गाय को मनुष्यों का जूठा खाने के लिए अभिशप्त कर दिया और केतकी के फूलों को पूजा करने के लिए वर्जित कर दिया। वहीं, वटवृक्ष को सत्य बोलने के लिए लंबी उम्र का वरदान दिया। माता सीता के शाप और वरदान की बात करें, तो आज कलियुग में भी इसका प्रभाव दिखता है।

मदर्स डे विशेष

मां के किरदार में खूब पसंद की गईं फरीदा जलाल समेत ये अभिनेत्रियां

मां के प्रेम और ताकत की बात असल जिंदगी में हो या फिल्मों में, हर जगह उसकी खूबसूरती अपनी चमक बिखेरने में कामयाब होती है। फिल्म इंडस्ट्री में बीते जमाने की ऐसी कई अभिनेत्रियां रहीं, जिन्होंने बड़े पर्दे पर मां का किरदार निभाकर ख्याति हासिल की। आज भी बरसों पुरानी फिल्मों को देखकर दर्शक बोल पड़ते हैं, 'मां तो मां होती है...'

वैसे तो मां की बात करने के लिए कोई एक दिन निर्धारित नहीं किया जा सकता है। लेकिन 11 मई को मदर्स डे है। इससे पहले ऑनस्क्रीन मां का किरदार निभाने वाली बेहतरीन अभिनेत्रियों के अभिनय पर डालते हैं एक नजर।

तू कितनी सुंदर है, तू कितनी प्यारी है...जी हां! सही समझा आपने, मां के किरदार में जंचने वाली अभिनेत्रियों में पहला नंबर आता है दिवंगत निरूपा रॉय का। फिल्मी दुनिया में मां का किरदार निभाकर दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ने वाली अभिनेत्री अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, देवानंद समेत अन्य कलाकारों की ऑनस्क्रीन मां बन चुकी हैं।

निरूपा रॉय ने अभिनय करियर की शुरुआत गुजराती फिल्म 'गणसुंदरी' से की थी। इसके बाद वह 1949 में रिलीज हुई 'हमारी मंजिल' में नजर आईं। 'मुनीम जी' उनकी पहली फिल्म थी, जिसमें वह मां के किरदार में नजर आईं।

इस फिल्म में वह देवानंद की मां बनी थीं। 'दो बीघा जमीन' के बाद वह छा गईं और ज्यादातर मां की भूमिका में नजर आईं। हालांकि, साल 1975 में रिलीज यश चोपड़ा की 'दीवार' उनके करियर के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई, जिसमें वह अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की मां बनी थीं।

नरगिस को उनकी मदर इंडिया का टैग मिला। उन्होंने साल 1957 में आई फिल्म मदर इंडिया में मां की भूमिका निभाकर सिनेमा की परिभाषा ही बदल दी। शानदार अभिनय, मजबूत कहानी और दमदार कलाकारों की वजह से फिल्म ऑस्कर नामांकन तक भी पहुंची थी। इस फिल्म में नरगिस ने सशक्त और प्यारी मां का किरदार निभाया था।

सिनेमा की दुनिया में मां के किरदारों की बात की जाए तो अभिनेत्री रीमा लागू का नाम लेना जरूरी है। क्योंकि उन्होंने कभी सख्त तो कभी कोमल, बड़े पर्दे पर मां के हर रंग को उतारा। 'हम साथ -साथ हैं','हम आपके हैं कौन' समेत कई फिल्मों में काम किया।

मीठी आवाज और चेहरे पर झलकते भोलेपन के साथ, अभिनेत्री फरीदा जलाल आज भी लोगों के दिलों में खास स्थान बनाए हुए हैं और श्रेय जाता है उनके निभाए ममता भरे किरदार को। फरीदा जलाल 'दुलारा', 'लाडला', 'चोरी-चोरी चुपके- चुपके', 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'दिलजले', 'अजय' जैसी फिल्मों में मां के किरदार में नजर आईं। इंडस्ट्री की दमदार अभिनेत्रियों की बात की जाए तो अरुणा ईरानी के नाम को अनदेखा नहीं किया जा सकता। कभी सौतेली तो कभी सरल मां के किरदार के साथ वह पर्दे पर उतरीं और आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। उन्होंने 'औलाद', 'बेटा' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया।

तलाक के बाद इन बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने दिखाई सिंगल मदर की ताकत

मां का प्यार दुनिया में सबसे खास होता है। वह अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर सकती है। मदर्स डे हर साल मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है, ताकि हम अपनी मां को शुक्रिया कह सकें। बॉलीवुड में कई ऐसी माएं हैं, जो अपने पति से अलग रहकर सालों से अपने बच्चों की परवरिश अकेले कर रहीं हैं। उन्होंने ना सिर्फ एक मां का फर्ज निभा रही हैं, बल्कि बाप की जिम्मेदारी भी बेहतरीन तरीके से उठा रही हैं। करिश्मा कपूर: करिश्मा कपूर न सिर्फ बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, बल्कि एक मजबूत और प्रेरणादायक सिंगल मदर भी हैं। उनकी शादी 2003 में दिल्ली के बिजनेसमैन संजय कपूर से हुई थी, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चला। दोनों के बीच मतभेद बढ़ने लगे और आखिरकार 2016 में उनका तलाक हो गया। तलाक के बाद उन्होंने अपने दोनों बच्चों समायरा और कियान की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली। उन्होंने फिल्मों से थोड़ी दूरी बनाकर अपना पूरा ध्यान बच्चों पर लगाया। वह कई बार उनके स्कूल के कार्यक्रमों में भी नजर आई हैं। सोशल मीडिया पर भी करिश्मा अपने बच्चों के साथ बिताए पलों को शेयर करती रहती हैं।

पूनम ढिल्लों: पूनम ढिल्लों ने बॉलीवुड में 80 और 90 के दशक में कई हिट फिल्मों में काम किया। उन्होंने न सिर्फ फिल्मों में, बल्कि असल जिंदगी में भी एक मजबूत महिला होने का परिचय दिया। उन्होंने अशोक ठकारिया से शादी की थी, लेकिन कुछ सालों बाद यह रिश्ता टूट गया। तलाक के बाद पूनम ढिल्लों ने अपने दोनों बच्चों, बेटी पलोमा और बेटे अनमोल की परवरिश अकेले की। उन्होंने अपने बच्चों को एक अच्छा जीवन देने के लिए बहुत मेहनत की। आज उनके दोनों बच्चे इंडस्ट्री में शानदार काम कर रहे हैं।

पूजा बेदी: जानी-मानी एक्ट्रेस पूजा बेदी ने 90 के दशक में कई फिल्मों में काम किया। उन्होंने 1994 में फरहान फर्नीचरवाला से शादी की। शादी के बाद उनके दो बच्चे हुए, बेटी आलिया और बेटा उमर। लेकिन साल 2003 में उनका यह रिश्ता टूट गया और उन्होंने तलाक ले लिया। तलाक के बाद पूजा ने अपने बच्चों की परवरिश अकेले की और एक ताकतवर सिंगल मदर के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई। आज उनकी बेटी आलिया फर्नीचरवाला बॉलीवुड की उभरती हुई एक्ट्रेस हैं।

मैं मां संग चिता में क्यों नहीं जला?... जब जैकी श्रॉफ ने सुनाया था दिल चीर देने वाला वाकया

जैकी श्रॉफ मां के कितने करीब रहे हैं, यह उन्होंने कई इंटरव्यूज में शेयर किया है। जैकी जब 10 साल के थे, तभी उनकी मां गुजर गई थीं। वहीं, 17 साल का बड़ा भाई समंदर में डूबकर मर गया था। उस दुखभरे दौर को जैकी कभी नहीं भूले। वह भाई और मां को आज भी हर पल याद करते हैं। जैकी श्रॉफ ने 11 मई को मदर्स डे के मौके पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने मां के बिताए लम्हे शेयर किए। इस वीडियो को देख फैंस भावुक हो गए।

इस वीडियो को जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया, जिसमें मां पोते-पोतियों के साथ गपशप करतीं और खेलती नजर आ रही हैं। मां रीता श्रॉफ के अलावा पत्नी आयशा श्रॉफ भी नजर आईं, जो बच्चों के साथ खेल रही हैं। वीडियो शेयर कर जैकी श्रॉफ ने लिखा- मां।

इस वीडियो को देख भावुक फैंस ने खूब प्यार लुटाया और मदर्स डे विश किया। एक ने लिखा, बहुत ही इमोशनल वीडियो। हैप्पी मदर्स डे, गुड लक सर।' एक और ने लिखा, लव यू ऑल मदर्स। उर्मिला मातोंडकर ने भी जैकी श्रॉफ के पोस्ट पर हार्ट इमोजी बनाकर रिएक्ट किया। एक पुराने इंटरव्यू में जैकी श्रॉफ ने मां रीता श्रॉफ के साथ बिताए बचपन के दिनों के कुछ लम्हे शेयर किए थे। उन्होंने मां की मौत का वाकया भी बताया था, जिसने दिलों को चीर दिया था। उन्होंने रणवीर अल्लाहबादिया के शो में बताया था कि मां ने कैसे उनकी परवरिश की थी। जैकी के मुताबिक, मां खाना बनाने के बाद उन्हें जमीन पर बिठाकर खिलाती थी।

वहीं, एक अन्य इंटरव्यू में उन्होंने मां की मौत का वाकया बताया था, और भावुक हो गए थे। जैकी श्रॉफ की मां रीता श्रॉफ की हार्ट स्ट्रोक से मौत हो गई थी, लेकिन एक्टर को इस बारे में पता ही नहीं चला। जैकी श्रॉफ बोले थे, 'मेरी मां को स्ट्रोक आया था और मुझे पता ही नहीं चला। जब हम तीन बत्ती में एक छोटे से कमरे में रहते थे, तो अगर वह खांसतीं तो मैं सुन सकता था और तुरंत पूछता था कि क्या हुआ मां, क्या हुआ पा?

जैकी श्रॉफ ने आगे कहा था, जब हम बांद्रा में एक बड़े घर में शिफ्ट हुए, तो मां का अपना कमरा था, पापा का अपना कमरा था और मेरा अपना कमरा था। इसलिए मुझे सुबह पता चला कि मां की मौत हो गई है। अगर मुझे रात में पता चल जाता तो मैं उन्हें अस्पताल ले जा सकता था। तो क्या मिला, क्या हुआ मालूम नहीं, समझा ना भाऊ? मैं अपनी मां से बहुत प्यार करता था।

जैकी ने फिर आगे कहा था, लेकिन मैं हमेशा खुद से पूछता हूं कि अगर मैं उनसे इतना प्यार करता था, तो मैंने क्यों खुद को उनके साथ नहीं जलाया? मुझे अपनी मां के बारे में हफ्ते में तीन बार साफ-साफ सपने आते हैं। मैं अपने सपनों में अपने पुराने घर में जाता हूं और उनके पास जाकर बैठता हूं। उनके बगल में बैठकर उनके पैर दबाता हूं।' जैकी श्रॉफ ने साल 1987 में आयशा श्रॉफ से शादी की थी और दो बच्चों के पिता बने।

ऊ अंटावा गीत करते वक्त घबरा गई थीं सामंथा रुथ प्रभु, बताया

500 जूनियर कलाकारों के सामने कांप रही थी

अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा: द राइज ने 2021 में रिलीज के बाद तहलका मचा दिया था। इस मूवी कहानी तो पसंद की ही गई थी। साथ ही इसके गानों ने राज किया था। इसमें सामंथा रुथ प्रभु का आइटम नंबर ऊ अंटावा आज भी लोगों कि जुबान पर बैठा हुआ है। इसमें उनके डांस मूव्स ने हर किसी को हैरान कर दिया था। हालांकि इसके पीछे का अनुभव अब एक्ट्रेस ने शेयर किया है।

सामंथा रुथ प्रभु ने बातचीत में बताया है कि वह इस गाने की शूटिंग के दौरान घबरा गई थीं। वह बहुत नर्वस थीं क्योंकि ऑन-स्क्रीन इमेज अलग थी एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी भारी भीड़ के

सामने एक कामुक डांस करेंगी। उन्होंने कहा कि 500 जूनियर आर्टिस्ट्स वहां मौजूद थे, जिनके सामने वह पसीना-पसीना हो गई थीं।

सामंथा रुथ ने बताया, किसने मेरे लिए ऐसे स्पेशल सॉन्ग के बारे में सोचा होगा और वो भी ऐसा गाना, जिसमें मुझे वाकई हॉट गिखना था। मैं हमेशा से प्यारी, चुलबुली और आम लड़की का किरदार निभाती थी। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ कोरियोग्राफी के बारे में नहीं था, यह सिर्फ डांस के बारे में नहीं था। ये एक ऐसे नजरिए के बारे में था, जिसमें एक एसी महिला को दिखाना था, जो उग्र और आत्मविश्वास से भरी हुई है और कामुकता में सहत रहती है। और ऐसी मैं हूं ...ी नहीं। सामंथा ने कहा कि उन्होंने ...भी खुद को एक अच्छी दिखने वाली ...हिला नहीं माना। उन्होंने कहा, 'मैं ...हले शॉट से पहले 500 जूनियर ...आर्टिस्ट्स के सामने कांप रही थी। मैं ...हुत घबरा गई थी। एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट ...की बात करें तो सामंथा अपने पहले ...ोडक्शन वेंचर सुभम के प्रमोशन में ...यस्त हैं। प्रवीण कंदरेगुला द्वारा ...र्देशित इस फिल्म में हर्षित रेड्डी, ...विरेड्डी श्रीनिवास, चरण पेरी, ...श्रिया कोंथम, श्रावणी लक्ष्मी, शालिनी कोंडेपुडी और वामशीधर गौड़ हैं।

कसौटी जिंदगी की 2 फेम सान्या अयोध्या का हुआ तलाक, बोलीं

बहुत दर्दनाक है, सोचा नहीं था मेरे साथ ऐसा होगा

नज़र और कसौटी ज़िंदगी की 2 जैसे टीवी शोज में नजर आईं एक्ट्रेस सोन्या अयोध्या का पति हर्ष समोरे से तलाक हो गया। सोन्या ने खुद इस बात की पुष्टि की और कहा कि दोनों का तलाक पिछले महीने यानी अप्रैल में फाइनल हुआ। सोन्या अयोध्या ने हर्ष समोरे से साल 2019 में शादी की थी। हर्ष पेशे से एक बिजनेसमैन हैं।

सोन्या अयोध्या ने अपने तलाक के बारे में बात की, और बताया कि इसके बाद उनकी कैसी हालत हो गई। सोन्या ने तलाक को बहुत ही दर्दनाक और दिल तोड़ने वाला बताया।

सोन्या अयोध्या ने कहा, तलाक बहुत दर्दनाक होता है। यह दिल तोड़ने वाला होता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे साथ ऐसा होगा। मैंने मतभेद और लड़ाई के बजाय शांति को चुना है। अब मैं इसे और ज्यादा एनर्जी और टाइम नहीं देना चाहती। अब मैं ठीक होने, सीखने और जिंदगी में आगे बढ़ने पर फोकस कर रही हूं।

सोन्या ने आगे कहा, यह सिर्फ एक ही व्यक्ति का एफर्ट नहीं होता। ऐसा नहीं होता कि शादी में एक ही पार्टनर सबकुथ करे और दूसरा कुछ नहीं। शादी में सही बैलेंस बनाना महत्वपूर्ण है।

सान्या अयोध्या ने नज़र और कसौटी जिंदगी की 2 के अलावा शक्ति, सिर्फ तुम और संजोग जैसे टीवी सीरियलों में काम किया। वह किल दिल और फ से फैंटेसी जैसी वेब सीरीज में भी नजर आईं। सोन्या ने कहा कि वह अब अपने करियर पर ध्यान दे रही हैं।

सोन्या बोलीं, मैं टीवी पर दिलचस्प भूमिका निभाना चाहती हूं। मुझे ओटीटी शो में काम करने में भी मजा आ रहा है। पिछले कुछ सालों में, मुझे लगता है कि ओटीटी शो में महिलाओं के लिए मजेदार भूमिकाएं हैं। कसौटी... में मेरा अहम रोल था, लेकिन मुझे लगता है कि नज़र में मेरा रोल ज्यादा अहम था। मैं अब अलग-अलग भूमिकाएं निभाना चाहती हूं।'

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। किसी धार्मिक स्थान पर जाएँ या किसी संत से मिलें, इससे आपके मन को शांति और सुकून मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद गृहणियां आज के दिन फुर्सत में शापिंग का प्लान बन सकती है । आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं। फिजूलखर्ची से आप को जरुर बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच-समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। दिन के अंत में आज आप अपने घर के लोगों को वक्त देना चाहेंगे लेकिन इस दौरान घर के किसी करीबी के साथ आपकी कहासुनी हो सकती है और आपका मूड खराब हो सकता है. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी।अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज आप ख़ुद को अपने प्रिय के प्यार से सराबोर महसूस करेंगे। इस लिहाज़ से आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है। लेकिन अपना आपा न खोएँ, इससे सिर्फ़ आग और भड़केगी। अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करे-गा। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। दोस्तों के साथ फ़ोन पर गपशप से बढ़िया और क्या हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। घर में और आस-पास छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे।मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आज की शाम दोस्ती के नाम – कहीं बाहर आप अपने दोस्तों के साथ वक़्त का भरपूर लुत्फ़ उठा सकते हैं, लेकिन सेहत के लिहाज़ से ज़रा संभलकर रहें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। पारंपरिक रस्में या कोई पावन आयोजन घर पर किया जाना चाहिए। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 मई 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 10:28 तक
नक्षत्र : स्वाति प्रातः 06:17 तक
योग : वरियान अहोरात्र
करण : विष्टि प्रातः 09:17 तक
चन्द्राशि : तुला रात्रि 02:17 तक
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:30 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37 , सूर्यास्त 06:29 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- वैशाख पूर्णिमा , बुद्ध-कूर्म जयंती,

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अब शहीद सैनिकों के परिवार को मिलेंगे एक करोड़

माता-पिता को दी जाएगी 30 फीसदी रकम

चंडीगढ़, 11 मई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली राशि दोगुनी कर दी है। अब सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों और अधिकारियों के शहीद होने पर उनके आश्रितों को एक करोड़ रुपये दिए जाएंगे। अभी तक 50 लाख रुपये की रकम सरकार दे रही थी। हरियाणा मूल के सभी जवानों के परिजनों को यह राशि दी जाएगी, चाहे वे देश में कहीं पर भी रह रहे हों। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में 24 दिसंबर 2024 को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में शहीद सैनिकों की राहत राशि दोगुनी करने का निर्णय लिया गया था, जिसे अब लागू किया गया है।

सैनिक और अर्धसैनिक कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेन्द्र कुमार ने शुक्रवार की रात इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि फरवरी, 2023 या इसके बाद हताहत होने वाले जवानों को अनुग्रह अनुदान की संशोधित राशि दी जाएगी। ड्यूटी के दौरान दुर्घटना, दिल का दौरा, हवाई दुर्घटना, समुद्र में दुर्घटना, आंतरिक सुरक्षा संचालन के दौरान मृत्यु, चुनावी फर्ज, प्राकृतिक आपदा और बचाव कार्यों के दौरान हताहत होने पर भी आश्रितों को एक करोड़ रुपये का अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा।

शहीद होने के बाद अगर शहीद की पत्नी दोबारा शादी करती है तो उसे उसका 35 प्रतिशत हिस्सा दिया जाएगा। अगर शहीद की कोई संतान नहीं है, तो 50% पत्नी और 50 फीसदी हिस्सा माता-पिता को मिलेगा। अगर माता-पिता जिंदा नहीं हैं तो 50 प्रतिशत राशि पत्नी और 50 प्रतिशत बच्चों को मिलेगी। शहीद के अविवाहित होने और माता-पिता जीवित नहीं होने के स्थिति में अनुदान का भुगतान भाई बहनों को दिया जाएगा। परिवार का कोई अन्य सदस्य या रिश्तेदार अनुग्रह अनुदान के लिए पात्र नहीं होगा। सेना, नौसेना, वायु सेना, भारतीय तटरक्षक बल, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स, असम राइफल्स, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और रैपिड एक्शन फोर्स बलिदानी अग्निवीरों के आश्रित सरकार की 1 करोड़ रुपये की लाभ योजना के दायरे में आएंगे। अग्निवीर योजना के तहत लगे शहीद के आश्रितों को भी बलिदानी सैनिकों और अर्धसैनिक बलों के जवानों की तर्ज पर हरियाणा सरकार 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देगी। 5 मई को मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला ले चुकी सरकार जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी करेगी। भारतीय सेनाओं में वर्तमान में हरियाणा से 6153 अग्निवीर हैं।

सरकार युद्ध,आतंकवादी हमले, सीमा पर झड़प और संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में सेवा करते समय के साथ दिव्यांग होने पर भी राशि का लाभ देगी। 70 फीसदी से ज्यादा दिव्यांगता पर 35 लाख, 50 से 69 फीसदी दिव्यांगता पर 25 लाख रुपये और 20 से 49 प्रतिशत दिव्यांगता पर 15 लाख रुपये दिए जाएंगे।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच हरियाणा ने कसी कमर

ब्लड स्टोरेज और दवाइयों के इंतजाम पर जोर, डॉक्टरों को अहम निर्देश

चंडीगढ़, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर और उसके उल्लंघन की खबरों के बीच हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग ने एक बार फिर कमर कस ली है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की छुट्टियां रद करने के साथ ही उन कर्मचारियों व अधिकारियों के अवकाश भी रद कर दिए हैं, जिन्होंने पहले से अवकाश ले रखे हैं।

उन्हें तुरंत वापस काम पर लौटने के आदेश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने चाइल्ड केयर लीव और मेडिकल लीव तक रद करने के आदेश दिए हैं और विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को ड्यूटी पर लौटने के लिए निर्देशित किया है।

सरकार ने जिला स्तर पर सभी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आपातकालीन दवाओं, रक्त भंडारण, एंबुलेंस सेवाओं और चिकित्सा कर्मचारियों की तैनाती की निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने पाकिस्तान द्वारा बार-बार संघर्ष विराम उल्लंघन की घटनाओं के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री के आदेश पर ही महानिदेशक ने राज्य के सभी सिविल सर्जनों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को सतर्कता बरतने के आदेश जारी किए। इन आदेश में कहा गया है कि राज्य के सभी स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मचारियों की सभी प्रकार की छुट्टियां रद कर दी गई हैं। इनमें अर्जित अवकाश (ईएल), चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल), असाधारण अवकाश (ईओएल) और किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी शामिल है। किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अपने जिले का मुख्यालय नहीं छोड़ने को कहा गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जो अधिकारी और कर्मचारी वर्तमान में छुट्टी पर हैं, उन्हें तुरंत अपने संबंधित जिला मुख्यालय में रिपोर्ट करना होगा और काम पर लौटना होगा। सीमा पर उत्पन्न आपातकालीन स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर काम करे।

सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित न हों। राज्य के लोगों की सेवा सर्वोपरि है और इस समय विभाग को एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। आरती राव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हिसार में खाद्य सामग्री की जमाखोरी पर रोक

नियम तोड़नेवालों के खिलाफ डीसी ने दिए सख्त कार्रवाई करने के आदेश

हिसार, 11 मई (एजेंसियां)। जिलाधीश अनीश यादव ने आपातकालीन स्थिति को देखते हुए जिला हिसार में चावल, गेहूं, दालें, चीनी, खाद्य तेल, सब्जियां, दूध उत्पाद, दवाएं, पेट्रोल और डीजल सहित आवश्यक वस्तुओं, खाद्य पदार्थों की जमाखोरी और भंडारण कर कालाबाजारी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। जिलाधीश ने अपने आदेश में कहा कि उपरोक्त आवश्यक वस्तुओं और खाद्य पदार्थों की जमाखोरी और भंडारण को प्रतिबंधित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश पारित किए गए हैं। उन्होंने जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक को सख्त निगरानी रखने और बाजार में आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति और उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

जिलाधीश ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त आदेशों के उल्लंघन का दोषी पाया जाता है, तो वह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंड का भागी होगा। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि बाजारों, गोदामों तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों की नियमित जांच की जाए और सभी आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, मूल्य और भंडारण की जानकारी एकत्र की जाए। इसके साथ ही आमजन से भी अपील की गई कि यदि उन्हें अवैध भंडारण या कालाबाजारी की कोई सूचना मिले, तो वे तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

सरकार अंत्योदय उत्थान की दिशा में कर रही है कार्य : कृष्ण कुमार

चंडीगढ़, 11 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने आज नरवाना के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में खुला दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करके उन्हें एक्शन टेकन रिपोर्ट दें। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार अंत्योदय उत्थान की दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम मिल रहे है। किसानों की एमएसपी पर फसल खरीद की जा रही हैं और निर्धारित समय में भुगतान किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के लिए काम कर रही है। चुनावी संकल्प पत्र के अनुसार सरकार विकास के काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नरवाना क्षेत्र में निरंतर विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है और आने वाले समय में भी क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक परियोजनाएं आरंभ की जाएंगी।

पाकिस्तान की पहचान झूठ छल और धोखा : विज

अंबाला, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच तीन दिन तक चली तनातनी के बाद आखिरकार शनिवार शाम सीजफायर लागू हो गया। इस बीच हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है।अनिल विज ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान की पहचान झूठ, छल और धोखे से है, और ये उसके हथियार हैं। भारत हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

शहीद झुंझुनूं के जवान का अंतिम संस्कार, बेटी ने रोते हुए कहा

पापा ने देश के लिए अच्छा काम किया

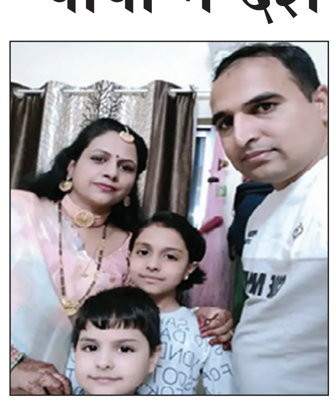

झुंझुनूं, 11 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले में शहीद हुए झुंझुनूं के असिस्टेंट मेडिकल सार्जेंट सुरेंद्र कुमार का आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। शनिवार सुबह उधमपुर एयरपोर्ट पर हुए इस हमले में सुरेंद्र कुमार शहीद हो गए थे, जबकि तीन अन्य जवान घायल हो गए थे। सुरेंद्र की शहादत की जानकारी उनके परिवार को कई घंटे बाद दी गई। पत्नी और मां की हालत बेहद खराब हो गई थी। शहीद की बेटी वृत्तिका ने भावुक होते हुए कहा, पापा ने देश के लिए अच्छा काम किया है। सुरेंद्र कुमार की शहादत ने उनके परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया है, लेकिन देश के प्रति उनका समर्पण और बलिदान सभी के दिलों में अमिट रहेगा।शहीद सुरेंद्र कुमार की तिरंगा यात्रा दोपहर 12 बजे मंडावा से शुरू हुई। इस यात्रा में जयपुर से आई सैन्य टुकड़ी भी शामिल हुई। यात्रा में भारत माता की जय और सुरेंद्र कुमार अमर रहे के नारे गूंजते रहे। यात्रा का उद्देश्य शहीद जवान को श्रद्धांजलि अर्पित करना था और उनका सम्मान करना था। तिरंगा यात्रा के बाद शहीद सुरेंद्र कुमार का अंतिम संस्कार उनके गांव मेहरादासी में राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। उनकी पार्थिव देह को दिल्ली से सड़क मार्ग के जरिए मंडावा लाया गया था, जहां उनका अंतिम संस्कार दोपहर करीब 12.30 बजे किया गया।

राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में मिले मिसाइल और ड्रोन के टुकड़े,सेना ने बम को किया डीफ्यूज

जोधपुर, 11 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की ओर से शनिवार सुबह भी पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में ड्रोन और मिसाइल दागी गई, जिन्हें हवा में नष्ट कर दिया गया। उसके टुकड़े सीमावर्ती इलाकों के गांवों में मिल रहे हैं। रविवार को भारतीय सेना ने जैसलमेर में मिले बम को निष्क्रिय कर दिया।

इसके बाद प्रशासन ने राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में रेड अलर्ट घोषित किया साथी बाड़मेर में हाई रेड अलर्ट और जोधपुर में भी सभी बाजार तत्काल प्रभाव से बंद करवाए गए। सामरिक महत्व के जोधपुर में कल रात ब्लैकआउट की अवधि बढ़ा दी थी।

सुरक्षा एजेंसियों और सेना से मिले इनपुट के आधार पर सरहदी जिलों जैसलमेर बाड़मेर जोधपुर बालोतरा बीकानेर गंगानगर में शनिवार को रेड अलर्ट जारी किया। बीती रात हुए हमले के दौरान शनिवार सवेरे जैसलमेर के शकूर खान की ढाणी के पास खेत में धमाके के साथ मिसाइलनुमा लोहे का टुकड़ा गिरा था।

श्रीगंगानगर, जैसलमेर और बाड़मेर के उत्तराई इलाके में अल सुबह धमाकों के साथ ड्रोन के टुकड़े गिरे है। जबकि, बालोतरा, जैसलमेर और बीकानेर में मिसाइल जैसी नजर आने वाली वस्तु मिली है।

भारत-पाक तनाव के कारण

राजस्थान के 5 एयरपोर्ट 15 तक बंद, रेल गाड़ीयां भी रद्द

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। पिछले तीन दिन से भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के चलते एयर ट्रेफिक के साथ ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित हुआ है। राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तान की ओर से एि जा रहे हवाई हमलों को देखते हुए जोधपुर, किशनगढ और बीकानेर एयरपोर्ट को दो दिन के लिए बंद किया गया था। अब राजस्थान के पांच एयरपोर्ट को 15 मई तक के लिए बंद कर दिया गया है। बंद किए गए एयरपोर्ट्स में जोधपुर, किशनगढ, बीकानेर, जैसलमेर और उत्तरलाई एयरपोर्ट शामिल है। जोधपुर और जैसलमेर बाड़मेर से जुड़ी कई ट्रेनों का संचालन भी रद्द करना पड़ा है।

9 राज्यों के 32 एयरपोर्ट बंद

पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे हवाई हमलों को देखते हुए देश के 9 राज्यों के कुल 32 एयरपोर्ट को 15 मई तक के लिए बंद किया गया है। इन 32 एयरपोर्ट से आगामी पांच दिन कोई भी भी एयरलाइंस टेकऑफ और लैंड नहीं होगी। बंद किए गए एयरपोर्ट में जम्मू कश्मीर के 3, चंडीगढ का 1, लद्दाख के 2, हिमाचल प्रदेश के 3, पंजाब के 5, हरियाणा का 1, उत्तर प्रदेश के 2, गुजरात के 8 और राजस्थान के 5 एयरपोर्ट शामिल हैं।

भारत-पाक तनाव के चलते जयपुर में भी सतर्कता

आपात बैठक लेने के बाद जिला कलेक्टर खुद उतरे फील्ड में

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। सीमावर्ती जिलों में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति को देखते हुए जयपुर में भी सुरक्षा व्यवस्थाएं चाक चौबंद की गई है। पिछले दिनों पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ की ओर अभय कमांड सेंटर में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई। जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र सोनी भी प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर एक्टिव हैं। 8 मई को जयपुर के कई इलाकों में जब मॉक ड्रिल किया गया। तब जिला कलेक्टर हर मॉक ड्रिल में उपस्थित रहे। शनिवार को उन्होंने आपात बैठक ली जिसमें सभी एडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और नागरिक सुरक्षा से जुड़े अधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद जिला कलेक्टर खुद फील्ड में उतरे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के साथ जिले के उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और नायब तहसीलदार भी शनिवार को फील्ड में उतरे। पूरे जिले के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

इस दौरान अधिकारियों ने आमजन से संवाद किया और उन्होंने किसी भी आपात स्थिति के लिए सतर्क रहने, प्रशासन का सहयोग करने, गाइडलाइन की पालना करने के साथ अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की।

जयपुर शहर सहित पूरे जिले के बड़े चिकित्सालयों, स्वास्थ्य केन्द्रों और ब्लड बैंकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग कर्मियों, रक्त, दवाओं, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता सहित अन्य आवश्यक इंतजामों का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद पुलिस अधिकारियों के साथ अधिकारियों ने स्थानीय व्यापार संघों, संगठनों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। साथ ही, अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक भी ली और क्षेत्र में कानून व्यवस्था सहित अन्य बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

नागरिक सुरक्षा अधिनियम, 1968 के तहत जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने नागरिक सुरक्षा सेवाओं के लिए प्रभारी और सह प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की है। अतिरिक्त जिला कलक्टर संतोष कुमार मीणा ने बताया कि मुख्यालय सेवा के लिए नियंत्रक (जिला कलेक्टर) नागरिक सुरक्षा को प्रभारी अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। बचाव सेवा के लिए अधीक्षण अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जयपुर शहर को प्रभारी अधिकारी तो वहीं, अधिशासी अभियन्ता, सार्वजनिक निमार्ण विभाग, जयपुर शहर को सह प्रभारी अधिकारी के तौर पर जिम्मेदारी दी गई है।

बिहार में उभरती खेल संस्कृति

खेलों को करियर बनाने की प्रेरणा बन रहा खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025

पटना (एजेंसियां)।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का बिहार में आयोजन न सिर्फ एक प्रतियोगिता है, बल्कि यह राज्य के युवाओं को खेलों को एक गंभीर करियर विकल्प के रूप में अपनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रेरणा दे रहा है। राज्य सरकार और आयोजन समिति की सोच के अनुरूप इस भव्य आयोजन ने छोटे-छोटे बच्चों और किशोरों के मन में खेलों के प्रति उत्साह, जुनून और भविष्य की एक स्पष्ट दिशा पैदा की है।

खंजरपुर के बिहार सशस्त्र पुलिस बल कैंप स्थित इंडोर स्टेडियम में जब सापेक टाकरा युगल मुकाबले में बिहार और नागालैंड की टीमें आमने-सामने थीं, तब दर्शक दीर्घा में मौजूद नन्हे बच्चों की आंखों में उम्मीद और प्रेरणा की चमक साफ दिखी। स्कोरबोर्ड पर हर अंक के साथ उनका जोश बढ़ रहा था। बिहार की टीम को चियर करती बच्चियों की तालियों की गूंज और उत्साह बता रहा था कि खेलों के प्रति उनका लगाव अब महज दर्शक बनने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भी उस मैदान का हिस्सा बनना चाहती हैं। बिहार सरकार के इस आयोजन के पीछे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की स्पष्ट मंशा रही है कि युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित किया जाए और राज्य में एक जीवंत खेल संस्कृति विकसित की जाए। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रण शंकरण ने कहा कि उनका मकसद सिर्फ पदक जीतना नहीं, बल्कि युवाओं को खेलों की भव्यता और उनके भीतर छिपे अवसरों से अवगत कराना है।

दीघा के रेलवे खेल परिसर में मुक्केबाजी मुकाबलों के दौरान भी कई बच्चे खेलों को लेकर गंभीरता दिखाते नजर आए। केंद्रीय विद्यालय-2, बेली रोड की छात्रा वसुधा सिंह, जो स्वयं एक बैडमिंटन खिलाड़ी है और संभागीय खेलों में रजत पदक जीत चुकी है, भले ही पटना में बैडमिंटन मुकाबले न देख पाने से निराश थी, लेकिन मुक्केबाजी के मुकाबलों से वह प्रेरित हुई। वसुधा का कहना है कि मैं भी एक दिन अपने राज्य के लिए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में खेलना चाहती हूं।

इस आयोजन की खास बात यह रही कि सिर्फ बच्चे ही नहीं, उनके परिवार के सदस्य भी पूरे जोश के साथ मैचों में भाग ले रहे हैं। सापेक टाकरा मुकाबलों के दौरान अपनी दादी के साथ भाव्या, नाव्या और निवेदिता की मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब परिवार भी बेटियों के खेल करियर को लेकर सजग हो रहे हैं। भाव्या की दादी ने कहा कि बच्चियां लगातार कह रही थीं कि उन्हें खेल देखना है। अब इन्होंने खेल को करियर बनाने का मन बना लिया है। ज्ञान भवन में आयोजित जूडो मुकाबलों में जब युवा मैट पर अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे थे, तब दर्शकों की नजरों में चमत्कार और सीख की चमक थी। मुंबई से आई 13 वर्षीय मानसी, जो बैडमिंटन खेलती हैं, ने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स में अपनी उम्र के बच्चों को इस स्तर पर खेलते देखना बेहद प्रेरणादायक है। अब मैं भी अपने खेल को लेकर और गंभीर हो गई हूं।

ई-रिक्शा चालक की गला रेतकर हत्या

आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय के गढ़हारा थाना क्षेत्र में एक युवक की गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह घटना हाजीपुर पोखर के पास की है, जहां 21 साल के राणा कुमार साह की लाश खून से लथपथ हालत में मिली।

राणा, हाजीपुर के निवासी विशेश्वर साह का बेटा था और ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का खर्चा उठाता था।

बताया गया कि राणा रोज की तरह रात को घर के पास स्थित पुस्तकालय की छत पर सोने गया था। लेकिन सुबह जब वह नीचे नहीं आया, तो उसका भतीजा उसे देखने छत पर गया। वहां राणा की लाश देखकर पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना से नाराज़ लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वहीं पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कोशिश कर रही है।

युवक की हत्या के बाद इलाके में गुस्सा भड़क गया। घटना की जानकारी मिलते ही लोगों ने जीरोमाइल-बरौनी कोल रोड को जाम कर दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर कई थानों की पुलिस पहुंच गई है। पुलिस अधिकारियों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कोशिश की, लेकिन लोगों के विरोध के कारण सफलता नहीं मिल सकी।

डीएसपी इमरान अहमद भी मौके पर पहुंचे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक टीम) को भी बुलाया गया है, जो जांच कर सैंपल इकट्ठा कर रही है। मृतक राणा की मां ने बताया कि राणा अविवाहित था और रोजाना देर शाम घर लौटता था। बीती रात करीब 8 बजे उसने अपनी भतीजी से खाना बनाने को कहा था, लेकिन जब खाना नहीं बना तो वह बाहर से खाना लाया और खाकर छत पर सोने चला गया। सुबह काफी देर तक जब वह नहीं उठा तो घरवालों को अनहोनी का शक हुआ। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। हत्या की असली वजह क्या थी, इसका खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो पाएगा।

अपराधियों की मुश्किलें बढ़ीं, 43 केस वाले चुन्नू ठाकुर समेत दो की 11 करोड़ की संपत्ति होगी जब्त

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर पुलिस को राज्य सरकार के आदेश पर बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अब अपराध और गैरकानूनी तरीके से कमाई गई संपत्ति को सीज करने का काम कर रही है। इसके लिए पुलिस को कोर्ट से मंजूरी भी मिल गई है।

मुजफ्फरपुर पुलिस को राज्य सरकार के आदेश पर बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अब अपराध और गैरकानूनी तरीके से कमाई गई संपत्ति को सीज करने का काम कर रही है। इसके लिए पुलिस को कोर्ट से मंजूरी भी मिल गई है।

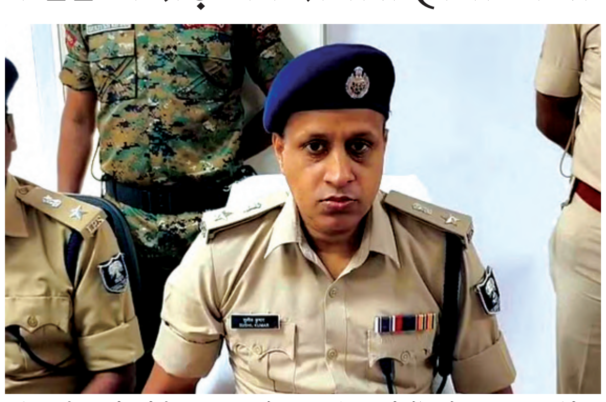

पुलिस द्वारा दर्ज किए गए मामले में, न्यायालय ने कुख्यात अपराधी राकेश कुमार उर्फ चुन्नू ठाकुर और कुमार रंजय उर्फ ओंकार सिंह की लगभग 11 करोड़ की संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। एसएसपी सुशील कुमार ने जानकारी दी कि कोर्ट ने त्वरित सुनवाई के बाद आदेश दिया है, जो अब डीएम के पास विच-ाराधीन है। जल्द ही इस मामले में कुर्की की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। राकेश कुमार उर्फ चुन्नू ठाकुर की 10 जमीनें (कुल 229.67 डिसमिल) जो अपराधी गतिविधियों से अर्जित की गई थीं, चिन्हित की गई हैं।

उन्होंने आगे कहा, इन पर 43 कांड दर्ज हैं और इनकी सर्किल दर 2 करोड़ 70 लाख रुपये बताई जा रही है, जबकि बाजार मूल्य 7 करोड़ रुपये से अधिक है। यह आरोपी 1987 से अपराधी दुनिया में है और उसके खिलाफ 45 से ज्यादा मामले चल रहे हैं। इसके अलावा कुमार रंजय के पास 5 जमीनें (कुल 61.9 डिसमिल) हैं, जो व्यावसायिक स्तर पर 2.5 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत की हैं। पुलिस इन दोनों मामलों में जल्दी कार्रवाई करेगी।

शराब माफिया का पीछा करने के दौरान उत्पाद विभाग की गाड़ी हादसे का शिकार, एक सिपाही की हुई मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के आरा में उत्पाद विभाग के साथ बड़ा हादसा हुआ है। शराब माफिया का पीछा करने के दौरान उत्पाद विभाग की बोलेरो गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक सिपाही की सदर अस्पताल लाने के दौरान मौत हो गई। जबकि एएसआई समेत चार पुलिसकर्मियों की हालत बेहद ही गंभीर है। ये घटना भोजपुर के बिहियां थाना क्षेत्र के केटाय गांव के समीप हुई है।

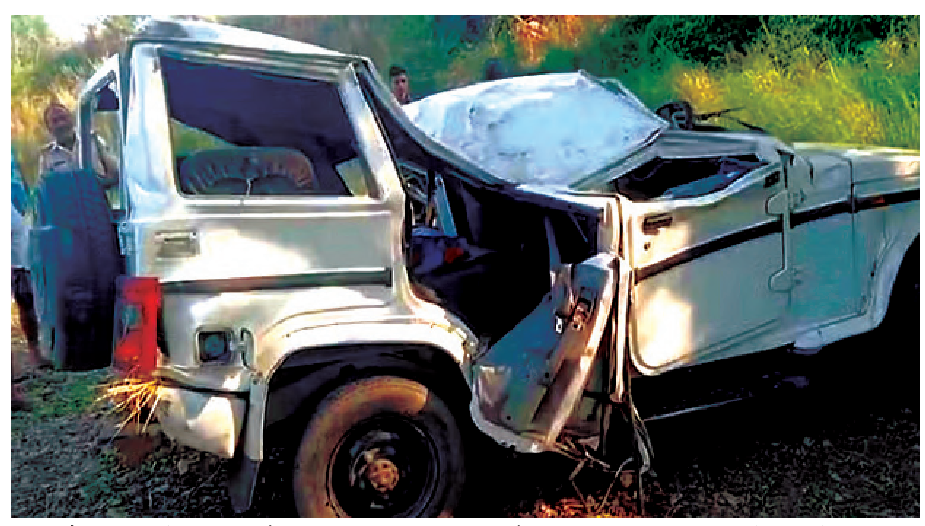

बताया गया है कि जगदीशपुर अनुमंडल के उत्पाद विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि बाइक से दो शराब तस्कर शराब की खेप ले कर जा रहे हैं। सूचना पर शराब तस्करों का जगदीशपुर अनुमंडल के उत्पाद विभाग की टीम पीछा की, जिसमें बोलेरो गाड़ी का अचानक नियंत्रण बिगड़ गया और गाड़ी बढ़िया थाना क्षेत्र के कटिया गांव के समीप सड़क किनारे गड्ढे में इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों से गाड़ी के अंदर से पुलिसकर्मियों को बाहर निकाला गया और इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल भेजा गया।

अस्पताल आने के दौरान एक होमगार्ड जवान की मौत हो गई। जबकि तीन लोग बेहद गंभीर रूप से जख्मी हैं, जो मृतक हैं उनका नाम धर्मेंद्र पासवान बताया गया है। जो कि बिहियां थाना क्षेत्र के ही समरदह गांव का निवासी था। वहीं, उत्पाद विभाग में एसआई मोहम्मद जमील अख्तर है जो कि मीठापुर अरवल वर्तमान में सगुना मोड दानापुर पटना के रहने वाले हैं। वहीं, तीसरे होमगार्ड जवान सुशील कुमार यादव, निजी चालक विकास कुमार हैं।

वहीं, घटना की जानकारी होने के बाद होमगार्ड डीएसपी सुभाष सिंह आरा सदर अस्पताल पहुंचे। मृतक के परिजनों को सांत्वना दिए और ज़ख्मियों की हाल जाने। मीडिया कर्मियों से बात करते हुए डीएसपी ने कहा कि शराब तस्कर का पीछा करने के दौरान गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई है, जिसमें एक होमगार्ड जवान की मौत हो गई है। जबकि चार लोग जख्मी हैं। फिलहाल, मृतक होमगार्ड जवान के परिवार को 15 हजार का सहायता राशि दिया जा रहा है। उसके बाद सड़क दुर्घटना में मिलने वाले चार लाख रुपये का मुआवजा भी होमगार्ड जवान को दिलाया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि दुर्घटना कैसे हुई है, इसकी पुलिस जांच भी कराई जाएगी।

शादी में शामिल होने आए यूपी के तीन युवकों को वाहन ने कुचला, एक की मौत, दो लोग गंभीर घायल

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज में बारात में शामिल होने जा रहे बाइक पर सवार तीन युवकों को एक अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। इस हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग बुरी तरह घायल हो गए। घटना शनिवार की रात लगभग 10 बजे की है।

मृतक की पहचान कन्हैया राजभर के तौर पर हुई है। कन्हैया उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के बरियारपुर थाना के पोस्ट बाबू बड़हरा सरेया गांव निवासी अशोक राजभर का बेटा है। अन्य दो घायलों में सूरज राजभर और संतोष राजभर शामिल हैं। मृतक के पिता अशोक राजभर ने विजयीपुर थाने में अज्ञात वाहन के खिलाफ उक्त घटना की प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मृतक के पिता ने बताया कि उसके गांव से विजयीपुर थाने के शीतलपुर गांव में लड़का बारात में गया था। रात में सूचना मिली कि उसके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है, जो सिंहपुर सरौरा रोड पर शाहिद जी की चिमनी के पास पड़ा है। सूचना पाकर देर रात करीब 11 बजे पहुंचे तो देखा कि लड़के का शव वहां पड़ा है। उसके बाद शव को विजयीपुर थाने पहुंचाया गया। फिर पुलिस की मदद से लड़के के शव का पोस्टमार्टम गोपालगंज में कराया गया। अंत में घटना को लेकर आवेदन दिया गया।

वहीं, चश्मदीदों के अनुसार रात 10:30 बजे के करीब एक बाइक पर सवार तीन युवक शाही जी के चिमनी के पास छटपटा रहे थे। उनमें से एक की मौत हो चुकी थी, जबकि दो बुरी तरह जख्मी थे। जख्मी हालत में घायलों को सदर अस्पताल पहुंचा दिया गया। मृतक कन्हैया के पास से मिले उसके मोबाइल नंबर से उसके परिजनों को फोन कर घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने रात में शव को पोस्टमार्टम के लिए गोप-ालगंज भेज दिया था। जहां से रविवार को दोपहर शव थाने पर लाया गया। थाने पर आवेदन देने के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया।

भीषण गर्मी में पटना की सड़कों का निरीक्षण करने निकले सीएम नीतीश कुमार

अफसरों को भी लगानी पड़ी दौड़

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधान सभा चुनाव में महज कुछ महीने शेष रह गये हैं, उधर मुख्यमंत्री इन दिनों काफी सजग हैं। लगातार कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने आज पटना जिला के विभिन्न पथों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक के पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का जायजा लिया। यह पथ तुरहा टोली, कुही मोड़, खिरनीचक मोड़, रघुरामपुर पुल, डी0पी0एस0 स्कूल एवं लोदीपुर, चांदमारी होते हुए उसरी-छितनावां पथ को जोड़ता है। उसरी छितनावां पथ का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा पटना जिला की प्रगति यात्रा के दौरान किया गया था। हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य होने से उसरी छितनावां, शिवाला, नौबतपुर, बिकम, पाली, जहानाबाद एवं आरा की ओर जाने के लिए लोगों को अतिरिक्त वैकल्पिक मार्ग मिलेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिवाला आरओबी का भी निरीक्षण किया। साथ ही शिवाला मोड़ के पास निर्माण कराए जाने वाले आरओबी पथ के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री चांदमारी गांव के पास रुककर पथ का जायजा लिया। मुख्यमंत्री सैनिक मोड़, दानापुर के पास भी रुके तथा सगुना मोड़ के पास निर्माण कराए जा रहे पटना मेट्रो रेल कार्य का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान निर्मित पथों के मेंटनेंस को लेकर तथा निर्माणाधीन पथों का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र का शव फंदे से झूलता मिला

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र से रविवार सुबह सनसनी फैलाने वाली घटना सामने आई है। जहां स्वीट हार्ट लाइन गली स्थित एक निजी लॉज में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र ब्रज बिहारी उर्फ सोनू ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, मृतक छात्र की पहचान भोजपुर जिले के कोइलवर निवासी ब्रज बिहारी उर्फ सोनू के रूप में हुई है। वह पटना में रहकर जनरल कंपटीशन की तैयारी कर रहा था।

पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि वह कई दिनों से मानसिक तनाव यानी डिप्रेशन में था।

घटना रविवार की अहले सुबह की बताई जा रही है। जब अन्य छात्र जागे तो उन्होंने ब्रज बिहारी के कमरे का दरवाजा बंद पाया। संदेह होने पर जब दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर उसका शव फंदे से लटका मिला। इसके बाद लॉज में हड़कंप मच गया और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

कदमकुआं थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। फिर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और मृतक के मोबाइल व कमरे से मिले दस्तावेजों को खंगालने में जुटी है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। छात्र के माता-पिता और अन्य परिजन पटना पहुंच चुके हैं।

बेटे की अचानक हुई मौत से वे गहरे सदमे में हैं। परिजनों ने बताया कि ब्रज बिहारी पढ़ाई को लेकर बीते कुछ समय से वह भीतर ही भीतर तनाव से जूझ रहा था। वह लॉज में भी अन्य छात्रों से बहुत कम बातचीत करता था और ज्यादातर समय अकेले ही रहता था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com